@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
## राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 14 सितंबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 311 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

# ब्रिक्स सम्मेलन का आधिकारिक समापन

## पीएम मोदी बोले-'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' साझा विजन को देगा नई दिशा

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन हो गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'ब्रिक्स' सिर्फ देशों का समूह नहीं बल्कि समाधान का इकोसिस्टम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' साझा विजन को नई दिशा देगा। पीएम ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्य देशों का आभार जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में शामिल सभी सदस्यों का आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा कि आपके महत्वपूर्ण विचारों और सुझावों ने हमारे सहयोग को व्यापकता भी दी है और गहराई भी दी है। आप सबकी मौजूदगी ब्रिक्स की बढ़ती उपयुक्तता, उदारता और समावेशिता का प्रमाण है। पीएम मोदी ने कहा, पिछले दो दिनों की हमारी चर्चाओं ने हमारा विश्वास और मजबूत किया है कि ब्रिक्स केवल देशों का समूह नहीं, समाधान का एक इकोसिस्टम है। हम आशा करते हैं इस समिट से उसमें जोड़े गए 'नई दिल्ली डिक्लेरेशन' हमारे साझा विजन और भविष्य के सहयोग को स्पष्ट दिशा देगा। हमें सभी परिणाम को समयबद्ध एक्शन और अंतिम पायदान पर प्रभाव से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा हमारे फ्रेमवर्क फाइल्स से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन में प्रभाव पैदा करें, इसके लिए हम सब मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा, ब्रिक्स अपने तीसरे दशक में प्रवेश करने जा रहा है। अब दुनिया हमसे केवल विचार और प्रतिबद्धता नहीं, कंक्रीट परिणाम की अपेक्षा करती है। मुझे विश्वास है कि हम साझा प्रयासों से इन अपेक्षाओं पर जरूर खरे उतरेंगे।

इस मौके पर पीएम मोदी ने ब्रिक्स के अगले होस्ट के तौर पर चीन को एक बार फिर बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, नई दिल्ली समिट को सफल बनाने के लिए मैं आप सभी का और आप सबकी टीम्स का विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। आप सभी की सुखद और सुरक्षित यात्रा की कामना करता हूं। आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद।

### राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एआई से लेकर ट्रेड तक पांच नई पहलों का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दूसरे सत्र में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हिस्सा लिया। अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति जिनपिंग ने ब्रिक्स सहयोग को और मजबूत करने के लिए पांच नई पहलें प्रस्तावित कीं। चीन के विदेश मंत्रालय अनुसार, 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ओपन सोर्स और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पहल पर बात करते हुए कहा कि चीन ब्रिक्स के तहत एक एआई ओपन सोर्स समुदाय बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। वह बड़े भाषा मॉडल के विकास और उनके उपयोग में सहयोग को बढ़ावा देगा। उन?होंने बताया कि? चीन एआई से जुड़े विशेष सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा तथा एआई के लिए एक खुला और सहयोगी इकोसिस्टम बनाने में मदद करेगा।

## ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन स्वदेश रवाना

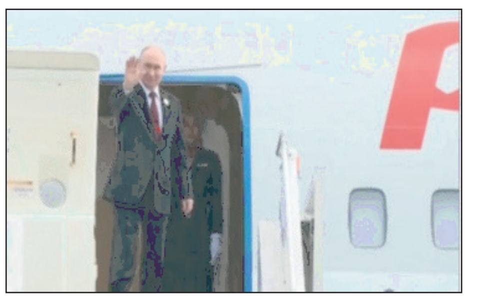

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 18वें ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद स्वदेश रवाना हो गए। दो दिन तक चले शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की और न्यू दिल्ली डिक्लेरेशन को मंजूरी दी। पुतिन दो दिन के समिट से पहले नई दिल्ली पहुंचे थे। इस समिट को भारत की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। इस समिट में ब्रिक्स के सदस्य देशों और पार्टनर देशों के नेता भारत में इकट्ठा हुए। अपनी यात्रा के दौरान, पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी की। दोनों नेताओं ने भारत-रूस संबंधों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें व्यापार और आर्थिक सहयोग मुख्य एजेंडा में शामिल थे।

## ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद चीन रवाना हुए शी जिनपिंग

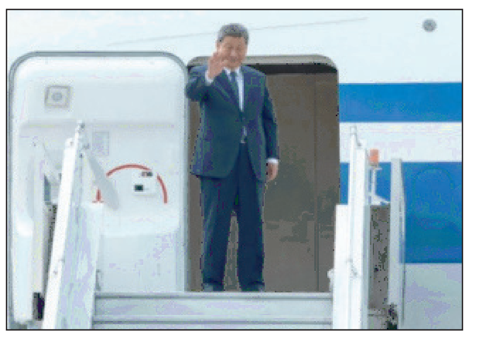

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद राष्ट्रपति शी जिनपिंग चीन रवाना हो गए। दूसरे दिन आउटरीच बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुनने के बाद उन्होंने फैमिली फोटो भी खिंचवाई। ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए वो सात साल बाद भारत आए थे। शिखर सम्मेलन से इतर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। जिसमें उन्होंने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी नहीं बल्कि साझेदार हैं।

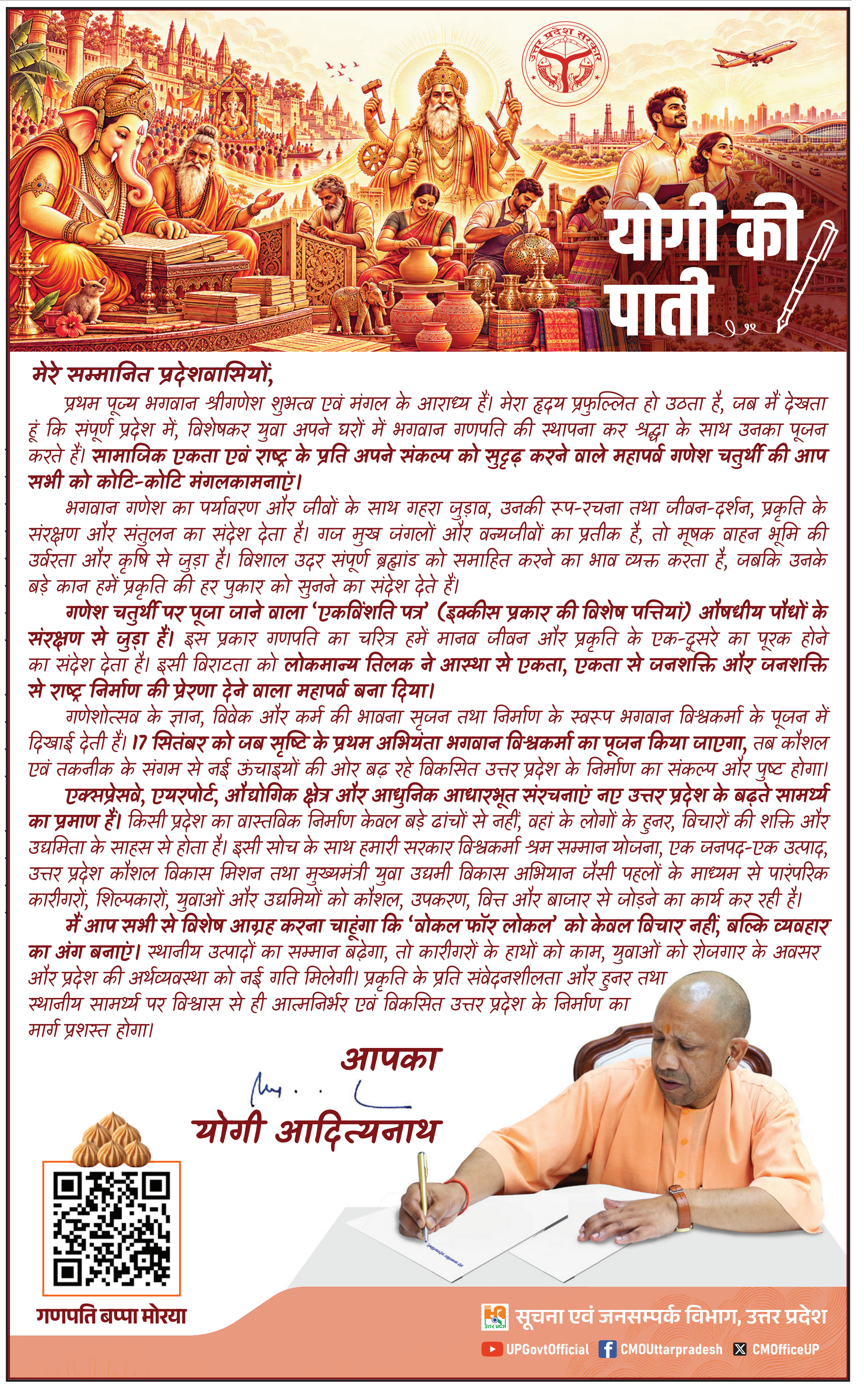


# पाकिस्तान से सीमा पार तस्करी के जरिए आने वाले नशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

**कौमी पत्रिका**

चंडीगढ़, 13 सितंबर। पिछले कुछ वर्षों के दौरान पंजाब में पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए होने वाली नशों की तस्करी के खिलाफ की गई सख्त कार्रवाई के चलते नशा तस्करी के तरीकों में बदलाव आया है और अब फार्मास्यूटिकल ड्रग्स पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। पंजाब में नशा-रोधी कानूनों को लागू करने के संबंध में अब हेरोइन की लत के बजाय फार्मास्यूटिकल ड्रग्स की लत एक प्रमुख चुनौती के रूप में उभर रही है। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस द्वारा पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अपनाई गई बहु-स्तरीय प्रतिक्रिया के चलते पंजाब में जमीनी स्तर पर हेरोइन की उपलब्धता में तेजी से गिरावट आई है। पंजाब पुलिस द्वारा 09 एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किए जा रहे हैं, जिनमें से 03 'बाज की आंख' सिस्टम 9 अगस्त, 2025 से अमृतसर, तरन तारन और फिरोजपुर में पहले ही कार्यशील हैं, जो इन ड्रोन का पहले ही पता लगाकर उन्हें जाम कर देते हैं। लंबे समय तक चलने वाले मोबाइल ड्रोन डिटेक्शन प्लेटफॉर्म 'ड्रोन सेंस डी200 प्रो' की 03 यूनिटें 03-09-2026 से सीमावर्ती जिलों में रणनीतिक स्थानों पर तैनात की गई हैं, जो तत्काल प्रतिक्रिया सुनिश्चित करती हैं। यह सिस्टम ड्रोन से संबंधित गतिविधियों और खेप गिराने वाले स्थानों की सटीक जानकारी उपलब्ध कराता है, जिससे समय पर कार्रवाई संभव हो जाती है। जमीनी स्तर पर तत्काल कार्रवाई के लिए 147 पुलिस कर्मचारियों के साथ-साथ 52 ड्रोन रिस्पांस टीमों (डीआरटी) द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ निकट तालमेल में काम किया जा रहा है। ये टीमें ड्रोन अलर्ट मिलने पर संदिग्ध खेप गिराने वाले स्थानों तक पहुंचती हैं, तलाशी लेती हैं और गिराई गई खेपों को प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को गिरफ्तार करती हैं। इन कार्रवाइयों में सहायता के लिए 585 स्थानों पर 2367 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और 600 पुलिस कर्मचारियों वाले 64 सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस नाकों की व्यवस्था की गई है। प्रवक्ता ने आगे बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में 'विलेज डिफेंस कमेटियों' (वीडीसी) को 'ड्रोन रिस्पांस टीमों' के साथ जोड़ा गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में वीडीसी पुलिस के लिए 'आंख और कान' के रूप में काम करती हैं। 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान के तहत 01-03-2025 से अब तक लगभग 80,000 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है और 486 ड्रोन बरामद किए गए हैं। नशा तस्करी नेटवर्क के आर्थिक आधार को तोड़ने के लिए वित्तीय जांच का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसके तहत 336 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति फ्रीज की गई है। नशों से संबंधित जानकारी देने के लिए बनाई गई इनामी नीति के तहत प्रत्येक ड्रोन की बरामदगी पर 25,000 रुपये का नकद इनाम दिया जाता है और मौजूदा वर्ष के दौरान इस नीति के तहत लगभग 2 करोड़ रुपये की राशि वितरित की जा चुकी है। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने कहा कि एंटी-ड्रोन तकनीक, रैपिड रिस्पांस टीमें, बीएसएफ के साथ तालमेल, सामुदायिक सतर्कता, सीसीटीवी निगरानी, नाके, खुफिया जानकारी के आधार पर गिरफ्तारियां, वित्तीय रूप से कमजोर करने, पुनर्वास और रोकथाम पर आधारित पंजाब पुलिस की बहु-स्तरीय प्रतिक्रिया प्रणाली के चलते अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से तस्करी किए जाने वाले नशों की पंजाब में जमीनी स्तर पर उपलब्धता में तेजी से गिरावट आई है। इसके साथ ही, नए रुझान दर्शाते हैं कि दूसरे राज्यों से तस्करी किए जाने वाले फार्मास्यूटिकल ड्रग्स पंजाब में नशों से संबंधित कानून लागू करने के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभर रहे हैं। पंजाब में फार्मास्यूटिकल ड्रग्स की जब्ती से संबंधित आंकड़ों के अनुसार, अधिकांश फार्मास्यूटिकल ड्रग्स पंजाब में नहीं बनाए जाते और हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली आदि राज्यों में बनाए जाते हैं। प्रवक्ता ने बताया कि अन्य राज्यों से पंजाब में बड़ी मात्रा में फार्मास्यूटिकल ड्रग्स आ रही हैं। वर्ष 2025 से अब तक उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली और हिमाचल सहित अन्य राज्यों से जुड़ी खेपों में से 11.54 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल बरामद किए गए हैं। एक अनुमान के अनुसार, पंजाब में मिलने वाली फार्मास्यूटिकल ड्रग्स में से 80 प्रतिशत गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली आदि राज्यों से आ रही हैं। यह उस पुराने रुझान के विपरीत है, जब 80 प्रतिशत नशीले पदार्थ पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए पंजाब में तस्करी करके लाए जाते थे। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने आगे कहा कि फार्मास्यूटिकल ड्रग्स के इस्तेमाल के उभरते रुझान से निपटने के लिए अंतरराज्यीय तालमेल बेहद जरूरी है। निर्माताओं, वितरकों और संगठित फार्मास्यूटिकल ड्रग नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई के लिए उन राज्यों के साथ लगातार समन्वय बनाकर काम करने की आवश्यकता है, जहां से ये नशीले पदार्थ बनते हैं या जिनके जरिए इनकी तस्करी होती है।

# आकृति चौधरी मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं नोएडा डीएम

**• इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को दी चुनौती**

**एजेंसी**
**नोएडा।** दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा आकृति चौधरी के खिलाफ एनएसए लगाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। गौतमबुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया था कि उनकी पर्सनल सैलरी से 5 लाख रुपए का मुआवजा वसूला जाए और वो मुआवजा डीयू की स्टूडेंट आकृति

चौधरी को दिया जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीयू की छात्रा आकृति चौधरी की एनएसए के तहत हिरासत को गैरकानूनी बताया था। दरअसल, अप्रैल 2026 में नोएडा में हुए मजदूरों के आंदोलन के दौरान आकृति चौधरी को गिरफ्तार किया गया था और बाद में उन पर एनएसए लगा दिया गया था।

**दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा आकृति चौधरी के खिलाफ एनएसए लगाने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।**

# मुख्यमंत्री ने डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के षष्ठम स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित किया

**कौमी पत्रिका**

लखनऊ 13 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि लखनऊ में डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले ब?ी संख्या में मरीजों की पहली पहुँच इसी संस्थान तक होती है। पहले ब?ी संख्या में ऐसे मरीज आते थे, जिन्हें डायलिसिस की आवश्यकता होती थी। आज प्रदेश के सभी 75 जनपदों में जिला अस्पतालों में 10-10 बेड की निःशुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध करायी जा चुकी है। मात्र 06 वर्ष की छोटी अवधि में संस्थान ने जिस गति से प्रगति की है, वह सराहनीय है। मुख्यमंत्री जी आज यहाँ डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के षष्ठम स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के 40 बेड युक्त इमरजेंसी मेडिसिन वॉर्ड, मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में 100 मरीजों हेतु वेटिंग हॉल, मुख्य चिकित्सा भवन में अंग प्रत्यारोपण यूनिट, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में 4-डी सी0टी0 सिमुलेटर मशीन, 1.5 टेस्ला एम0आर0आई0 मशीन, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के अन्तर्गत स्पेक्ट सी0टी0 मशीन, पी0एम0आर0 विभाग में नेविगेटेड आर0टी0एम0एस0 मशीन तथा इण्डोब्रोन्कियल अल्ट्रासाउण्ड मशीन का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न तकनीकी पदों पर नवचयनित 194 अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। उन्होंने संस्थान में अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने वाले संकाय सदस्यों को सम्मानित किया। संस्था की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट, प्रो0 अजय कुमार वर्मा की पुस्तक 'सीओपीडी - सही जानकारी सही देखभाल' व डॉ0 सौम्या सोनकर नाथ की पुस्तक 'क्रिटिकल केयर पर्ल्स' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में यह प्रश्न सामने था कि यह अस्पताल रहेगा अथवा इसे संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। उस समय असमंजस और आपसी विवाद की स्थिति थी। निर्णय लिया गया कि इसे संस्थान के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। जो लोग संस्थान में कार्य करना चाहते हैं, उन्हें संस्थान में रखा जाएगा तथा अन्य कार्मिकों को उनकी इच्छा के अनुसार स्वास्थ्य विभाग के अन्य अस्पतालों में स्थानान्तरित किया जा सकता है। उस समय उन्होंने स्वयं संस्थान का दौरा किया था, लेकिन यह कल्पना नहीं थी कि कभी 20 बेड का यह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इतनी तेजी से विकसित होकर उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा का उत्कृष्ट केन्द्र बनेगा तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों और फैकल्टी के योगदान से डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान 20 बेड के अस्पताल से 1,400 बेड के सुपर स्पेशियलिटी संस्थान में परिवर्तित हुआ है।

शेष पृष्ठ 3 पर

# भारत और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों ने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर की चर्चा

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद से मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'ब्रिक्स इंडिया 2026 के मौके पर सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद से मिलकर खुशी हुई। क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों के साथ-साथ हमारे द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' भारत और सऊदी अरब ने गुरुवार को रक्षा सहयोग पर चर्चा की और अपनी रणनीतिक साझेदारी को और

मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। यह चर्चा तब हुई जब भारतीय राजदूत विपुल ने सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री खालिद बिन हुसैन अल बियारी से मुलाकात की। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल ने रियाद में सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल बियारी से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने भारत-सऊदी अरब रक्षा सहयोग पर चर्चा की और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया, दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।' विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह भी 5 से 8 सितंबर तक सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर थे।

# आतंकवाद से लेकर वैश्विक सुधार तक ब्रिक्स देशों का साझा रुख

## ब्रिक्स घोषणापत्र में भारत की कूटनीतिक जीत

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
यहां आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, जिसने आतंकवाद, वैश्विक शासन सुधार और मध्य-पूर्व संकट जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदस्य देशों का साझा रुख प्रस्तुत किया। इस घोषणापत्र को भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, खासकर तब जब विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर साझा सहमति बनाना कठिन माना जा रहा था।घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में अप्रैल 2025 को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई, जिसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी। ब्रिक्स ने देश-समर्थित सीमा पार आतंकवाद, इसकी फंडिंग और आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया। चीन और रूस जैसे देशों की मौजूदगी में किसी विशिष्ट आतंकी घटना का नाम शामिल करना और सीमा पार आतंकवाद पर सीधा रुख अपनाना भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा रही है, जो आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करता है।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की मांग को दोहराते हुए ब्रिक्स देशों ने इसे अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधि और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। चीन और रूस ने विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र में भारत और ब्राजील की बड़ी भूमिका और आकांक्षाओं के प्रति अपने समर्थन को दोहराया। चीन का पहले यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध करना और अब इस पर सहमति जताना, भारत की दीर्घकालिक कोशिशों को रणनीतिक बल प्रदान करता है। गाजा संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए घोषणापत्र में बिना बाधा मानवीय सहायता पहुंचाने और स्थायी युद्धविराम की मांग की गई। घोषणापत्र में एकतरफा टैरिफ, व्यापार बाधाओं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना लगाए जाने वाले आर्थिक प्रतिबंधों का विरोध किया गया। यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म जैसे ग्रीन-टैक्स उपायों को संरक्षणवाद करार दिया गया। इसके अतिरिक्त, ब्रिक्स ने विश्व व्यापार संगठन में तत्काल सुधार और उसके ठप पड़े विवाद निपटान तंत्र की बहाली की मांग की, जो नियम-आधारित वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सदस्य देशों ने आपस में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने और भुगतान प्रणालियों के बीच इंटर-कनेक्शन विकसित करने पर सहमति जताई, जिससे अमेरिकी डॉलर पर वैश्विक निर्भरता कम होगी। भारत के गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी आईएफएससी में ब्रिक्स रिस्क लैब स्थापित करने के प्रस्ताव का स्वागत किया गया, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शासन पर भारत की पहल एआई इंपैक्ट समिट की सराहना की गई, जो भारत को वैश्विक मंच पर एक मजबूत स्थिति में रखता है। घोषणापत्र में शांतिपूर्ण परमाणु ठिकानों पर हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया और ऊर्जा सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया गया।

## बिहार में बाढ़ का खतरा बरकरार, पुनपुन में वृद्धि चिंताजनक

**- कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान से ऊपर, पटना में कुछ घाटों पर जलस्तर घटा**

पटना(एजेंसी)। बिहार में शनिवार शाम को गंगा, कोसी और अन्य नदियों का जलस्तर विभिन्न स्थानों पर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है, हालांकि अधिकांश जगहों पर यह या तो स्थिर है या उसमें गिरावट दर्ज की जा रही है। चिंता की बात यह है कि पुनपुन नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। जल संसाधन विभाग के बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायता केंद्र, पटना द्वारा 12 सितंबर रात 9 बजे तक जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। गंगा नदी बक्सर में चेतावनी स्तर से 0.43 मीटर ऊपर 59.75 मीटर पर स्थिर बह रही है। पटना जिले के दीघाघाट में जलस्तर खतरे के निशान से 0.44 मीटर ऊपर 50.89 मीटर पर स्थिर रहा, जबकि गांधीघाट में यह 1.13 मीटर ऊपर 49.73 मीटर पर घटने का रुख दिखा रहा है। बांकाघाट में भी गंगा खतरे के निशान से 0.69 मीटर ऊपर स्थिर बनी हुई है। पंडारक और हाथीदह में गंगा क्रमशः चेतावनी और खतरे के निशान से ऊपर स्थिर है, हाथीदह में यह 1.18 मीटर ऊपर दर्ज की गई। आगे बढ़ते हुए, मुंगेर, सुल्तानगंज, भागलपुर और अजगैनाबाद में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर रहने के बावजूद उसमें गिरावट दर्ज की गई है। सुल्तानगंज में यह 1.83 मीटर और अजगैनाबाद में 1.20 मीटर ऊपर है। वहीं, कहलगांव और साहेबगंज में नदी अभी भी खतरे के निशान से काफी ऊपर (क्रमशः 1.60 मीटर और 1.43 मीटर) स्थिर है। इन सबके बीच, पुनपुन नदी के जलस्तर में हो रही वृद्धि ने स्थानीय प्रशासन और निवासियों की चिंता बढ़ा दी है, जिस पर लगातार नजर रखी जा रही है।

## नवजात को निजी अस्पताल ने बनाया बंधक, पुलिस ने छुड़ाया

गोरखपुर (एजेंसी)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए रेफर की गई एक नवजात बच्ची को एंबुलेंस चालक ने धोखे से फातिमा बाईपास स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचा दिया। स्वजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल ने पहले 96 हजार रुपये वसूले और फिर बच्ची को बंधक बनाकर डिस्चार्ज के लिए 90 हजार रुपये और मांगे। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद अतिरिक्त 30 हजार रुपये लेकर बच्ची को छोड़ा गया। कुशीनगर के कसया स्थित वरदान अस्पताल में 29 अगस्त को जन्मी इस बच्ची को सांस लेने में दिक्कत थी। प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने 5 सितंबर को उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। बच्ची के बाबा अर्जुन कुशवाहा ने बताया कि इसी दौरान एक निजी एंबुलेंस चालक ने उन्हें गुमराह किया और बेहतर इलाज का झांसा देकर शाहपुर के फातिमा बाईपास स्थित एकता मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती करा दिया। स्वजनों के मुताबिक, 5 सितंबर से बच्ची का उपचार इसी अस्पताल में चल रहा था। इस दौरान इलाज और दवा के नाम पर उनसे 96 हजार रुपये जमा करा लिए गए। जब उन्होंने बच्ची को डिस्चार्ज कर बीआरडी ले जाने का अनुरोध किया, तो अस्पताल प्रबंधन ने 90 हजार रुपये और जमा करने को कहा। रकम न देने पर बच्ची को बंधक बनाए रखा गया। परेशान स्वजनों ने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद शाहपुर थाने में दोनों पक्षों को बुलाया गया। शाहपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि समझाने-बुझाने के बाद 30 हजार रुपये और लेकर नवजात को डिस्चार्ज कराया गया। हालांकि, अस्पताल संचालक मैनुद्दीन ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि केवल उपचार में लगे खर्च की ही धनराशि ली गई है।

## निखिल कोचिंग संचालक ने मांगी सुरक्षा, कहा- खान सर से खतरा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना के मशहूर कोचिंग शिक्षक खान सर उर्फ फैजल खान एक बार फिर गंभीर विवादों में घिरे नजर आ रहे हैं। पहले रोशन आनंद के साथ उनके विवाद ने सुर्खियां बटोरी थीं, और अब करीब एक महीने पहले उत्तर प्रदेश की एक लड़की ने खान सर के खिलाफ पटना के पीरबहोर थाने में सुरक्षा को लेकर एक आवेदन दिया था, जिससे नया विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में निखिल कोचिंग संस्थान के डायरेक्टर निखिल कुमार ने उस लड़की का खुलकर समर्थन किया है, जिसके बाद उन्होंने खान सर के कथित गुर्गों द्वारा धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है।निखिल कुमार ने इस संबंध में पटना सिटी एसडीपीओ और पटना एसएसपी को एक लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए कहा है कि उनके गुर्गों द्वारा उनकी रेकी (जासूसी) की जा रही है और उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है।

## पश्चिम बंगाल में बिना पंजीयन कर चल रहे 252 मदरसों को बंद करने का नोटिस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बिना पंजीकरण या मान्यता के संचालित हो रहे मदरसों पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य के 22 जिलों और कोलकाता में कराए गए सर्वेक्षण में 2396 मदरसे ऐसे पाए गए हैं, जिनके पास सरकारी पंजीकरण या किसी मान्यता प्राप्त सरकारी बोर्ड की मंजूरी नहीं है। अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग की ओर से कराए गए इस सर्वेक्षण के आधार पर पहले चरण में 252 मदरसों को तत्काल बंद करने का नोटिस जारी किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के मुताबिक सर्वेक्षण में कुल 2,132 मदरसे ऐसे पाए गए जो जरुरी पंजीकरण या मान्यता के साथ संचालित हो रहे हैं। वहीं, जिला प्रशासन की रिपोर्ट में 2,396 संस्थानों के पास जरूरी पंजीकरण या सरकारी बोर्ड से संबद्धता नहीं होने की जानकारी सामने आई है। सत्यापन के बाद मदरसा शिक्षा निदेशालय ने 252 संस्थानों को संचालन तत्काल बंद करने का निर्देश दिया है। इन नोटिस की प्रतियां संबंधित जिलाधिकारियों को भी भेजी गई हैं। जिलाधिकारियों को यह तय करने के लिए कहा गया है कि संबंधित संस्थानों का संचालन बंद हो। इसके अलावा 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। यदि वे अपनी वैधता साबित करने में विफल रहते हैं तो कानून के तहत उनके खिलाफ भी बंद करने की कार्रवाई की जा सकती है।

## सागर शराब कांड में 2 की और मौत, मृतक संख्या 36 हुई

सागर (एजेंसी)। सागर जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांड में उपचार के दौरान दो और लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही जहरीली शराब से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अवैध शराब के निर्माण और बिक्री से जुड़े लोगों की तलाश में जुटी है। वहीं, अस्पतालों में भर्ती अन्य प्रभावित लोगों के उपचार पर भी निगरानी रखी जा रही है। इस घटना ने अवैध शराब के कारोबार और प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता देने की मांग की है।

## ब्रिक्स में विशेषज्ञों ने कहा- भारत बना वैश्विक डिजिटल और एआई का केंद्र

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले दिन विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने भारत की डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक भूमिका की जमकर सराहना की। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत तेजी से एक वैश्विक एआई केंद्र के रूप में उभर रहा है, जिसके चलते ब्रिक्स देशों के बीच तकनीकी साझेदारी, नवाचार और ज्ञान के आदान-प्रदान की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने भारत के विशिष्ट डिजिटल भुगतान मॉडल, विशेषकर यूपीआई, को भी विश्व के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बताया, जो समावेशी विकास और वित्तीय समावेशन का एक प्रतीक बन गया है। इस अवसर पर मिस्र के एआई विशेषज्ञ अहमद गमाल ने ब्रिक्स को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए तकनीकी सहयोग और नवाचार का एक साझा मंच बताया। उन्होंने भारत और मिस्र के बीच एआई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिससे भविष्य में संयुक्त परियोजनाओं और ज्ञान साझा करने का मजबूत आधार तैयार हो सकता है। गमाल ने यह भी कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विशेषकर एजेंटिक एआई का उभरता दौर, आने वाले वर्षों में रोजगार और काम करने के तरीकों में बड़े बदलाव लाएगा। उन्होंने सरकारों और उद्योगों को इस बदलती तकनीक को समझकर इसका जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की सलाह दी, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाई जा सके और समाज को इसका अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने ब्रिक्स सदस्य देशों को एक-दूसरे की विशेषज्ञता से सीखने और नवाचार को गति देने के लिए प्रोत्साहित किया।

## सवालों पर बोले दीपके- मुझे सीएम समझ रहे हैं तो इस्तीफा दे देता हूं

**बोले- ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और अधिकारियों को निलंबित करने का रिकॉर्ड बनाऊंगा**

**बालाघाट, एजेंसी।**
मध्य प्रदेश के बालाघाट पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संयोजक अभिजीत दीपके को शनिवार को एक अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा। आदिवासी इलाके में संक्रामक बीमारियों से बच्चों की मौतों के बाद स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने पहुंचे दीपके की कार को कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने घेर लिया और उनसे तीखे सवाल किए, जिसके बाद दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि आप मुझे मुख्यमंत्री समझ रहे हैं तो मैं इस्तीफा दिए देता हूं।
वायरल हुए एक वीडियो में, एक महिला इन्फ्लुएंसर खुद को बताते हुए दीपके से पूछती सुनाई दे रही है कि क्या वह लाशों पर राजनीति करने आए हैं और इतनी देर से क्षेत्र का दौरा क्यों कर रहे हैं। वीडियो में दीपके यह कहते सुने गए कि क्षेत्र का दौरा करने में हुई देरी के लिए वह माफी मांगते हैं। महिला को यह कहते भी सुना गया, यहां अच्छी सड़क बनी है, दिखाई नहीं दे रही क्या? इस बहस के बाद अभिजीत दीपके ने तंज कसते हुए कहा कि वह मध्य प्रदेश के राजभवन जाकर राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर अपना इस्तीफा दे देंगे। उनकी पार्टी, सीजेपी ने भी इसी तर्ज पर तंज कसते हुए कहा कि अभिजीत दीपके को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने इस घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इन्फ्लुएंसर्स ऐसे प्रश्न कर रहे थे जैसे सूबे के मुख्यमंत्री से बात कर रहे हों।
दीपके बालाघाट में उन आदिवासी परिवारों से मिलने पहुंचे थे, जिन्होंने अपने बच्चे खो दिए थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा बताए जा रहे मौतों के आंकड़े वास्तविकता के मुकाबले बहुत कम हैं। दीपके ने दावा किया कि आदिवासियों के सड़क पर उतरने के बाद कम से कम 86 बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, और अगर बच्चों को समय पर इलाज मिल जाता तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। स्थानीय पत्रकारों ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि दूरदराज के गांव में बाहर से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का समूह मौजूद था। उन्होंने आशंका जताई कि दीपके के दौरे में बाधा डालने के लिए इन लोगों को किसी के कहने पर वहां भेजा गया था, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

## मोह में फंसकर पार्टी को नुकसान नहीं होने दूंगी: मायावती

**-छोटे भतीजे ईशान से भी छीनी जिम्मेदारी**

**लखनऊ, एजेंसी।**
बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने बड़े भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर निकालने के बाद अब अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद से भी पार्टी की जिम्मेदारी छीन ली है। ईशान को मायावती ने मात्र छह दिन पहले ही पार्टी का मुख्य सेक्टर कोआर्डिनेटर नियुक्त किया था। शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में मायावती ने यह भी प्रतिज्ञा ली कि वह भविष्य में अपने भाई आनंद कुमार के किसी भी बेटे को पार्टी में कोई जिम्मेदारी नहीं देंगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वह मोह (लगाव) में पड़कर पार्टी का किसी भी प्रकार से नुकसान नहीं होने देंगी।
मायावती ने 3 सितंबर को अपने बड़े भतीजे आकाश आनंद को राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर के पद से हटाया था, जिसके बाद 7 सितंबर को छोटे भतीजे ईशान आनंद को मुख्य सेक्टर कोआर्डिनेटर बनाया था। हालांकि, यह जिम्मेदारी भी उनसे अब ले ली गई है। मायावती ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है कि बसपा के मिशन की सफलता में किसी का भी रोड़ा बनना उन्हें स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र चिंता अपने बहुजन समाज परिवार के हित, कल्याण और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने की है। उन्होंने पार्टी संस्थापक कांशीराम की विचारधारा का अनुसरण करते हुए बताया कि उन्होंने अपने किसी भी सगे भाई-बहन और उनके परिवार के युवा सदस्यों, तथा नजदीकी रिश्तेदारों को पार्टी के कार्यों तक सीमित रखकर उन्हें सांसद, विधायक, मंत्री पद और अन्य किसी भी राजनीतिक लाभ के पदों से हमेशा दूर रखा है। बसपा सुप्रीमो ने अपनी अविवाहित स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि उन्हें मजबूरी में अपने सबसे छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखने की आवश्यकता पड़ी। वह उनकी देखभाल करने के साथ-साथ उनकी निगरानी में पार्टी की जिम्मेदारियों को निभा रहे हैं। लेकिन, मायावती ने स्पष्ट किया कि इसका लाभ अब उनके परिवार के लोग उठाएं, यह पार्टी और मूवमेंट के हित में सही नहीं होगा। उन्होंने अपनी अंतिम फैसला और प्रतिज्ञा बताते हुए कहा कि आनंद कुमार के किसी भी बेटे को बसपा में छोटे-बड़े पद पर रहकर राजनीति करने का मौका नहीं दिया जाएगा। यह निर्णय आकाश आनंद को पार्टी से हटाने के बाद आया है, जिसके लिए मायावती ने पहले उन्हें एक अल्टीमेटम दिया था। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने लिखा था कि आकाश को तभी जिम्मेदारी दी जा सकती है, जब उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ राजनीति से संन्यास ले लें। इस अल्टीमेटम के बाद गुरुवार सुबह आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ ने अपने एक्स अकाउंट पर राजनीतिक और सामाजिक जीवन से संन्यास की घोषणा कर दी थी, साथ ही पार्टी के प्रति अपने समर्पण का पक्ष भी रखा था। हालांकि, इसके तुरंत बाद ही मायावती ने भी तगड़ा पलटवार किया और एक्स अकाउंट पर आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किए जाने की घोषणा कर दी।

## ब्रिक्स समिट के बीच राहुल गांधी की मलेशियाई पीएम इब्राहिम से मुलाकात

**-प्रियंका गांधी भी रहीं मौजूद, दोनों नेताओं ने ब्रेकफास्ट पर की बातचीत**

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से रविवार को मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो' सेरी अनवर बिन इब्राहिम ने मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं। दोनों नेताओं की मुलाकात ब्रिक्स सम्मेलन से इतर हुई और उन्होंने साथ में नाश्ता किया। कांग्रेस पार्टी ने इस खास मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के बीच हुई इस मुलाकात को भारत और मलेशिया के बीच बढ़ते संबंधों के बीच अहम माना जा रहा है। हालांकि, बैठक में किन विशेष मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इससे एक दिन पहले मलेशियाई प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी द्विपक्षीय मुलाकात की थी। ब्रिक्स से इतर हुई इस बैठक में दोनों देशों के बीच सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के बाद कहा था कि भारत और मलेशिया के संबंध अब सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा की आवाजाही जैसे नए और महत्वाकांक्षी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग, द्विपक्षीय निवेश और लोगों के बीच मजबूत होते संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति दे रहे हैं। मोदी ने यह भी कहा था कि भारत और मलेशिया दोनों देशों के रिश्तों की पूरी क्षमता हासिल करने के लिए मिलकर काम जारी रखेंगे। वहीं, द्विपक्षीय बैठक की शुरुआत में अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता की भी तारीफ की थी।

## पांच राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट बांटे गए

**-रिपोर्ट में खुलासा, राजनीतिक पार्टियों ने दागियों को टिकट देने की वजह नहीं बताई**

**नई दिल्ली,, एजेंसी।**
एसोसिएशन फॉम डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में कहा गया है कि पांच राज्यों में आपराधिक मामलों वाले 1405 उम्मीदवारों को टिकट दिए गए। ये राज्य असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पार्टियों ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले 176 उम्मीदवारों को टिकट देने की वजह नहीं बताई। एडीआर ने 51 पार्टियों के 3,539 उम्मीदवारों के रिकॉर्ड की जांच की। इनमें 1,405 उम्मीदवारों ने अपने हलफनामे में अपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें से 1,229 प्रत्याशियों के लिए पार्टियों ने सी-7 फॉर्म में जानकारी दी, जबकि 176 ने जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक पांचों राज्यों में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 72 उम्मीदवारों के सी-7 खुलासे नहीं मिले। एडीआर ने यहां 1,162 उम्मीदवारों का रिकॉर्ड देखा, जिनमें 473 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 55, केरल में 27, पुडुचेरी में 12 और असम में 10 उम्मीदवारों की सी-7 जानकारी उपलब्ध नहीं थी। पुडुचेरी में 112 उम्मीदवारों में से 39 ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। इनमें सिर्फ 12 उम्मीदवारों के टिकट देने का कारण उपलब्ध था।
एडीआर ने सिर्फ सी-7 जानकारी गायब होने पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि पार्टियों की ओर से दिए गए कारणों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कई उम्मीदवारों के लिए लोकप्रियता, सामाजिक कार्य, अनुभव, योग्यता और अच्छी छवि जैसे एक ही तरह के कारण बताए गए। कई मामलों में भाषा भी एक जैसी थी यानी हर उम्मीदवार के आपराधिक रिकॉर्ड और योग्यता के आधार पर अलग कारण बताने के बजाय एक तय भाषा का इस्तेमाल किया गया।
एडीआर ने तमिलनाडु में बीजेपी, एआईएडीएमके, डीएमके और टीवीके के कुछ उम्मीदवारों के सी-7 फॉर्म में एक जैसे शब्दों का इस्तेमाल का जिक्र किया है। इससे सवाल उठता है कि क्या उम्मीदवारों के चयन की वजहों को अलग-अलग तैयार किया गया था या सिर्फ औपचारिकता पूरी की गई।
एडीआर ने कहा कि रिपोर्ट चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान पार्टियों की वेबसाइट और सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर तैयार की गई है। संभव है कि कुछ पार्टियों ने सी-7 की जानकारी किसी दूसरे जरिए से जारी की हो, जो एडीआर के रिकॉर्ड में नहीं आ पाई गई। इसलिए 191 मामलों में जानकारी नहीं मिलने को सीधे नियमों का उल्लंघन नहीं माना गया है। इसे सार्वजनिक रिकॉर्ड में जानकारी उपलब्ध न होने के तौर पर देखा गया है।

# मुख्यमंत्री ने डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के षष्ठम स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित किया

**प्रथम पृष्ठ का शेष**

साथ ही, 1,000 बेड का नया अस्पताल और 300 बेड का ट्रॉमा सेण्टर भी बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हीलिंग, लर्निंग और डिस्कवरी एक साथ चलेंगे तभी कोई संस्थान सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित होगा। डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की 06 वर्ष की प्रगति इसलिए दिखायी दे रही है, क्योंकि यहाँ उपचार, शिक्षण और अनुसंधान तीनों क्षेत्रों में परिणाम सामने आए हैं। संस्थान में लिखे जा रहे शोध पत्र इसकी पुष्टि करते हैं। आने वाले वर्षों की चुनौतियों के लिए संस्थान को क्लीनिकल, अकादमिक और रिसर्च एक्सीलेंस के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। अभी संस्थान की प्रारंभिक यात्रा है। इस यात्रा को आने वाले समय में और मजबूती देनी होगी। मुख्यमंत्री जी ने संस्थान के दो फैकल्टी सदस्यों डॉ0 अजय कुमार वर्मा और डॉ0 एस0एस0 नाथ के प्रकाशनों के विमोचन का उल्लेख करते हुए कहा कि चिकित्सकों में लिखने की आदत होनी चाहिए। प्रत्येक मरीज अपने आप में एक प्रयोगशाला की तरह होता है। मरीज के प्रति चिकित्सक का व्यवहार भी उपचार और स्वस्थ होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मरीज के साथ संवाद भविष्य के नवाचार और अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध करा सकता है। यदि चिकित्सक प्रत्येक बिन्दु को व्यवस्थित रूप से दर्ज करें, तो उससे बेहतर अनुसंधान परिणाम सामने आ सकते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत कुछ समय से संस्थान के सम्बन्ध में शिकायतें कम आ रही हैं। पहले समाचार पत्रों में संस्थान से सम्बन्धित शिकायतें लगातार प्रकाशित होती थीं। सरकार को धन उपलब्ध कराने में परेशानी नहीं थी, लेकिन शिकायतें सुनते-सुनते अवश्य परेशानी होती थी। शिकायतों से मुक्ति तभी मिलती है, जब आम जनता संतुष्ट हो, उसे बेहतर सुविधाएँ मिलें और पूरी टीम मिलकर कार्य करे। उन्होंने संस्थान द्वारा स्थापना दिवस पर अपने कर्मठ कार्मिकों को सम्मानित किए जाने की सराहना करते हुए सम्मानित सभी फैकल्टी सदस्यों, रेजिडेंट चिकित्सकों, पैरामेडिक्स एवं अन्य कार्मिकों को बधाई दी। नियुक्ति की प्रक्रिया जितनी पारदर्शी होगी, परिणाम उतने ही फलदायी होंगे। अच्छे लोगों का चयन न हो, चयन प्रक्रिया में विसंगतियाँ या भेदभाव हो तथा पारदर्शिता एवं शुचिता का अभाव हो, तो उसकी कीमत पूरे संस्थान को लम्बे समय तक चुकानी प?ती है। एक व्यक्ति की गलती की कीमत संस्थान को चुकानी प?ती है और उससे जु? सभी लोगों के सामने पहचान का संकट ख?ा हो जाता है। यही स्थिति कभी उत्तर प्रदेश के सामने भी थी। एक व्यक्ति और एक परिवार की गलतियों की कीमत पूरे प्रदेश को पहचान के संकट, खराब कानून-व्यवस्था, अराजकता और भ्रष्टाचार के रूप में चुकानी प?ती थी। आज पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया का परिणाम है कि नए टेक्नीशियन और फैकल्टी सदस्यों को मंच पर सम्मानजनक ढंग से नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले लोग देश और प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आ रहे हैं। यह भी पता चलता है कि आज कितने लोगों की पसंद उत्तर प्रदेश और उसके संस्थान बन रहे हैं। इसी पारदर्शिता और शुचिता के बल पर विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश में 09 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। इतनी ब?ी संख्या में नियुक्तियों के बावजूद कोई व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि उसकी नियुक्ति में भेदभाव हुआ अथवा किसी प्रकार का लेन-देन हुआ। नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और शुचिता का सीधा प्रभाव राज्य की प्रगति पर प?ता है। विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन गुना करने और प्रति व्यक्ति आय को भी तीन गुना करने में सफलता मिली है। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि आज उत्तर प्रदेश के नागरिकों के सामने पहचान का संकट नहीं है। वे देश-दुनिया में कहीं भी जाते हैं, तो सीना तानकर कहते हैं कि वह उत्तर प्रदेश से हैं और सामने वाला उनकी पहचान पर प्रश्न नहीं उठाता। इसी आत्मविश्वास के नए प्रतीक के रूप में डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान उभर रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संस्थान ने केवल अपनी फैकल्टी, पैरामेडिक्स और कार्मिकों को ही सम्मानित नहीं किया, बल्कि पिछले वर्षों में तय किए गए लक्ष्यों को भी पूरा करते हुए आगे ब?ा है। आज ऑर्गन ट्रांसप्लाण्ट यूनिट का लोकार्पण किया गया है। बोन मैरो ट्रांसप्लाण्ट की सुविधा भी बहुत शीघ्र प्रारम्भ होने जा रही है। यह संस्थान की कार्ययोजना और आगे ब?ने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमें बैठने के बजाय समय से दस कदम आगे चलकर सोचना होगा और उसी गति से कार्य करना होगा। डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ने किडनी ट्रांसप्लाण्ट के क्षेत्र में तेजी से अपनी क्षमता विकसित की है, जिससे ब?ी संख्या में मरीजों को लाभ मिलेगा। किडनी ट्रांसप्लाण्ट के लिए पहले लम्बी प्रतीक्षा सूची रहती थी। गरीब व्यक्ति के सामने ट्रांसप्लाण्ट के खर्च की चुनौती होती थी। आज 'प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना', 'मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना' और 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा सुविधा' जैसी व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं। जहाँ किसी व्यक्ति को अन्य माध्यमों से सहायता नहीं मिल पाती, वहाँ मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करायी जाती है। लाभार्थी किसी भी इम्पैनल्ड अस्पताल में उपचार करा सकता है। आज चुनौती धन की नहीं, बल्कि प्रतीक्षा सूची को कम करने की है। संस्थान अन्य जटिल रोगों के उपचार के लिए भी स्वयं को तैयार कर रहा है। जब वह पहली बार संस्थान आए थे, तब न्यूरोसर्जरी विभाग की ओर से गामा नाइफ सुविधा की माँग की गई थी। वर्तमान निदेशक ने इसमें रुचि लेते हुए इसे आगे ब?ाया। आज संस्थान में रोबोटिक सर्जरी के साथ गामा नाइफ, ए0आई0-आधारित डायग्नोस्टिक, उन्नत इमेजिंग, टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ की सुविधाएँ उपलब्ध करायी जा रही हैं। संस्थान ने शासन के समक्ष जो भी माँग रखी, सरकार ने उसे पूरा करने में कोई कोताही नहीं बरती। संस्थान द्वारा प्रदेश के 10 जनपदों में वर्चुअल आई0सी0यू0 का संचालन किया जा रहा है, जहाँ हृदय से जु?ी बीमारियों के मरीजों को सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। तकनीक तेजी से विकसित हुई है। यदि ब? चिकित्सा संस्थान स्वयं को थो?ा भी अद्यतन करें और रुचि लेकर टेलीमेडिसिन का विस्तार करें, तो तृतीयक चिकित्सा संस्थानों की भी? को टेली-कंसल्टेशन के माध्यम से कम किया जा सकता है। इससे गम्भीर रोगियों को अधिक समय दिया जा सकेगा और दूरदराज के गाँवों में चिकित्सकों की कमी को भी काफी हद तक पूरा किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश की आवश्यकता के अनुरूप नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की योजना बनायी। पहले चरण में उत्तर प्रदेश के लिए 17 मेडिकल कॉलेज और गोरखपुर में एम्स स्वीकृत किया गया था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने मेडिकल कॉलेज नहीं बनाए। गोरखपुर एम्स के लिए ऐसी भूमि उपलब्ध करायी गई, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय से स्थगन आदेश था। यदि उसी भूमि पर निर्भर रहते तो एम्स का निर्माण सम्भव नहीं होता। वर्ष 2017 में जनता ने निर्णय दिया और प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद पुरानी भूमि को तत्काल वापस लेकर नई भूमि आवंटित की गई। आज गोरखपुर में एम्स सफलतापूर्वक संचालित है। रायबरेली एम्स की समस्या का भी समाधान किया गया। प्रदेश में सरकारी और निजी क्षेत्र के कुल मेडिकल कॉलेजों की संख्या जो पहले 41 थी, वह अब ब?कर 85 हो गई है। प्रदेश में दो एम्स संचालित हैं। एम0बी0बी0एस0 की सीटें 4,690 से ब?कर 13,600 से अधिक हो गई हैं। पी0जी0 की सीटों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नर्सिंग कॉलेजों की संख्या पहले दो थी, जो अब 26 हो गई है तथा 33 नर्सिंग कॉलेज निर्माणाधीन हैं। यह प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे की री? है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल फैकल्टी की संख्या पहले 1,027 थी, जो ब?कर 3,438 हो गई है। ब?ी संख्या में नई मेडिकल फैकल्टी की नियुक्ति की गई है और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगाया गया है। प्रदेश के किसी भी मेडिकल कॉलेज ने जिस सुविधा के लिए प्रस्ताव दिया, राज्य सरकार ने उसे अस्वीकार नहीं किया। आज उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य है, जहाँ पूँजीगत व्यय के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे, उद्योग और आधुनिक तकनीक सहित किसी भी क्षेत्र में धन की कमी नहीं है। संस्थान जितनी स्पष्ट कार्ययोजना के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं, सरकार उतनी ही तेजी से उसे स्वीकृति देकर आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराती है। पर्याप्त संसाधन मिलने पर संस्थान समय से पहले अपनी कार्ययोजना पूरी कर प्रगति के नए सोपान तय करते हैं। आज का समय तकनीक का समय है। प्रत्येक क्षेत्र में सम्भावनाएँ हैं। हमें यह देखना होगा कि पारम्परिक चिकित्सा में कौन-कौन सी सम्भावनाएँ हैं, जिन्हें अपनाकर मरीजों को राहत दी जा सकती है और आधुनिक चिकित्सा में नई सम्भावनाओं को किस प्रकार आगे ब?ाया जा सकता है। हमारे आसपास के देश हमारे ही डेटा के आधार पर शोध पत्र प्रकाशित करते हैं, जबकि हम अपने डेटा को संरक्षित नहीं कर पाते। हमारे पास प्रतिभा की कमी नहीं है। आज हमारे पास संसाधन, तकनीक और युवा कार्यबल है। आवश्यकता केवल दृ? इच्छाशक्ति के साथ आगे ब?ने की है। यही इच्छाशक्ति भारत को शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में संक्रामक रोगों की चुनौती का उदाहरण सामने है। जापान ने वर्ष 1905 में जापानी इन्सेफेलाइटिस का टीका विकसित कर लिया था, लेकिन भारत में उसके आने में 100 वर्ष लग गए। वर्ष 2005 में यह वैक्सीन भारत में उपलब्ध हो सकी। इसके विपरीत कोविड जैसी चुनौती के दौरान प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में भारतीय वैज्ञानिकों और फैकल्टी ने मात्र 09 माह में कोविड-19 के एक नहीं, बल्कि दो-दो टीके विकसित किए। भारत के नागरिकों को नि:शुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराने के साथ 100 मित्र देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराने में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने आई0आई0टी0 कानपुर के साथ मिलकर मेडटेक का सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ किया है। एस0जी0पी0जी0आई0 में भी सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क तेजी से विकसित हो रहा है और फार्मा पार्क का निर्माण भी प्रारम्भ हो चुका है। उत्तर प्रदेश, देश का सबसे ब?ा फार्मा बाजार है, लेकिन पहले यहां दवाओं का उत्पादन नहीं होता था और न ही पर्याप्त अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ होती थीं। अब इस दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ है और इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं।

## भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना ने राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया कीर्तिमान

## लगातार दो पेराई सत्रों के लिए मिला नेशनल को ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन का सर्वोच्च शुगर रिकवरी एफिशिएंसी अवार्ड

कवर्धा। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। कारखाने को पेराई सत्र 2024-25 एवं 2025-26, दोनों वर्षों के लिए सर्वोच्च शुगर रिकवरी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु हाइएस्ट शुगर रिकवरी एफिशिएंसी अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया जाएगा। लगातार दो पेराई सत्रों के लिए यह सम्मान प्राप्त होना कारखाने की तकनीकी दक्षता, बेहतर संचालन व्यवस्था और उत्कृष्ट शुगर रिकवरी का प्रमाण है। इस उपलब्धि से कारखाने के साथ-साथ जिले और प्रदेश को भी राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान मिली है। दोनों पेराई सत्रों के पुरस्कार 22 सितम्बर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किए जाएंगे। समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल, विभिन्न राज्यों के मंत्री, निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी तथा देशभर की सहकारी चीनी मिलों के प्रतिनिधियों के भी समारोह में शामिल होने की संभावना है।

नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन देश की लगभग 260 सहकारी चीनी मिलों और नौ राज्यस्तरीय चीनी महासंघों का प्रतिनिधित्व करता है। फेडरेशन द्वारा प्रतिवर्ष गन्ना विकास, तकनीकी दक्षता, वित्तीय प्रबंधन, शुगर रिकवरी, डिस्टिलरी संचालन, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मिल के समग्र प्रदर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सहकारी चीनी मिलों को सम्मानित किया जाता है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा लगातार दो वर्षों तक सर्वोच्च शुगर रिकवरी की श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस सफलता में क्षेत्र के अंशधारी कृषकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण गन्ने की आपूर्ति तथा कारखाने के कर्मचारियों की मेहनत, तकनीकी दक्षता और समर्पित कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कारखाने की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, समस्त अंशधारी कृषकों एवं कर्मचारियों में हर्ष का वातावरण है।

## संप्रेक्षण गृह में बड़ी साजिश, चाय में डाला ऑल आउट का लिक्विड; स्टाफ को बेहोश कर भागने का था प्लान

बाराबंकी। वृंदावन के राजकीय बाल गृह (बालिका) में साथी शिवानी की हत्या की आरोपी दो किशोरियों ने बाराबंकी के संप्रेक्षण गृह में भी सनसनीखेज साजिश रच डाली। दोनों ने स्टाफ को जहर देकर बेहोश करने अथवा नुकसान पहुंचाने के बाद संप्रेक्षण गृह से भागने की योजना बनाई। उन्होंने स्टाफ के लिए बन रही चाय में ऑल आउट की रिफिल का लिक्विड डाल दिया। शुक्र रहा कि एक कर्मचारी की नजर उन पर पड़ गई। समय रहते चाय को स्टाफ तक पहुंचने से रोक दिया गया। पूछताछ में दोनों की योजना सामने आने के बाद संप्रेक्षण गृह प्रशासन ने मथुरा के किशोर न्याय बोर्ड और जिला प्रोबेशन कार्यालय को घटना की जानकारी दी है। अलीगढ़ और पीलीभीत निवासी दोनों किशोरियों पर 21 अगस्त को वृंदावन स्थित राजकीय बाल गृह (बालिका) में बरेली निवासी 14 वर्षीय शिवानी की हत्या का आरोप है। आरोप है कि दोनों किशोरियां शिवानी को बाथरूम में ले गईं। बेरहमी से पीटने के बाद पानी से भरी बाल्टी में उसका सिर डुबो दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों को हिरासत में लिया गया था। मथुरा के किशोर न्याय बोर्ड में पेशी के बाद दोनों को बाराबंकी स्थित संप्रेक्षण गृह भेजा गया था। संप्रेक्षण गृह में रहने के दौरान दोनों किशोरियों ने यहां से भी भागने की योजना बना ली। इस बार उन्होंने स्टाफ को निशाना बनाया। दोनों ने स्टाफ के लिए तैयार की जा रही चाय में ऑल आउट की रिफिल का लिक्विड मिला दिया। एक कर्मचारी ने उन्हें ऐसा करते देख लिया। इसके बाद पूछताछ की गई तो पूरी साजिश सामने आ गई। पूछताछ में सामने आया कि किशोरियों की योजना थी कि जहरीले लिक्विड का असर होने के बाद जब स्टाफ असहाय हो जाएगा, उसी दौरान संप्रेक्षण गृह का ताला खोलकर दोनों फरार हो जाएंगी। घटना के बाद संप्रेक्षण गृह प्रशासन ने दोनों की निगरानी और सुरक्षा बढ़ा दी है। संप्रेक्षण गृह के अधिकारियों के मुताबिक दोनों किशोरियों को अब 24 घंटे निगरानी में रखा जा रहा है। घटना की पूरी जानकारी मथुरा के किशोर न्याय बोर्ड को पत्र भेजकर दी गई है। साथ ही जिला प्रोबेशन कार्यालय को भी सूचित कर दोनों किशोरियों का पूर्व रिकॉर्ड मांगा गया है।


**NAME CHANGE**

I, Geeta W/O Harish, R/O B-2/601. gali no-9, harsh vihar, Nand Nagri, North East Delhi, Delhi-110093, have change the name of my minor daughter Aanya aged 14 years and she shall hereafter be known as ANANYA.

**NAME CHANGE**

I, NIKHIL VIJAY SUBRAHMANYAM S/o VIJAY KUMAR PAPPU R/O TOWER NO-904 TOWER-C PARK VIEW CITY-2 SECTOR-49 GURGAON -122001, HAVE CHANGED MY NAME TO NIKHIL SUBRAHAMANIYAM FOR ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**

JYOTIKA KHANA D/o SATISH KUMAR R/o H NO C-1/501 LAGOON APARTMENTS AMBIENCE ISLAND NH-48 MINI SECTT, GGN, GURGAON HARYANA-122001 , HAVE CHANGED MY NAME TO JYOTIKA DWEVEDI ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as KM HARSHITA VARSHNEY W/o PRAFULL GOYAL, R/o H 41, Radha Krishna Kunj, Amrit Nagar, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as HARSHITA GOYAL.

**NAME CHANGE**

RAMAN S/o DEV KARAN R/o H NO 1244, FIROJ GANDHI COLONY PHASE-1, NEAR ENN KAY FACTORY GURGAON, HARYANA 122001, HAVE CHANGED MY NAME TO RAMAN WALIA ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**

I hitherto known as BAKRUDDIN S/o Rahisuddin, R/o Ward No.11, Bajigaran, Dasna, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as VAKARUDDEEN, for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, ANUJ RAWAL S/O RAJENDER SINGH RAWAL R/o H.No- 75, Jaitpur Baishpur, PO: Pali, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203207, have changed my name and shall hereafter be known as AANUJ RAWAL.

**NAME CHANGE**

I, DAL CHAND SHARMA father No.- 15623143W, Rank-HAV, Name-RAJAN LAL SHARMA residing at VILLAGE- BIRRUA, POST -DHANA KHERLI, TEH-RUPBAS DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321403 have changed my name DAL CHAND SHARMA to DAL CHAND for all future purposes vide Affidavit Dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, TULASHI SHARMA wife of No.-15623143W, Rank-HAV, Name-RAJAN LAL SHARMA residing at VILLAGE- BIRRUA, POST -DHANA KHERLI, TEH-RUPBAS DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321403, have changed my name from TULASHI SHARMA to KUMARI TULASI SHARMA for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, Mathiukhemliu Dangmei w/o Adai Dangmei R/o Longmai (III), Noney, Tamenglong, Manipur-795159 have changed my name to Mathiukhamliu Dangmei for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, EKTA YADAV, W/O HARISH KUMAR, R/O HOUSE NO-396,SECTOR-19,REWARI,HARAYAN-123401,HAVE CHANGED MY NAME TO EKTA FOR ALL FUTURE PURPOSES

**Public Notice**

General public is hereby informed that our clients Krishan Kumar Jha S/o Shri Bhagirath Jha and Sudha Devi wife of Shri Krishan Kumar Jha both R/o 1311, 13th floor, block-C, Pocket A-14, Kalkaji Extn., New Delhi-110019, presently residing at New Delhi, Have served all their relations with their my Daughter namely Anshu Jha as she is not obedient and out of control of our clients and their other family members and thus our clients hereby debars their aforesaid daughter, from all their movable and immovable properties. Anybody dealing with at his/her own risk and consequences and neither our clients nor any of their family members shall be responsible for any of his/her acts, deeds and things in any manner.

**Mohd Tahir Qidwai (Advocate)**
CH. No.848, Saket Court, New Delhi-110017.

**NAME CHANGE**

I, AVHAD YASHODABAI mother of NO-2620610X, Rank- NK Name-AVHAD YOGESH BALNATH residing at VTC-JALGAON BK, PO-JALGAON KHURD, SUB DIST-NANDGAON, DIST-NASHIK, MAHARASHTRA-424109, have changed my name from AVHAD YASHODABAI to YASHODABAI BALNATH AVHAD for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, PENDUR MAHIPATH RAO father NO- NO – 2623068X Rank – NK Name - PENDUR NAGESH residing at H/NO. 1-41 VILLAGE-TARNAM (B), MANDAL-NERADIGONDA DISTT-ADILABAD TELANGANA - 504323 have changed my name from PENDUR MAHIPATH RAO to PENDUR MAIPATH RAO for all future purposes vide Affidavit Dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I JYOTIKA KHANA D/o SATISH KUMAR R/o H NO C-1/501 LAGOON APARTMENTS AMBIENCE ISLAND NH-48 MINI SECTT, GGN, GURGAON HARYANA-122001 , HAVE CHANGED MY NAME TO JYOTIKA DWEVEDI ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**

RAMAN S/o DEV KARAN R/o H NO 1244, FIROJ GANDHI COLONY PHASE-1, NEAR ENN KAY FACTORY GURGAON, HARYANA 122001, HAVE CHANGED MY NAME TO RAMAN WALIA ALL FUTURE PURPOSES

**सार्वजनिक सूचना**

मेरे मुवक्किल जगदीश प्रसाद गुप्ता (@जेपी गुप्ता) और उनकी पत्नी रजनी गुप्ता R/o. H5/5, Sector 11, Rohini, Delhi ने अपने पुत्र आकाश गुप्ता, उनकी पत्नी मोनिका गुप्ता और उनके पुत्र शिवंश गुप्ता के बुरे आचरण और दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल और अचल संपत्ति/परिसंपत्तियों से उन्हें बेदखल कर दिया है और उनसे सभी संबंध तोड़ लिए हैं। मेरे मुवक्किल के अन्य परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने भी उनसे संबंध तोड़ लिए हैं। यदि कोई भी व्यक्ति उनसे कोई लेन-देन करता है, तो वह अपने स्वयं के जोखिम और जिम्मेदारी पर करेगा। मेरे मुवक्किल उनके द्वारा मेरी ओर से किए गए किसी भी कार्य, लेन-देन, ऋण, देनदारी या दायित्व के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

**अशोक कुमार अधिवक्ता**
चैम्बर न. – 416
चैंबर ब्लॉक, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
मोबाइल नंबर 9953152498

**NAME CHANGE**

I, SUPRIYA SUBHASH PATIL wife of No.-15828525N, Rank-L/NK, Name-KADAM SUSHANT ANANDRAO residing at VPO-ARALIHATTI, TEHSIL-ATHANI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591232, have changed my name SUPRIYA SUBHASH PATIL to SUPRIYA SUSHANT KADAM for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, SHRI DEVI KHADAKABHAVI wife of NO-2611690Y, Rank-HAV, Name-SURESH KHADAKABHAVI residing at VPO-BELAVI, TEHSIL-HUKKERI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591309, have changed my name SHRI DEVI KHADAKABHAVI to SHRIDEVI SURESH KHADAKABHAVI for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, NAEEM S/O ABDUL RASHID residing at K-350 NEW SEELAMPUR NORTH EAST DELHI-110053. have changed my name to MOHD NAEEM S/O ABDUL RASHID for all future purposes

**NAME CHANGE**

I, JC-442030M Rank-SUB Name-MADHAVA REDDY PARVATHA legal father of PARVATHA DEVIPRIYA R/O 6-14-67/7C, PANDU RANGA REDDY NAGAR, GIDDALUR, PO-GIDDALUR, DIST-PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523357 have changed my minor daughter's name from PARVATHA DEVIPRIYA to PARVATHA DEVI PRIYA for all future purposes vide affidavit dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as SHEAKHAR GGAUTAM S/O O P GAUTAM R/o 67-A, POCKET-C-1, MAAYUR VIHAR PHASE-3, DELHI-110096 have changed my name and shall hereafter be known as C S GAUTAM. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

**NAME CHANGE**

I, Awtar Singh Aberoi, S/O Jaswant Singh, R/O 74 CGHS, Jupiter Apartment, Vikaspuri, Tilak Nagar, Delhi-110018 have changed my name to Avtar Singh for all future purposes

**NAME CHANGE**

I, Manoj Godla, S/O Shivcharan Das, R/O Flat No-243, Pocket 2, Sector-23, Rohini, Rithala, Delhi-110085 have changed my name to Manoj Kumar for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, LAXMI BAI mother of NO-23101338K, Rank-NK Name-NAMDEV SATAPPA NAIK residing at VILL-WALKI, PO-WALKI, TEHSIL-CHIKKODI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591238 have changed my name from LAXMI BAI to LAXMIBAYI SATAPPA NAIK for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, SATAPPA father of NO-23101338K, Rank-NK Name-NAMDEV SATAPPA NAIK residing at VILL-WALKI, PO-WALKI, TEHSIL-CHIKKODI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591238 have changed my name SATAPPA to SATAPPA BANDU NAIK for all future purposes vide Affidavit Dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, MUTHUMARI mother of NO-2618870K, Rank-L/NK Name-SARAVANA KUMAR P residing at H NO-192, VILL-RAMALINGAPURAM, PO-APPANAYKKANPATTI, DIST-VIRUDHUNAGAR, TAMIL NADU-626127 have changed my name from MUTHUMARI to P MUTHUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, PULIVEERCHAMY P father of NO-2618870K, Rank-L/NK Name-SARAVANA KUMAR P residing at H NO-192, VILL-RAMALINGAPURAM, PO-APPANAYKKANPATTI, DIST-VIRUDHUNAGAR, TAMIL NADU-626127 have changed my name PULIVEERCHAMY P to P PULIVEERSAMY for all future purposes vide Affidavit Dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, NO-15227251K Rank-RHM (AIG) Name-UTTAM PRAMANIK residing at VILL-RANICHAK, PO-BAHARGONG, PS-NANDIGRAM, TEH-HALDIA, DIST-PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL-721432 have changed my wife's name from PURNIMA PRAMANIK to PURNIMA GOLE PRAMANIK for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2026 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as Nakul S/O: Renu R/O Kinani, PO: Kinoni, DIST: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh - 251001, have changed my name and shall hereafter be known as VAKUL

**NAME CHANGE**

I, Shyam Bihari S/O Goverdhan Sharma R/O A-66, Flat No 15 T/F Paryavaran Complex Delhi - 110030 have changed my name to Shyam Bihari Sharma for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, AVHAD BALNATH LAXMAN father of NO-2620610X, Rank- NK Name- AVHAD YOGESH BALNATH residing at VTC-JALGAON BK, PO-JALGAON KHURD, SUB DIST-NANDGAON, DIST-NASHIK, MAHARASHTRA-424109 have changed my name AVHAD BALNATH LAXMAN to BALNATH LAXMAN AVHAD for all future purposes vide Affidavit Dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, Dharmendra S/o Raj Kumar R/o WZ-718/1, Naraina Village, New Delhi - 110028 have changed my name to Dharmender Kumar for all future purposes.

**सार्वजनिक सूचना**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री मोहन लाल बैरवा और श्रीमती सीमा बैरवा ने शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक से प्रॉपर्टी के बदले लोन (LAP) के लिए आवेदन किया है। इसके लिए वे नीचे दी गई प्रॉपर्टी को गिरवी रख रहे हैं: प्रॉपर्टी नंबर 349, एरिया 43.89 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 653 में से, जो गांव किरारी सुलेमान नगर, हरि एन्क्लेव पार्ट-II, दिल्ली कॉलोनी में स्थित है; और इसकी सीमाएं इस प्रकार हैं: पूर्व: दूसरी प्रॉपर्टी (प्लॉट)। पश्चिम: सड़क। उत्तर: सड़क। दक्षिण: दूसरी प्रॉपर्टी (प्लॉट)। यह प्रॉपर्टी मूल रूप से श्री मोहन लाल बैरवा (पिता श्री काजोड़ राम) की थी। यह प्रॉपर्टी PM-उदय कन्वेंस डीड (दिनांक 13.07.2026, डॉक्यूमेंट नंबर 2026/14/I/4498, दिनांक 28.08.2026) के तहत उनके नाम थी, जिसे POI ने रेवेन्यू डिपार्टमेंट, NCT दिल्ली और श्री नरेंद्र कुमार (पिता श्री जगदीश) के माध्यम से निष्पादित किया था। यदि किसी व्यक्ति का इस प्रॉपर्टी पर कोई दावा, अधिकार, मालिकाना हक, हित, लियन, चार्ज, मॉर्गेज या कोई अन्य आपत्ति है, तो उनसे अनुरोध है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति या शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक की नोएडा शाखा को सहायक दस्तावेजों के साथ लिखित रूप में सूचित करें। यदि तय समय के भीतर कोई आपत्ति नहीं मिलती है, तो यह मान लिया जाएगा कि प्रॉपर्टी का मालिकाना हक साफ और बेचने योग्य है, और बैंक लोन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा।

संपर्क करें:
PSR लॉ फर्म, ऑफिस-RTB-162,
रॉयल टॉवर, इंदिरापुरम,
गाजियाबाद 201014
9871618022
ईमेल पता: psrlaww®wy@gmail.com

**NAME CHANGE**

I, USHA DEVI Mother of No.-15623143W, Rank-HAV, Name-RAJAN LAL SHARMA residing at VILLAGE- BIRRUA, POST -DHANA KHERLI, TEH-RUPBAS DIST-BHARATPUR, RAJASTHAN-321403 have changed my name from USHA DEVI to USHA for all future purposes vide Affidavit dated 12/09/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I AMANPREET W/O AMARJEET SINGH, R/O 734 DDA TENEMENTS,VISHAL ENCLAVE, VTC: TAGORE GARDEN, SUB DISTRICT: RAJOURI GARDEN, DISTRICT: WEST DELHI, DELHI-110027, I HAVE TO CHANGE MY NAME FROM AMANPREET TO AMANPREET MALHOTRA FROM ALL FUTURE PURPOSES.

**NAME CHANGE**

I, NAEEM S/O MOHAMMAD ISHAQ R/O HOUSE NO. 1714, GALI TEHSILDAR, KUCHA DAKHNI RAI, DARYA GANJ, NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM NAEEM TO MOHAMMAD NAEEM FOR ALL PURPOSES.

**NAME CHANGE**

I, NAZIYA KHATOON W/O MOHAMMAD NAEEM R/O HOUSE NO. 1714, GALI TEHSILDAR, KUCHA DAKHNI RAI, DARYA GANJ, NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM NAZIYA KHATOON TO NAZIYA FOR FUTURE.

**NAME CHANGE**

I, ISHAQ S/O MOHAMMAD ZAHUR R/O HOUSE NO. 1714, GALI TEHSILDAR, KATRA DHOBIAN, KUCHA DAKHNI RAI, DARYA GANJ, NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM ISHAQ TO MOHAMMAD ISHAQ FOR ALL PURPOSES.

**NAME CHANGE**

I, MOHAMMAD ADIL S/O ANISUDDIN R/O HOUSE NO. 1364 PAHARI IMLI BAZAR MATIA MAHAL JAMA MASJID DELHI - 110006, HAVE CHANGED MY NAME SPELLING FROM MOHAMMAD ADIL TO MOHD ADIL FOR ALL PURPOSES.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as Soniya W/O Jitendra, R/O Banti Khera, Shamli, Banti Khera, Uttar Pradesh, 251305, have changed my name and shall hereafter be known as SONU DEVI.

**NAME CHANGE**

I RASHID ALI S/0 MURSALIN R/0 HOSE NO 13 WARD NO 1-DASNA NR LUHARO WALI MASJID GHAZIABAD U.P CHANGED MY NAME TO RASHID JAMAL

**NAME CHANGE**

I MAHI D/O AMARJEET SINGH, R/O 734 DDA TENEMENTS,VISHAL ENCLAVE, VTC: TAGORE GARDEN, SUB DISTRICT: RAJOURI GARDEN, DISTRICT: WEST DELHI, DELHI-110027, I HAVE TO CHANGE MY NAME FROM MAHI TO MAHI MALHOTRA FROM ALL FUTURE PURPOSES.

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as PRATIKHYA PRIYADARSANI PATRA, D/O PABITRA MOHAN PATRA, R/O H.No 283/2, CARTERPURI ROAD, BIJWASAN, BIJWASAN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110061, have changed my name and shall hereafter be known as PRATIKSHA PATRA.

**NAME CHANGE**

I, AYUSHI GOEL D/O PARDEEP GOEL R/o H NO 14 TEHSIL CAMP, DEV NAGAR, PANIPAT, HARYANA-132103 I HAVE CHANGED MY NAME TO AYUSHI RANI ALL FUTURE PURPOSES

**NAME CHANGE**

I hitherto known as HEMA BHANDARI D/o Lal Singh Rawal, and W/o Tika Singh, R/o House No.- G-1390, Ram Park Extension, Haqiqatpur Urf Khudawas, P.O. Loni, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as HIMA BHANDARI, for all future purposes.

**NAME CHANGE**

It is for general information that I, ASHOK KUMAR SINGH S/o RAMESHWAR SINGH, R/o Barsati Kuna, B-10 A, Janta Flats, Sector-34, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as ASHOK KUMAR and ANITA SINGH in my minor daughter namely SHREYA SINGH aged 16 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine and my wife are ASHOK KUMAR SINGH and ANITA, respectively which may be amended accordingly.


**अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

**धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए**

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सारिक, पुत्र: शौकिन, पता: गांव बदरपुर, पुलिस थाना ट्रोनिका सिटी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 62/22, U/s 25/54/59 A. Act, पुलिस थाना कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सारिक** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सारिक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 62/22, U/s 25/54/59 A. Act, पुलिस थाना कोतवाली, दिल्ली** के अभियुक्त **सारिक** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

**आदेशानुसार – सुश्री सायेशा चड्ढा**
**न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–08, केन्द्रीय**
**कमरा नं. 272, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली**

**DP/12842/N/2026**


**कौमी पत्रिका**

**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

**E - mail address :** qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

**R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472**

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

# एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों के बाहर बनाए जाएंगे रिंग रोड़, मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

**मास्टर प्लान के तहत बाह्य रिंग रोड़ एवं नेशनल हाईवे बनाने के लिए केन्द्र सरकार अनुसार पॉलिसी तैयार की जाए: सीएम**

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आमजन के लिए बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने के लिए एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों एवं कस्बों के बाहर रिंग रोड़ एवं नेशनल हाईवे बनाने के कार्य को मंजूरी प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सचिवालय में राष्ट्रीय राजमार्ग से शहरी क्षेत्र में भीड़भाड कम करने के लिए मास्टर प्लान के तहत एडॉप्शन ऑफ फाइनेंशियल मॉडल फॉर स्टेट कंट्रीब्यूशन को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में लोक निर्माण विभाग

के मंत्री रणबीर गंगवा, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मास्टर प्लान के तहत बाह्य रिंग रोड़ एवं नेशनल हाईवे बनाने के लिए केन्द्र सरकार अनुसार पॉलिसी तैयार की जाए, ताकि शहरों एवं कस्बों में ट्रैफिक के दबाव कम करने के लिए बनाई जाने वाली सड़कों को अमलीजामा पहनाया जा सके। बैठक के दौरान केन्द्र सरकार के लागत शेयर के लिए वित्त विभाग, लोक निर्माण विभाग तथा शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों की तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में हिसार बाईपास, कुरूक्षेत्र बाईपास, नारनौल सिटी बाईपास, जीन्द बाईपास तथा सोहना पलवल बाईपास निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की। हिसार बाईपास, हिसार-राजगढ रोड़ एन एच 52 से हिसार देहली रोड़ तथा हिसार कैथल रोड़ से जोड़ने का कार्य करेगा। इसी प्रकार कुरूक्षेत्र लाडवा बाईपास की भी डीपीआर तैयार कर ली गई है।

जल्द ही इस परियोजना पर भी कार्य आरम्भ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारनौल सिटी बाईपास का भी निर्माण किया जाएगा। लगभग 11 किलोमीटर लम्बे इस बाईपास को स्टेट हाईवे एनएच 148बी से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा जीन्द के दूसरी तरफ बाह्य रिंग रोड़ एवं बाईपास एनएच 352 चार मार्गीय सड़क का निर्माण किया जाएगा। एनएच 919 से पलवल सोहना बाईपास को भी जीर्णोद्वार एवं रि–डिजाईन कर निर्माण किया जाएगा। यह चार मार्गीय सड़क मार्ग लगभग 24 किलोमीटर लम्बाई का होगा। इन परियोजनाओं पर लगभग 9700 करोड़ रुपए की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीएनडी-फरीदाबाद-बल्लभगढ बाईपास केएमपी लिंक से देहली मुम्बई एक्सप्रेस वे ग्रीनफिल्ड कनेक्टिविटी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए भी तैयार किया जाएगा। इसके अलावा करनाल रिंग रोड़ के लिए भी भूमि शेयर जमा करवा दिया गया है। अम्बाला शहर एवं अम्बाला कैंट से जोड़ने के लिए रिंग रोड़ का कार्य भी निर्माणाधीन है। इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

## राष्ट्रीय लोक अदालत में 25481 मुकदमों का निपटारा

एजेंसी

**करनाल।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल द्वारा जस्टिस हरसिमरन सिंह सेठी एक्जीक्यूटिव चेयरमैन, हरियाणा विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकुला के कुशल मार्गदर्शन में श्री रजनीश कुमार शर्मा, माननीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश एवं कार्यबाहक अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, करनाल की अध्यक्षता जिला न्यायालय परिसर करनाल तथा उपमंडल असंध, घरौंडा और इंद्री की अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान विभिन्न प्रकार के मामलों की सुनवाई के लिए अनेक पीठों का गठन किया गया। इन पीठों में न्यायिक अधिकारियों द्वारा आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर मामलों का निपटारा किया गया। लोक अदालत में कुल 28,975 मुकदमों में से 25481 मुकदमों का निपटारा किया गया। इनमें 224 मुकदमे परिवार विवाद, मोटर दुर्घटना के 55, चैक बाउंस से संबंधी 860 मामलों तथा 23,048 यातायात चालानों से संबंधित थे। इन मामलों के निपटारे के परिणामस्वरूप कुल 17,35,41,742 रुपये की राशि का भुगतान किया गया।

## राष्ट्रीय लोक अदालत में 93 हजार से अधिक मामलों का निपटारा

**गुरुग्राम।** जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम द्वारा जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन माननीय न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय तथा अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, डीएलएसए गुरुग्राम नरेंद्र सूरा के निर्देशन में संपन्न हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए विभिन्न श्रेणियों के मामलों के निपटारे हेतु कुल 21 बेंचों का गठन किया गया। इसके अलावा उपमंडल सोहना और पटौदी में भी एक-एक विशेष लोक अदालत बेंच स्थापित की गई। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव, डीएलएसए गुरुग्राम निशा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सोहना एवं पटौदी सहित विभिन्न न्यायालयों में लंबित तथा प्री-लिटिगेशन श्रेणी के करीब 1 लाख 47 हजार 144 मामलों को रखा गया। इनमें से 93 हजार 639 मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इन मामलों में कुल 15 करोड़ 68 लाख 42 हजार 235 रुपये की राशि का सेटलमेंट हुआ।

## हरियाणा की दस्तावेजी विरासत से जुड़ने का अवसर, धरोहर शास्त्री इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू

**गुरुग्राम।** हरियाणा राज्य अभिलेखागार विभाग द्वारा राज्य की प्रशासनिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अभिलेखीय धरोहर के संरक्षण, प्रबंधन एवं अध्ययन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'धरोहर शास्त्री इंटर्नशिप कार्यक्रम' शुरू किया जा रहा है। डीसी उत्तम सिंह ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं अभिलेखीय विषयों में रुचि रखने वाले युवाओं से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है। डीसी ने कहा कि यह इंटर्नशिप युवाओं को हरियाणा की महत्वपूर्ण दस्तावेजी विरासत को करीब से समझने तथा अभिलेखीय कार्यों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में अपनी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ संरक्षण, अभिलेखीकरण एवं डिजिटलीकरण जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक कौशल विकसित करना है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जिसमें अनुभवात्मक शिक्षा, कौशल विकास एवं धरोहर जागरूकता को प्रोत्साहित किया गया है।

## मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत 13, 26 व 27 सितंबर को होगा विशेष अभियान : अखिल पिलानी

**नूंह,।** उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अखिल पिलानी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग एवं हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत जिले में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत 13, 26 व 27 सितंबर 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहकर आमजन से मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। उपायुक्त अखिल पिलानी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विशेष अभियान के दौरान मतदान केंद्रों से संबंधित सरकारी एवं गैर-सरकारी स्कूलों तथा कार्यालयों को खुला रखा जाए, ताकि निर्धारित तिथियों को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक पात्र नागरिक अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर बूथ लेवल अधिकारियों को दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन संस्थानों के स्टाफ में से किसी जिम्मेदार कर्मचारी अथवा चौकीदार की ड्यूटी लगाने के भी निर्देश दिए हैं।

## हरियाणा लगातार तीसरे वर्ष रक्तदान में देश में अव्वल

**1 अक्टूबर को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान**

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा लगातार तीसरे वर्ष रक्तदान के क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य बना है। यह उपलब्धि प्रदेश की बड़े पैमाने पर जनभागीदारी के साथ-साथ मजबूत रक्त आधान बुनियादी ढांचे, डिजिटल एकीकरण, बेहतर चिकित्सकीय सुरक्षा और मरीजों को मुफ्त जीवनरक्षक सहायता उपलब्ध कराने की बढ़ती क्षमता को दर्शाती है। हरियाणा में 5.89 लाख यूनिट रक्त एकत्र किया गया और 8,189 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। सभी जिलों में लाइसेंस प्राप्त ब्लड सेंटर की सुविधा उपलब्ध होने के साथ हरियाणा अब रक्तदान के क्षेत्र में देश का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। यह जानकारी हरियाणा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज यहां दी।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, ई-रक्तकोष पोर्टल पर दर्ज सत्यापित वार्षिक रक्तदान

आंकड़ों के आधार पर प्रति दस लाख आबादी पर रक्तदान के मामले में हरियाणा सभी राज्यों में प्रथम स्थान पर रहा है। भारत सरकार द्वारा हरियाणा को 1 अक्टूबर, 2026 को नई दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि हरियाणा की यह उपलब्धि निरंतर जनभागीदारी तथा राज्य द्वारा रक्त आधान सेवाओं को मजबूत करने, चिकित्सकीय सुरक्षा में सुधार, डिजिटल एकीकरण को बढ़ावा देने और सुरक्षित जीवनरक्षक रक्त एवं रक्त अवयवों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लगातार प्रयासों को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा ने लगातार तीसरे वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल किया है। इससे पहले प्रदेश को वर्ष 2024 और 2025 में भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ था।

### 5.89 लाख यूनिट रक्त एकत्र

राज्य की उपलब्धि के स्तर पर प्रकाश डालते हुए डॉ. मिश्रा ने बताया कि हरियाणा ने 2025–26 के दौरान 5.89 लाख यूनिट रक्त एकत्र किया और वित्तीय वर्ष के दौरान 8,189 रक्तदान शिविर आयोजित किए। चरखी दादरी जिला नागरिक अस्पताल में ब्लड सेंटर को लाइसेंस मिलने के साथ अब हरियाणा के 22 जिलों में कम से कम एक कार्यशील लाइसेंस प्राप्त सरकारी ब्लड सेंटर उपलब्ध हो गया है, जिससे जिला स्तर पर पूर्ण कवरेज हासिल हो गया है। हरियाणा का रक्त आधान नेटवर्क भी काफी विस्तारित हुआ है और ब्लड सेंटरों की संख्या 146 से बढ़कर 163 हो गई है।

## लाडो लक्ष्मी योजना का सरकार ने बढ़ाया दायरा, अब 1.80 लाख रुपये सालाना आमदनी वाले परिवारों की माताओं-बहनों को भी मिलेगा लाभ

**17 सितंबर को 'सेवा दिवस' से शुरू होगा माताओं-बहनों का रजिस्ट्रेशन**

एजेंसी

**करनाल।** डीसी डॉ आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा माताओं-बहनों को दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के माध्यम से प्रतिमाह 2100 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है। अब तक एक लाख रुपये सालाना आमदनी वाले परिवारों की माताओं-बहनों को इस योजना का लाभ मिलता था जबकि भविष्य में इसका दायरा बढ़ाकर 1.80 लाख रुपये सालाना आमदनी वाले परिवारों को भी इसका लाभ मिलेगा जिसके लिए महिलाओं का रजिस्ट्रेशन 17 सितंबर को 'सेवा दिवस' से शुरू किया जाएगा। उन्होंने जिला की पात्र माताओं-बहनों से अपील की कि वे लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ लेने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करवाएं। अधिक जानकारी के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

## जिला में 25 सितंबर से आंगनवाडियों में शुरू होगा आंगन मिलन सेवा अभियान-डीसी

**'इस अवधि के दौरान जिला के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।'**

एजेंसी

**करनाल।** डीसी डॉ. आनंद कुमार ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान मॉड्यूल-4 के अंतर्गत 25 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाने वाले आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम की तैयारियां महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से की जा रही है। इस अवधि के दौरान जिला के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र को सामुदायिक संवाद, जागरूकता एवं सहभागिता के लिए एक सशक्त सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिला में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने, निर्धारित अवधि के दौरान सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने तथा विकेंद्रीकृत कार्यान्वयन व्यवस्था एवं प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र से नियमित प्रगति रिपोर्टिंग के माध्यम से केंद्रीय स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में तीन दिवसीय आंगन मिलन सेवा आयोजित की जाएगी। इन कार्यक्रमों में विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी सहायिकाओं तथा आशा कार्यकर्ताओं को जनसेवा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए माताओं, बच्चों तथा अन्य लाभार्थियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद किया जाएगा।

इस दौरान पोषण, स्वस्थ खान-पान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, एनीमिया की रोकथाम, बच्चों की वृद्धि निगरानी, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा तथा महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी।

## जनता की समस्याओं का समाधान करना सरकार की प्राथमिकता: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

**सिरसा।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ब्रिक्स की मेजबानी भारत द्वारा किया जाना देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है और पूरे विश्व में भारत के नेतृत्व की सराहना हो रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सिरसा में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने जिला प्रशासन को लोगों की शिकायतों का समयबद्ध तरीके से समाधान करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में 13 शिकायतों का निपटान किया गया है। एक प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लोगों से झूठे वादे किए, पंजाब में भी कांग्रेस के शासन के बाद लोगों ने बदलाव का निर्णय लिया। अब आम आदमी पार्टी के शासन को लेकर भी लोगों में असंतोष है तथा नशे जैसे गंभीर मुद्दे पर आवाज उठाने वालों को दबाने का प्रयास किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा करती है और आने वाले समय में वहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों में आपसी मतभेद और खींचतान चल रही है।

## स्वामी नितानंद के जीवन मूल्य और विचार समाज के लिए प्रेरणादायक : कृष्ण लाल पंवार

**गांव माजरा स्थित जटेला धाम पर स्वामी नितानंद महाराज के 227वें निर्वाण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित**

**संतों के मार्गदर्शन से समाज को मिलती है सही दिशा - बोले कैबिनेट मंत्री**

एजेंसी

**झज्जर।** हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि संत महात्माओं ने सदैव अपने जप आउट तप के माध्यम से हिन्दू धर्म की रक्षा की है।स्वामी नितानंद महाराज के सानिध्य में चल रहा जटेला धाम के साथ श्रद्धालुओं की अटूट आस्था है। हमें संतो के बताए मार्ग पर चलना चाहिए।

गांव माजरा दूबलधन स्थित तपोभूमि जटेला धाम में स्वामी नितानंद महाराज के 227वें निर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे इस बीच उन्होंने स्वामी नितानंद महाराज की समाधि स्थल पर दर्शन कर उन्हें नमन किया। साथ ही महंत राजेन्द्र दास से आशीर्वाद भी लिया। वहीं तुलसी का पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत भी की,साथ ही सतगुरु नितानन्द महारज पर केंद्रित हरियाणवी लोक महाकाव्य का लोकार्पण किया। कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि जटेला धाम की पवित्र तपोभूमि आध्यात्मिक चेतना का प्रमुख केंद्र है। संतों की वाणी और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर

समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। जब संत समाज का मार्गदर्शन करते हैं तो व्यक्ति को सही दिशा मिलती है और कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। उन्होंने कहा कि स्वामी नितानंद महाराज महान संत थे, जिन्होंने मानवता, सद्भाव, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनके जीवन मूल्य और विचार आज भी समाज को प्रेरणा देने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे महान संतों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा ने कहा कि संत महापुरुषों की शिक्षाएं समाज को आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलना और जरूरतमंदों की सेवा करना ही संतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। जटेला धाम द्वारा सामाजिक सेवा और जनकल्याण की दिशा में किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने स्वामी नितानंद आयुर्वेदिक चिकित्सा संस्थान के लिए 11 लाख रुपए की घोषणा की। गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद महाराज ने बतौर मुख्य वक्ता अपने संबोधन में कहा कि गीता में भी पर्यावरण संरक्षण के बारे में बहुत कुछ लिखा है। महंत राजेंद्र दास ने पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति समाज का जो बीड़ा उठाया है उसमें सभी की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए।

## लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए अपडेट मतदाता सूची जरूरी : डीसी

**नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6, विवरण में संशोधन के लिए फॉर्म-8 और नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 से करें आवेदन**

एजेंसी

**झज्जर।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाने के लिए जिला में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान आयोजित किया गया। यह जानकारी डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने दी। उन्होंने कहा कि अपडेट मतदाता सूची तैयार करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। प्रत्येक पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने के साथ-साथ अपने विवरण की भी जांच करे। उन्होंने बताया कि रविवार 13 सितंबर को भी इस दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक अपने-अपने मतदान केंद्रों पर

मौजूद रह कर नागरिकों व छात्र मतदाताओं से मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। डीसी वर्षा खांगवाल ने जिलावासियों से अपील की है कि वे प्रारंभिक मतदाता सूची में अपना तथा अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम अवश्य जांचें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम, पता, आयु, फोटो अथवा अन्य विवरण सही दर्ज होना आवश्यक है। नागरिक विशेष अभियान के दौरान अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची की जांच कर सकते हैं और आवश्यकता अनुसार दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। डीसी ने बताया कि यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक दस्तावेज एवं घोषणा-पत्र के साथ फॉर्म-6 भरकर नाम शामिल करवाने के लिए दावा प्रस्तुत किया जा सकता है। पात्र नागरिक इस सुविधा का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची में नाम, पता, आयु, फोटो अथवा अन्य किसी विवरण में त्रुटि होने पर नागरिक निर्धारित दस्तावेज एवं घोषणा-पत्र के साथ फॉर्म-8 भरकर संशोधन के लिए आवेदन कर सकते हैं। डीसी ने कहा कि मतदाता अपने विवरण की जांच करें और किसी प्रकार की गलती पाए जाने पर समय रहते उसे दुरुस्त करवाएं। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि किसी अपात्र, मृत, स्थानांतरित अथवा अन्य स्थान पर पहले से पंजीकृत मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटवाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-7 के माध्यम से आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

## 'सेवा संकल्प अभियान' को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

**गुरुग्राम।** हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चलाया जा रहा 'सेवा संकल्प अभियान' केवल पार्टी का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने वाला जनअभियान बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में सेवा, सुशासन और राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। ऐसे में प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह सेवा भाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाए। कैबिनेट मंत्री भारतीय जनता पार्टी के खेड़की दौला मंडल के हयातपुर गांव में 'सेवा संकल्प अभियान' की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अभियान के तहत रक्तदान, स्वच्छता, पौधारोपण, स्वास्थ्य जांच, जल संरक्षण, जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों की सहायता सहित विभिन्न सेवा गतिविधियों को व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि सेवा का कोई एक निश्चित स्वरूप नहीं है, प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार समाजहित में योगदान दे सकता है। कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करें कि इन गतिविधियों में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आमजन, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं, एनजीओ और युवाओं की भी सक्रिय भागीदारी हो। राव नरबीर सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान की सफलता इसी में है कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर कम से कम एक सेवा कार्य का संकल्प ले। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति 25 मिनट श्रमदान कर सकता है, कोई रक्तदान कर सकता है।

# ब्रिक्स ने एकतरफा व्यापारिक फैसलों पर जताई गंभीर चिंता

**वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और प्रभावी बहुपक्षवाद पर दिया जोर**

**नई दिल्ली ।**

ब्रिक्स देशों ने अपनी नई दिल्ली घोषणा में वैश्विक व्यापार में बढ़ते एकतरफा फैसलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। समूह ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के विपरीत टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों के इस्तेमाल की निंदा की है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ एकतरफा दबाव वाले कदमों की भी कड़ी आलोचना की। घोषणा में ब्रिक्स देशों ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले और ब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन करने वाले एकतरफा उपाय अस्वीकार्य हैं। इसके अलावा, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में बढ़ रहे संघर्षों और परमाणु खतरे को लेकर भी चिंता जताई गई। समूह ने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने के लिए सिर्फ संघर्ष शुरू होने के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि संघर्षों को रोकने और उनकी मूल वजहों को दूर करने पर काम करने की आवश्यकता है। ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय विवादों को बातचीत, आपसी सलाह और कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का आह्वान किया। समूह ने एक ऐसी बहुपक्षीय व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया जिसमें वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सभी देशों के विचारों और रुख का सम्मान किया जाए। आर्थिक सहयोग के तहत, ब्रिक्स देशों के बीच सीमा पार भुगतान को आसान बनाने के लिए चर्चा जारी रखने का भी समर्थन किया गया।

# विक्टोरिया मिल्स डिविडेंड: रिकॉर्ड डेट पर नजर, 50 रुपए का फायदा

**पात्र होने के लिए 17 सितंबर तक शेयर खरीदना होगा**

**नई दिल्ली।**

रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनी विक्टोरिया मिल्स लिमिटेड के शेयर डिविडेंड को लेकर निवेशकों के फोकस में हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने निवेशकों को 50 रुपये प्रति शेयर (फेस वैल्यू का 50 फीसदी) का लाभांश देने की सिफारिश की है, जिसकी रिकॉर्ड डेट जल्द ही आ रही है। विक्टोरिया मिल्स ने इस भारी-भरकम डिविडेंड के लिए 19 सितंबर को रिकॉर्ड डेट तय की है, जबकि 18 सितंबर 2026 को एक्स-डिविडेंड डेट रहेगी। इसका मतलब है कि यदि आप इस डिविडेंड के पात्र बनना चाहते हैं, तो आपको 17 सितंबर 2026 तक कंपनी के शेयर खरीदने होंगे। यह लाभांश कंपनी के 98,560 इक्विटी शेयरों पर दिया जाएगा, जिसे आगामी एनुअल जनरल मीटिंग में मंजूरी के बाद ही निवेशकों को वितरित किया जाएगा। कंपनी का यह शेयर बीते शुक्रवार को बीएसई पर 1.78 फीसदी की गिरावट के साथ 8471.00 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, कंपनी के शेयरों ने लंबे समय में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। पिछले एक महीने में यह शेयर 64.48 फीसदी उछला है, जबकि 10 साल की अवधि में इसमें 218.56 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। 83.79 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाली इस कंपनी के शेयरों का लेन-देन बीते एक महीने में 100 से कम रहा है, जो इसकी कम तरलता को दर्शाता है।

# आरबीआई का टाटा संस को लिस्टिंग का आदेश, छूट की अर्जी खारिज

**- बोर्ड में नेतृत्व की खींचतान के बीच फैसला, कुछ शेयरधारक पक्ष में तो कुछ विरोध में**

**नई दिल्ली ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का आदेश दिया है। केंद्रीय बैंक ने कंपनी की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने खुद को अनरजिस्टर्ड कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) की श्रेणी से छूट देने की मांग की थी। इस फैसले से टाटा संस के लिए शेयर बाजार में लिस्टिंग अनिवार्य हो गई है। आरबीआई ने 11 सितंबर को जारी एक पत्र में कहा कि टाटा संस की अर्जी स्वीकार नहीं की जा सकती। केंद्रीय बैंक ने टाटा संस की कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) का दर्जा छोड़ने की मांग को भी नामंजूर कर दिया, जिससे कंपनी के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होना अब जरूरी हो गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर न बने रहने की इच्छा जताई है, जिसकी वजह बोर्ड में चल रही असहमति बताई जा रही है। कंपनी के भीतर नेतृत्व और रणनीतिक दिशा को लेकर खींचतान जारी है, जिसमें लिस्टिंग का मुद्दा भी एक बड़ा विवाद बन गया है। टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स, जिसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं, लिस्टिंग के खिलाफ हैं। ट्रस्ट्स ने इस मुद्दे पर एक प्रस्ताव भी पारित किया था। वहीं, दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पालोनजी समूह लिस्टिंग के पक्ष में है, क्योंकि यह उन्हें अपनी हिस्सेदारी बेचकर कर्ज चुकाने और पूंजी जुटाने का अवसर देगा। **RBI** के इस आदेश से यह आंतरिक संघर्ष और गहराने की संभावना है।

# पेटेंट कार्यालय के लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर नकेल, मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी अनिवार्य

**सरकारी पहचान का दुरुपयोग रोकने के लिए डीपीआईआईटी का सख्त कदम**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) की आधिकारिक पहचान और लोगो के अनाधिकृत उपयोग पर अब सख्त रोक लगा दी गई है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि आईपीओ के लोगो, प्रतीक चिह्न या उससे मिलते-जुलते डिजाइन का इस्तेमाल अब संबंधित मंत्रालय की पूर्व-मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकेगा। इस नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। डीपीआईआईटी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, कोई भी व्यक्ति, कारोबारी संस्था, डिजिटल मंच, ट्रेडमार्क या पेटेंट एजेंट अथवा कानूनी व्यवसायी किसी भी माध्यम - प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, वेबसाइट या प्रायोजित ऑनलाइन विज्ञापन - में भारतीय पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक लोगो का उपयोग, अनुकूलन या प्रदर्शन बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के नहीं कर सकेंगे। पेटेंट, डिजाइन एवं ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय (सीजीपीडीटीएम) के संज्ञान में आया था कि कई व्यक्ति, एजेंसियां और ऑनलाइन कानूनी सेवा मंच अपनी वेबसाइटों, सोशल मीडिया खातों और प्रचार सामग्री में भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का कथित रूप से अनाधिकृत इस्तेमाल कर रहे थे। डीपीआईआईटी ने चिंता व्यक्त की कि भारतीय पेटेंट कार्यालय का लोगो एक आधिकारिक सरकारी पहचान है और इसके अनधिकृत इस्तेमाल से आम लोगों, पेटेंट आवेदकों और अन्य हितधारकों के बीच सरकारी समर्थन या संबद्धता को लेकर गलत धारणा पैदा हो सकती है। डीपीआईआईटी ने सभी संस्थाओं और व्यक्तियों को अपनी वेबसाइट, प्रचार बैनर, विजिटिंग कार्ड और ऑनलाइन पोर्टलों से ऐसे लोगो या भ्रामक रूप से मिलते-जुलते डिजाइन को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है। सरकार ने चेतावनी दी है कि भारतीय पेटेंट कार्यालय के लोगो का अनाधिकृत इस्तेमाल, गलत प्रस्तुतीकरण या उसकी नकल प्रतीक और नाम (अनुचित इस्तेमाल को रोकने वाला) अधिनियम 1950, ट्रेडमार्क अधिनियम 1999, कॉपीराइट अधिनियम 1957 और सूचना प्रौद्योगिकी कानून 2000 के तहत कार्रवाई का आधार बन सकता है। उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ दीवानी एवं आपराधिक कार्रवाई तथा प्रशासनिक दंड जैसी कठोर कार्रवाई की जा सकती है।

# सेबी लाएगा डेरिवेटिव्स बाजार में बड़े बदलाव

**- निपटान मूल्य गणना और ट्रेडिंग समय को लेकर कंसल्टेशन पेपर जारी**

**मुंबई ।**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रणाली, बाजार की टाइमिंग और क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के परिचालन में बड़े बदलावों का प्रस्ताव दिया है। हाल ही में जारी कंसल्टेशन पेपर में, नियामक ने एक्सपायरी के दिनों में इंडेक्स और सिंगल-स्टॉक डेरिवेटिव्स की सेटलमेंट कीमत तय करने के लिए दो विकल्प सुझाए हैं। पहले विकल्प के तहत, सेबी ने ब्लेंडेड वीडब्ल्यूएपी (वॉल्यूम-वेटेड एवरेज प्राइस) का तरीका सुझाया है। इसमें सेटलमेंट की कीमत कंटीन्यूअस ट्रेडिंग सेशन (सीटीएस) के आखिरी 30 मिनट और 10 मिनट के सीएएस पीरियड के दौरान हुए ट्रेड के आधार पर तय की जाएगी, जिससे अधिक सटीक कीमत मिल सके। दूसरे विकल्प में, नियामक ने मौजूदा सीटीएस वीडब्ल्यूएपी तरीके को अंतरिम व्यवस्था के तौर पर बनाए रखने का प्रस्ताव दिया है।

इसके अलावा, सेबी ने क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के दौरान इंडिकेटिव इंडेक्स वैल्यू (आईआईवी) के प्रदर्शन को हटाने का प्रस्ताव दिया है, क्योंकि कुछ बाजार प्रतिभागियों ने इसका गलत अर्थ निकाला था। नियामक ने सीटीएस और सीएएस के बीच के ट्रांजिशन समय को पांच मिनट से घटाकर एक मिनट करने का भी प्रस्ताव रखा है। सीएएस के बाद डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग विंडो को भी 10 मिनट से घटाकर पांच मिनट किया जाएगा, जिसे बाजार से मिले फीडबैक के आधार पर पर्याप्त माना गया है।

# आईटीसी का आशीर्वाद ब्रांड, पांच साल में 20,000 करोड़ का लक्ष्य

**- रेडी-टू-कुक, फ्रोजन फूड और सत्तू सहित नई श्रेणियों में भी होगा विस्तार**

**बेंगलुरु ।**

आईटीसी अपने प्रमुख खाद्य ब्रांड 'आशीर्वाद' को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य है कि अगले पांच साल में आशीर्वाद उत्पादों पर उपभोक्ता खर्च मौजूदा 10,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो जाए। मई, 2002 में पूरी तरह गेहूं के आटा ब्रांड के रूप में शुरू हुआ आशीर्वाद अब देश के प्रमुख रसोई ब्रांडों में से एक बन गया है, जिसके पोर्टफोलियो में 200 से अधिक एसकेयू (स्टॉक कीपिंग यूनिट्स) हैं। ब्रांड ने आटा के अलावा स्टेपल्स, मसाले, ताजे और फ्रोजन खाद्य पदार्थों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। मलिक के अनुसार, आटा श्रेणी में विकास की असीमित संभावनाएं हैं। कंपनी मल्टीग्रेन, हाई-प्रोटीन, ऑर्गेनिक और मिलेट आधारित आटा जैसे प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो बेहतर गुणवत्ता, सुविधा और पोषण लाभ प्रदान करते हैं। आशीर्वाद अब बेसन, सेवईं, रवा, सोया चंक्स, फ्रोजन नान और पराठे के साथ-साथ ताजी चटनी और सांभर जैसे उत्पादों के माध्यम से नए उपभोक्ता वर्ग और उपयोग के अवसर तलाश रहा है। रेडी-टू-कुक श्रेणी में भी कंपनी ने कदम बढ़ाया है, जिसमें तैयार चपातियां विशेष रूप से युवा परिवारों को ध्यान में रखकर पेश की गई हैं। ये चपातियां बिना किसी अतिरिक्त प्रिजर्वेटिव के 5-6 दिनों तक उपयोग की जा सकती हैं। आईटीसी ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आशीर्वाद चना सत्तू भी पेश किया है, जो प्रोटीन और फाइबर से भरपूर है। इसे पारंपरिक तरीके से बालू में भूनकर तैयार किया जाता है और जल्द ही इसे देशभर में उपलब्ध कराने की योजना है। कंपनी 10 रुपये का 'वैल्यू पैक' भी लाई है, जिसमें 10 ग्राम प्रोटीन मिलता है।

# फेड के बयान, महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

**- पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद बाजार के लिए अहम रहेगा आगामी सप्ताह**

**मुंबई ।**

घरेलू शेयर बाजारों के लिए आगामी सप्ताह बेहद अहम होने वाला है। पिछले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण देखी गई गिरावट के बाद, अब निवेशकों की निगाहें तीन प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक संकेतकों पर टिकी रहेंगी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक, भारत के खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़े, और कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय चाल मिलकर इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मुक्त बाजार समिति की बैठक 15 और 16 सितंबर को निर्धारित है। इस बैठक में लिए जाने वाले नीतिगत फैसले और फेड चेयरमैन का बयान वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजारों के लिए भी एक अहम दिशा निर्धारित करेगा। ब्याज दरों पर कोई भी संकेत या अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर फेड का दृष्टिकोण दुनियाभर के निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित करेगा। फेड के किसी भी कठोर रुख से वैश्विक इक्विटी बाजारों में बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है। घरेलू मोर्चे पर, भारत के खुदरा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक महंगाई के आंकड़े इसी सप्ताह जारी होने वाले हैं। ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक रहती है, तो यह बाजार की चिंताएं बढ़ा सकता है, क्योंकि इससे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की अटकलें तेज होंगी। वहीं, नियंत्रण में रहने पर निवेशकों

का भरोसा मजबूत होगा। कच्चे तेल की कीमतें एक बार फिर निवेशकों की प्राथमिक चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले सप्ताह इसमें आई भारी तेजी घरेलू बाजारों में गिरावट का एक प्रमुख कारण रही थी। इस सप्ताह भी कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल कंपनियों की लागत बढ़ाती हैं, बल्कि महंगाई और रुपये पर भी दबाव डालती हैं, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित होती है। कुल मिलाकर, आगामी सप्ताह में फेडरल रिजर्व की घोषणाएं, घरेलू महंगाई के आंकड़े और कच्चे तेल की कीमतें मिलकर भारतीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। निवेशकों को इन प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर बारीकी से नजर रखनी होगी और उसी के अनुसार अपनी रणनीति बनानी होगी।

# एसएमएल लिमिटेड अगले 2-3 साल में हो सकती है सूचीबद्ध

**पूंजी जुटाने के लिए शेयर बाजार में आने पर विचार**

**नई दिल्ली ।** कृषि आदान कंपनी एसएमएल लिमिटेड (पूर्व में सल्फर इंडिया लिमिटेड) अगले दो से तीन साल में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य नई रासायनिक इकाइयों (एनसीई) के विकास के लिए आवश्यक पूंजी जुटाना है। हालांकि, कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और कंपनी अगले एक-दो साल में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद कर रही है। मुंबई स्थित एसएमएल लिमिटेड उन चुनिंदा भारतीय कंपनियों में से है जो नई और स्वामित्व वाली रासायनिक इकाइयों (एनसीई) पर काम कर रही है। ये सामान्य जेनेरिक उत्पादों से अलग कंपनी द्वारा विकसित किए गए नए अणु हैं। पिछले तीन वर्षों से कंपनी का यह एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र रहा है, हालांकि इसके विकास में प्रति एनसीई 7-8 करोड़ डॉलर का भारी निवेश होता है, जिसका खर्च कंपनी अब तक अपने आंतरिक शोध एवं विकास से उठा रही है। कंपनी फिलहाल करीब 450-470 करोड़ रुपये की नकदी के साथ लगभग कर्ज-मुक्त स्थिति में है। प्रबंधन इस पूंजी का उपयोग भविष्य में अधिग्रहण, नियामकीय परिसंपत्तियों या एनसीई कार्यक्रम में रणनीतिक साझेदारी के लिए कर सकता है। एसएमएल अपने पारंपरिक सल्फर उर्वरक कारोबार से आगे बढ़कर फसल पोषण, फसल संरक्षण और जैविक उत्पादों पर भी ध्यान दे रही है, जिसमें फसल पोषण अगले तीन वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कारोबार होने की उम्मीद है। कमजोर मानसून, अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क और भू-राजनीतिक तनाव के कारण परिवहन में बाधाओं को देखते हुए, एसएमएल ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपना राजस्व लक्ष्य घटाकर 1,600 करोड़ रुपये कर दिया है, जो पहले 1,800 करोड़ रुपये था। हालांकि, यह पिछले वित्त वर्ष के 1,200-1,300 करोड़ रुपये के कारोबार से अधिक रहेगा। कंपनी ने उत्पादों की कीमतों में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी की है। कंपनी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार 80 से अधिक देशों में फैला है, जिससे पिछले वित्त वर्ष में 600-700 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था। इस वित्त वर्ष में इसके 700-800 करोड़ रुपये और अगले दो वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें निर्यात राजस्व में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी फसल संरक्षण उत्पादों (कीटनाशक और फफूंदनाशक) की है।

# फार्मा पेटेंट जांच के लिए नए दिशानिर्देश, गुणवत्ता और एकरूपता पर जोर

**- अदालती फैसलों और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मसौदा जारी**

**नई दिल्ली ।** भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) ने औषधि क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों की जांच प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मौजूदा दिशानिर्देशों को अद्यतन करने का प्रस्ताव दिया है। जारी मसौदा दिशानिर्देशों में गुणवत्ता, निरंतरता और एकरूपता पर विशेष बल दिया गया है, साथ ही अदालतों के हालिया महत्वपूर्ण फैसलों को भी शामिल किया गया है। आईपीओ ने इस पहल का महत्व बताते हुए कहा कि भारत में फार्मास्युटिकल पेटेंट एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। जहां खराब पेटेंट समाज पर अनावश्यक बोझ बन सकते हैं, वहीं मजबूत और उचित पेटेंट नवोन्मेषण तथा प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यालय ने बताया कि वह अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े तंत्र को लगातार बेहतर बना रहा है। दिशानिर्देशों का अद्यतन, विशेष रूप से उत्पाद पेटेंट से जुड़े कई मुद्दों पर अदालतों के स्पष्ट होते फैसलों को ध्यान में रखकर किया गया है। इन न्यायिक व्याख्याओं को शामिल कर, पेटेंट कार्यालय जांच प्रक्रिया में उच्च स्तर की गुणवत्ता और एकरूपता सुनिश्चित करना चाहता है, जिससे भारतीय फार्मा उद्योग में स्वस्थ नवाचार को प्रोत्साहन मिल सके। यह कदम पेटेंट प्रणाली को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने की दिशा में उठाया गया है।

# एफपीआई ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 13,000 करोड़ निकाले

**कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी मुख्य कारण**

**नई दिल्ली ।**

परिचय वैश्विक अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार से 13,138 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। यह निकासी जुलाई और अगस्त में हुई भारी खरीदारी के बाद हुई है, जब एफपीआई भारतीय शेयरों में शुद्ध निवेशक रहे थे। चालू वर्ष (2023) में अब तक भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.37 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले पूरे वर्ष (2022) की 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी काफी अधिक है। एक निवेश मंच के अधिकारी के अनुसार, सितंबर में बिकवाली का मुख्य कारण घरेलू नहीं, बल्कि वैश्विक घटनाक्रम हैं। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण उभरते बाजारों से पूंजी का बाहर निकलना स्वाभाविक है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत बढ़कर 109.97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। बाजार के जानकारों ने चेताया कि ऊंची कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ती महंगाई से मौद्रिक नीति सख्त हो सकती है, जिससे बॉन्ड प्रतिफल और बढ़ेंगे। यदि अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल पांच प्रतिशत तक पहुंचता है, तो वैश्विक शेयर बाजारों में तेज गिरावट आ सकती है और विदेशी निवेशक शेयरों से पैसा निकालकर अधिक रिटर्न देने वाले बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं। इस दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय ऋण बाजार से भी शुद्ध रूप से 2,305 करोड़ रुपये की निकासी की है।

# इंडियन बैंक जीवन बीमा एसेट मैनेजमेंट में उतरेगा

**दुबई में प्रतिनिधि कार्यालय और नए देशों में मौजूदगी की भी योजना**

**- चेन्नई ।**

सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक जीवन बीमा और संपत्ति प्रबंधन (म्यूचुअल फंड) कारोबार में उतरने की अपनी योजना को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। बैंक के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि इन क्षेत्रों में प्रस्तावित अनुषंगी कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के लिए जल्द ही निदेशक मंडल से मंजूरी ली जाएगी। अधिकारी ने पुष्टि की कि यह योजना पूरी तरह पटरी पर है। बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद, बैंक आवश्यक नियामकीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शुरू करेगा।

कुमार ने इस पूरी कवायद में सही साझेदार की पहचान को सबसे महत्वपूर्ण बताया, जिससे तेजी से कारोबार का विस्तार और संपत्ति सृजन हो सके। उन्होंने अनुमान जताया कि इस पूरी प्रक्रिया में लगभग एक साल का समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि अनुषंगी कंपनियां या संयुक्त उद्यम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते हैं, जो संपत्ति सृजन के साथ-साथ ब्रांड को भी मजबूत करते हैं। इंडियन बैंक पहले से ही साधारण बीमा क्षेत्र में यूनिवर्सल सोमपो जनरल इंश्योरेंस कंपनी में 28.52 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ मौजूद है।

वैश्विक विस्तार के मोर्चे पर, इंडियन बैंक दुबई में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोलने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया में बसे बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय से मिलने वाले कारोबारी अवसरों का लाभ उठाना है। बैंक के बोर्ड ने दुबई कार्यालय को मंजूरी दे दी है और अब नियामकीय मंजूरियां ली जा रही हैं। इंडियन बैंक की वर्तमान में सिंगापुर और श्रीलंका में अंतरराष्ट्रीय शाखाएं हैं, जबकि बैंक मलेशिया और इंडोनेशिया में भी अपनी मौजूदगी स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रहा है। गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी की शाखा से भी अच्छा कारोबार मिल रहा है।

# तेल-तिलहन बाजार: सोयाबीन, बिनौला लुढ़के; मूंगफली में चमक

**पाम-पामोलीन में मामूली सुधार, पर लागत से नीचे बिकवाली जारी**

**नई दिल्ली ।**

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली और ब्रांडेड कंपनियों की कमजोर मांग के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन व बिनौला तेल के दाम गिरे।

इसके विपरीत, मजबूत मांग से मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार दर्ज हुआ। औद्योगिक मांग के कारण पाम-पामोलीन व सोयाबीन डीगम तेल में भी मामूली सुधार दिखा, जबकि सरसों तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातकों को सोयाबीन डीगम तेल की लागत से 5-6 रुपये प्रति किलो कम (लगभग 119.50 रुपये प्रति किलो) पर बेचना पड़ा।

पाम-पामोलीन भी लागत से नीचे बिकवाली का शिकार हुआ। सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) के निर्यात में पिछले वर्ष के मुकाबले 12.5 फीसदी की कमी तथा ब्रांडेड कंपनियों की घटती मांग से बिनौला तेल के दाम भी प्रभावित हुए। वहीं, मांग बढ़ने और आवक कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में पर्याप्त सुधार आया। किसानों की कम दाम पर फसल न बेचने की प्रवृत्ति और ऊंची खरीद पर पेराई मिलों के घाटे के चलते सरसों तेल-तिलहन पिछले सप्ताहांत के स्तर पर ही स्थिर रहे। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 400-400 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,300-6,350 रुपये और 6,150-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी प्रकार, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 100 रुपये सुधार के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

अच्छी मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये के सुधार के साथ 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 14,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

# एशिया के बेस्ट वर्कप्लेस 2026: भारत का दबदबा कायम, टॉप-100 में 34 भारतीय कंपनियां

**फ्लिपकार्ट, इंफोसिस समेत कई भारतीय कंपनियों का शानदार प्रदर्शन**

**नई दिल्ली ।**

दुनियाभर की कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए कौन सा कार्यस्थल सबसे बेहतर है, इसका पता लगाने के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क ने एशिया के सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों की नई लिस्ट जारी की है। यह रैंकिंग कर्मचारियों की राय और उनके अनुभवों के आधार पर तैयार की गई है, जिसमें भारत ने अपना जबरदस्त प्रदर्शन किया है। इस लिस्ट में शामिल टॉप-100 बड़ी कंपनियों में 34 भारतीय कंपनियों ने जगह बनाई है, जो देश की मजबूत कार्य संस्कृति का प्रमाण है।

ग्रेट प्लेस टू वर्क की यह प्रतिष्ठित लिस्ट एशिया और मिडिल ईस्ट के लगभग 89 लाख कर्मचारियों के अनुभवों को शामिल करते हुए तैयार की गई है। कर्मचारियों से कंपनी में भरोसे, नेतृत्व, काम के माहौल, नए विचारों को बढ़ावा, कंपनी के मूल्यों और उनके कुल अनुभव के बारे में पूछा गया था। इस अध्ययन में कंपनियों के आकार या कमाई की बजाय कर्मचारियों के वास्तविक अनुभव को ही मूल्यांकन का आधार बनाया गया है।

बड़ी कंपनियों की श्रेणी में वैश्विक स्तर पर जिन 10 कंपनियों को सर्वश्रेष्ठ माना गया है, उनमें हिलटन, मैरियोट इंटरनेशनल, सिस्को, एब्वी, डीएचएल, इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप, माइक्रो टेक्नोलॉजी, टीपी, एसेंचर और कैपेला का नाम शामिल है। इस पूरी रैंकिंग में भारत का प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा है। बड़ी कंपनियों की टॉप-100 लिस्ट में 34 कंपनियां भारत की हैं। इनमें फ्लिपकार्ट ग्रुप, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, रिलायंस रिटेल, बजाज फाइनेंस, मैक्स हेल्थकेयर, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक, जेनसर टेक्नोलॉजीज, एक्सपीरियन, एडलवीज लाइफ और एचपी इंक जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा, छोटी और मध्यम कंपनियों की लिस्ट में एनआईए इंस्टीट्यूशंस, वहदम इंडिया, चैलेट होटल्स, सेरेंटिका रिन्यूबल इंडिया, किम्बल और एलएमएस (लॉर्ड महावीरा सर्विसेज इंडिया) सहित 6 भारतीय कंपनियों ने भी अपनी जगह बनाई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लिस्ट में शामिल लगभग 93 फीसदी कर्मचारियों ने अपनी कंपनी को काम करने के लिए एक बेहतरीन जगह बताया।

# भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्रोत

ललित गर्ग

**गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है–शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो।**

गणेशजी के व्यक्तित्व में छिपे प्रबंधन, नेतृत्व, ज्ञान, अनुशासन और समावेशी विकास के सूत्रों को आत्मसात कर भारत 2047 के संकल्प को नई दिशा दी जा सकती है...

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है।

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है–शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है–विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से।

गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है–ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।

उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छा नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह

है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है।

उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो।

गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा।

गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है–ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग महसूस न करे।

गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मूषक है। यह मानो अहंकार पर नियंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है।

गणेशजी की चार भुजाएं कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल डिग्री नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन–यही विकसित भारत की आधारभूमि बन सकती है।

गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे। गणेशजी का साहस हमें बताता है कि कठिनाई जितनी बड़ी हो, संकल्प उससे बड़ा होना चाहिए।

ऋद्धि और सिद्धि का गणेशजी से जुड़ाव भी विकास की व्यापक अवधारणा को स्पष्ट करता है। केवल धन-संपदा ऋद्धि नहीं और केवल उपलब्धि सिद्धि नहीं; दोनों का संतुलन आवश्यक है। भारत की आर्थिक समृद्धि के साथ ज्ञान, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की सिद्धि भी होनी चाहिए। तभी समृद्धि स्थायी और सार्थक बनेगी। शुभ और लाभ का संदेश भी यही है कि उपलब्धि तभी शुभ है जब वह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में हो।

गणेशजी को प्रथम पूज्य और बुद्धि के देवता के रूप में स्मरण करने की भारतीय परंपरा आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। जब देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब आवश्यकता केवल सरकारों के प्रयासों की नहीं, बल्कि विकसित सोच वाले नागरिकों की है। प्रत्येक भारतीय अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, उत्कृष्टता, नवाचार, अनुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे, तो विकास का लक्ष्य जनआंदोलन बन सकता है।

गणेश चतुर्थी इसलिए हमें केवल प्रतिमा स्थापित करने और उत्सव मनाने का अवसर न दे, बल्कि अपने भीतर गणेशत्व जगाने का संकल्प दे। बुद्धि में विशालता हो, दृष्टि में दूरदर्शिता हो, कानों में संवेदनशीलता हो, वाणी में मधुरता हो, कर्म में शक्ति हो, मन में धैर्य हो और व्यवहार में समावेशिता हो–यही गणेशजी की वास्तविक आराधना है। जब भारत का नागरिक अपने भीतर के विघ्नों–अज्ञान, आलस्य, अहंकार, स्वार्थ और संकीर्णता–पर विजय प्राप्त करेगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा।

भगवान गणेश का संदेश अंततः यही है कि मंगल बाहर से नहीं आता, उसे अपने विचार, व्यवहार और कर्म से निर्मित करना पड़ता है। यदि गणेशजी की बुद्धि, विवेक, धैर्य, साहस, श्रवणशीलता, आत्मसंयम और समावेशी दृष्टि को राष्ट्रीय जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो भारत केवल आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र नहीं, बल्कि समृद्ध, संस्कारित, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और विश्व को दिशा देने वाला आदर्श राष्ट्र बन सकता है। यही गणेश चतुर्थी की सबसे बड़ी राष्ट्रीय साधना और विकसित भारत 2047 के संकल्प की सार्थक परिणति होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संपादकीय

### व्यापार घाटे का ब्रिक्स

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आगाज हो चुका है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आगमन की भी पुष्टि हो चुकी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय मुलाकात हुई। कई समझौते परवान चढ़े। उनका विश्लेषण अलग से किया जाएगा। दरअसल हमने ईरान युद्ध के संदर्भ में इस शिखर सम्मेलन का विश्लेषण किया था। आज भारत की अर्थव्यवस्था, ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार और भारत के निरंतर घाटे की चर्चा कर रहे हैं। ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब भी ब्रिक्स के सदस्य देश हैं। फिलहाल उनके बीच एक विनाशक, विध्वंसक युद्ध जारी है। ईरान ने उनके तेल ठिकानों, रिफाइनरियों, संयंत्रों पर ऐसे हमले किए हैं कि उनके उत्पादन खत्म हो गए हैं या वे भस्म हो गए हैं, नतीजतन दुनिया संकट में है। हालांकि अमरीका-इजरायल इस युद्ध के ह्यनरसंहारी चेहरेह्ण हैं। ईरान युद्ध के कारण अभी तक भारत को 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का ह्यराजकोषीय धक्काह्ण लग चुका है। यह अनुमान है, जबकि हकीकत इससे ज्यादा हो सकती है! इसी के कारण हमारा चालू खाता घाटा भी जीडीपी का 1.9 फीसदी से 2 फीसदी तक बढ़ चुका है। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026-27 की आखिरी विकास दर 6.5 फीसदी के करीब हो सकती है, लिहाजा एक तिमाही की 7.8 फीसदी विकास दर पर अधिक फुलफुलाना नहीं चाहिए। भारत ब्रिक्स देशों-चीन, रूस, अमीरात, सऊदी, ब्राजील-के साथ लगातार कारोबार करता रहा है, लेकिन चिंता की बात यह है कि हम लगातार व्यापार-असंतुलन के शिकार हो रहे हैं और भारत आज तक ह्यनिराश्रितह्ण, असहाय, लाचार है। ह्यआत्मनिर्भरताह्ण तो बहुत दूर की कौड़ी है। चीन के साथ भारत का व्यापार-घाटा 9.92 लाख करोड़ रुपए का है, तो रूस की तुलना में भारत 4.48 लाख करोड़ रुपए के घाटे में है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ करीब 2.34 लाख करोड़ रुपए और सऊदी अरब के साथ भी करीब 1.81 लाख करोड़ रुपए का व्यापार-घाटा हम झेल रहे हैं। ब्राजील सरीखे अपेक्षाकृत छोटे देश के साथ भी भारत का व्यापार-घाटा करीब 9579 करोड़ रुपए का है।

## चिंतन-मनन

### जीवन एक क्रिकेट मैच

प्रांतिकारी संत तरुणसागरजी ने क्रिकेट की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन एक क्रिकेट है, धरती की विराट पिच पर समय बॉलिंग कर रहा है। शरीर बल्लेबाज है, परमात्मा के इस आयोजन पर अम्पायर धर्मराज हैं। बीमारियाँ फील्डिंग कर रही हैं, विकेटकीपर यमराज हैं, प्राण हमारा विकेट है, जीवन एक क्रिकेट है। इस डे-नाइट मैच में हमें रचनात्मकता के जलवे दिखाने हैं और साँसों के सीमित ओवर में सृजन के रन बनाने हैं। गिल्लियाँ उड़ने का अर्थ साँस का टूट जाना है, एलबीडब्ल्यू यानी हार्ट-अटैक। दुर्घटना में मरने वाला रन आउट कहलाता है और सीमा पर शहीद होने वाला कैच आउट कहा जाता है। आत्महत्या का अर्थ हिट विकेट और हत्या स्टम्प आउट हो जाना है।

कभी-कभी कुछ आप्रामक खिलाड़ी जल्दी ही पैवेलियन लौट जाते हैं, लेकिन पारी ऐसी खेलते हैं कि कीर्तिमान बना जाते हैं, सबका अपना-अपना रन रेट है, जीवन एक क्रिकेट है। घर आए अतिथि को भोजन के लिए पूछा करो, भोजन के लिए नहीं पूछ सकते तो पानी के लिए पूछा करो, पानी का नहीं पूछ सकते हैं तो बैठने के लिए आसन दिया करो। बैठने के लिए आसन भी नहीं दे सकते तो दो मीठे बोल बोला करो। दो मीठे बोल नहीं बोल सकते, मुस्कुराहट भी नहीं दे सकते तो चुल्लू भर पानी में डूब मरो। उक्त प्रेरक विचार उन्होंने प्रवचनमाला में व्यक्त किए। हाथों में मोबाइल हो न हो, चेहरे पर स्माइल हर हाल में होना चाहिए। आदमी स्मार्ट मोबाइल से नहीं, मुस्कुराहट से बनता है। हँसना पुण्य है और हँसाना परमपुण्य है। जब आप हँसते हैं तो आप ईश्वर की आराधना करते हैं। जब आप किसी रोते हुए को हँसाते हो तो ईश्वर आपकी आराधना करता है। दुनिया के सामने रोने की आवश्यकता नहीं है। जब पाँच सेकंड मुस्कुराने से फोटो अच्छी आ सकती है तो जिंदगी भर मुस्कुराने से जिंदगी क्यों नहीं अच्छी हो सकती।

राजनीतिक लोग पार्टियाँ बदल लेते हैं, बैनर बदल लेते हैं, भाषण बदल जाता है, टोपी बदल जाती है, लेकिन टोपी के नीचे जो खोपड़ी है वही नहीं बदलती। मैं कहता हूँ टोपी को नहीं, खोपड़ी बदलो। आप अपने से बेखबर हैं, कानों के साथ आँखों का उपयोग किया करो। किसी ने कहा है वो दिल के बहुत अच्छे हैं, लेकिन कानों के कच्चे हैं। आदमी सुनी-सुनाई बातों पर यकीन कर लेता है और बरसों की दोस्ती दुश्मनी में बदल जाती है। एसटीडी कॉल करने से पहले शून्य लगाना जरूरी है। उसी तरह गुरु के पास भी जाने से पहले मन का शून्य होना जरूरी है। मन खाली होगा तभी तो कुछ भर पाओगे। शक का कीड़ा एक बार दिमाग में घुस जाए तो उसका कोई इलाज नहीं होता।

# एक बातचीत किसी की जिंदगी बचा सकती है

कांतिलाल मांडोत

युवाओं की खामोशी को समझना होगा तनाव और अवसाद के बीच साथ का हाथ सबसे बड़ी मदद

आज का युवा सपनों, महत्वाकांक्षाओं और नई संभावनाओं से भरी दुनिया में आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन इसी दौड़ में उसके सामने मानसिक दबाव भी तेजी से बढ़ रहा है। पढ़ाई में अच्छे अंक लाने की चिंता, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर को लेकर असमंजस, नौकरी की अनिश्चितता, परिवार की अपेक्षाएं, मित्रों और रिश्तों से जुड़ी परेशानियां तथा सामाजिक तुलना कई बार मन पर ऐसा बोझ डाल देती हैं, जिसे युवा अकेले संभाल नहीं पाता। बाहर से सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भीतर ही भीतर किसी बड़े संघर्ष से गुजर रहा हो सकता है। इसलिए मानसिक परेशानी को कमजोरी समझने के बजाय उसे समय रहते पहचानना और संवेदनशीलता के साथ सुनना आज की बड़ी जरूरत है।

किसी व्यक्ति के जीवन में संकट अचानक दिखाई दे सकता है, लेकिन उसके पीछे चल रहा मानसिक संघर्ष अक्सर लंबे समय से जमा होता रहता है। परेशानी तब और बढ़ जाती है जब व्यक्ति अपनी बात किसी से कह नहीं पाता। उसे लगता है कि परिवार उसकी स्थिति नहीं समझेगा, मित्र उसका मजाक बनाएंगे या समाज उसे कमजोर मान लेगा। यही सोच उसे धीरे-धीरे लोगों से दूर कर सकती है। इसलिए परिवार और समाज की जिम्मेदारी केवल यह पूछने तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि पढ़ाई कैसी चल रही है या नौकरी की तैयारी कितनी हुई। यह भी पूछना जरूरी है कि मन कैसा है, क्या कोई परेशानी है और क्या वह किसी बात को लेकर लगातार तनाव में है।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुभव बताते हैं कि आत्महत्या जैसी गंभीर स्थिति के पीछे सामान्यतः कोई एक कारण नहीं होता। कई बार छोटी-छोटी परेशानियां एक साथ मिलकर मानसिक दबाव को बढ़ा देती हैं। परीक्षा में असफलता किसी विद्यार्थी के लिए बहुत बड़ी घटना हो सकती है, वहीं किसी दूसरे युवा के लिए रिश्ते में आई परेशानी, आर्थिक संकट या भविष्य को लेकर अनिश्चितता अधिक भारी पड़ सकती है। बुलिंग, रैगिंग, पारिवारिक विवाद, अकेलापन और लगातार दूसरों से अपनी तुलना करना भी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। जब इन परिस्थितियों के बीच व्यक्ति को भावनात्मक सहारा नहीं मिलता तो उसकी परेशानी गंभीर रूप ले सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानसिक परेशानी हमेशा शब्दों में सामने नहीं आती। कई युवा सीधे यह नहीं कहते कि वे तनाव में हैं या उन्हें मदद चाहिए। उनके व्यवहार में बदलाव दिखाई दे सकता है। जो व्यक्ति पहले परिवार और दोस्तों से खुलकर बात करता था, वह अचानक चुप रहने लगे, सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने लगे या अपनी पसंदीदा चीजों में रुचि खो दे तो इसे सामान्य बदलाव मानकर छोड़ देना ठीक नहीं है। नींद और भोजन की आदतों में बदलाव, लगातार चिड़चिड़ापन, निराशा, पढ़ाई या काम में ध्यान न लगना और स्वयं को दूसरों के लिए परेशानी मानने जैसी बातें भी संकेत हो सकती हैं कि व्यक्ति को भावनात्मक सहयोग की जरूरत है।

ऐसे समय में सबसे पहला कदम सलाह देना नहीं, बल्कि सुनना होना चाहिए। कई बार हम किसी परेशान व्यक्ति की बात पूरी होने से पहले ही उसे समझाने लगते हैं। उसे कहा जाता है कि यह तो छोटी बात है, सब ठीक हो जाएगा या दूसरे लोगों की स्थिति तुमसे भी खराब है। इस तरह की बातें समस्या को कम नहीं करतीं, बल्कि व्यक्ति को यह महसूस करा सकती हैं कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इसके बजाय शांत होकर उसकी बात सुनना, उसके अनुभव को समझने का प्रयास करना और यह भरोसा दिलाना कि वह अकेला नहीं है, बहुत बड़ा सहारा बन सकता है।

युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परिवार की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। माता-पिता को केवल परिणाम और उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय बच्चों की भावनात्मक स्थिति को भी समझना होगा। हर परीक्षा जीवन का अंतिम फैसला नहीं है और हर असफलता भविष्य का अंत नहीं होती। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि वे अपनी परेशानी खुलकर बता सकते हैं और किसी गलती या असफलता के कारण उनका महत्व कम नहीं होता। परिवार में ऐसा वातावरण बने जहां संवाद के लिए डर नहीं, विश्वास हो।

# संस्कृति, संवाद और आत्मगौरव का उत्सव है हिन्दी दिवस

योगेश कुमार गोयल

हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस उस गौरव की स्मृति के रूप में मनाया जाता है, जब हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया था। यह दिवस हिन्दी की समृद्धि, स्वीकार्यता, रचनात्मकता और वैश्विक विस्तार का उत्सव है। निरंतर बढ़ती हिन्दी शक्ति आज न केवल भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देती है बल्कि विश्व मंच पर भी अपनी प्रगाढ़ छाप छोड़ रही है। आज दुनियाभर में हिन्दी चाहने वालों, बोलने या पढ़ने-समझने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हिन्दी को लेकर भारतीय और विदेशी विद्वानों, साहित्यकारों तथा विभूतियों का आदर भाव वर्षों से रहा है।

डा. फादर कामिल बुल्के, जिन्होंने हिन्दुस्तानी संस्कृति को आत्मसात किया, हिन्दी को गृहिणी की संज्ञा देते हुए कहा था कि यह भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा है। संस्कृत को तो वे मां मानते थे और अंग्रेजी को नौकरानी। इसी तरह आयरिश प्रशासक जॉन ग्रियर्सन ने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे सुंदर और शिरोमणि बताया। ऐसे तमाम उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं कि हिन्दी, शब्द और विचार के धरातल पर विभिन्न भाषाओं से जितनी आत्मीयता रखती है, उतनी ही भारत के जनमानस से जुड़ी है लेकिन दुखद है कि आज भी पुनरुत्थानवादी मानसिकता वाले कुछ लोग हिन्दी की व्यापकता, समृद्धि और ताकत को नजरअंदाज करते हैं और संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को स्थान नहीं मिलने की बात पर कुतर्क करके उसके वैश्विक पक्ष को कमतर आंकते हैं। हालांकि ऐसी नकारात्मक चचाओं से न हिन्दी का कुछ भला हो सकता है, न ही उसका अस्तित्व डिग सकता है। तथ्य यही है कि आज विश्वभर में हिन्दी बोलने वालों का आंकड़ा करोड़ों में है और यह निरंतर बढ़ रहा है।

हिन्दी की ताकत को जानना हो तो उसके सांस्कृतिक, भावनात्मक और रचनात्मक विस्तार को देखना होगा। मातृभाषा का ज्ञान किसी भी व्यक्ति के मन की पीड़ा का सबसे अच्छा समाधान है। महापुरुषों, विद्वानों और नेताओं ने समय-समय पर हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी अपनी भूमिका निभाने में समर्थ है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान संवाद व जनसंपर्क का सबसे शक्तिशाली माध्यम माना। उनके शब्द थे कि सम्पूर्ण भारत की पारस्परिकता के लिए ऐसी भाषा चाहिए, जो जनता का बड़ा भाग जानता-समझता हो। गांधीजी कहते थे, ह्यदिल की कोई भाषा नहीं है, दिल से दिल संवाद करता है और राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा हैह्ण ये कथन आज भी वैसी ही सार्थकता के साथ जीवंत हैं। अमेरिकी चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग तो यह मानते थे कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र की शिक्षा एवं प्रशासन की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी और राहुल सांस्कृत्यायन ने हिन्दी को देश और भाषा की विरासत, सांस्कृतिक धरातल और अधिष्ठान के रूप में देखा। बालकृष्ण शर्मा नवीन ने तो यहां तक कहा कि राष्ट्रीय एकता का बंधन केवल हिन्दी ही जोड़ सकती है।

हिन्दी की ऊर्जा और आत्मबल का उदाहरण महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम का एक प्रसंग भी है। सन 1917 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजी में भाषण दिया था। गांधीजी ने तिलक को स्पष्ट समझाया कि देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में संवाद ही सही अर्थों में दिलों तक पहुंच सकता है। यह भावप्रवण संवाद भारत के हर नागरिक के गौरव का स्रोत है। महात्मा गांधी ने विविध अवसरों पर हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा कहा था। आज हिन्दी का विस्तार भारत तक सीमित नहीं रहा। कई देशों में हिन्दी लोगों के दिलों में बसती है, जहां की स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी भी संगठित रूप से बोली जाती है। दुनियाभर में सैंकड़ों विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं, शोध केंद्रों और अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी पढ़ाई जाती है, शोध होती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा बन चुकी है। विश्वभर में लगभग 75 करोड़ लोग हिन्दी बोलते समझते हैं और एथ्नोलॉग जैसी अंतर्राष्ट्रीय भाषायी संस्थाओं की रिपोर्ट के मुताबिक, यह विश्वभर में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रही है।

हिन्दी का वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव भी आश्चर्यचकित करता है। भारतीय फिल्म उद्योग, जिसे दुनियाभर में ह्यबॉलीवुडह्ण के नाम से जाना जाता है, हर साल करीब 1500 फिल्में हिन्दी में बनाता है। ये फिल्में भारत में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में देखी जाती हैं। हिन्दी फिल्मों, गीतों, साहित्य और कला का प्रभाव विदेशी मंचों, सांस्कृतिक समारोहों, मीडिया एवं एफएम चैनलों तक फैला हुआ है। यूएई में हिन्दी एफएम चौनल स्थानीय लोगों की खास पसंद बन चुके हैं। हिन्दी फिल्म अभिनेता, निमार्ता व कलाकार विदेशों में शो आयोजित करते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और हिन्दी भाषा का विस्तार होता है। जहां-जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी विशेष सम्मान के साथ जीवंत है। यह यथार्थ हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, तकनीकी और प्रशासन के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है। फेसबुक, गूगल, यूट्यूब जैसी कंपनियों ने हिन्दी को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। भारत में 80 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ता हिन्दी में सामग्री अपनाते हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है और इसका प्रसार इतनी गति से हो रहा है कि कुछ ही वर्षों में हिन्दी इंटरनेट की प्रमुख भाषा बन सकती है। हिन्दी की संवैधानिक सुरक्षा भारत में संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 के तहत निश्चित है। यह धाराएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार, स्वीकार्यता और संरक्षण का मजबूत

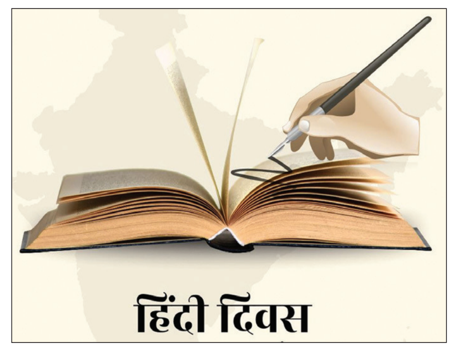


आधार हैं। यह न केवल भारत की आधिकारिक भाषा है बल्कि सम्पर्क भाषा, प्रशासन और विधि के क्षेत्र में इसका प्रयोग निर्णायक रूप से हो रहा है। भारत के शैक्षिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सांस्कृतिक आयोजनों में हिन्दी को सम्मानपूर्वक अपनाया गया है। विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना, हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की मान्यता दिलवाने की पहल और डिजिटल क्षेत्र में हिन्दी सशक्तीकरण, ये सभी कदम हिन्दी के वैश्विक मंच पर सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए हैं।

कुल मिलाकर, हिन्दी दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, यह हमारी संस्कृति, भाषायी आत्मसम्मान और राष्ट्रीय एकता का दिन है। इस दिन हर भारतीय को यह संकल्प लेना चाहिए कि हिन्दी को रचनात्मक, सुंदर और समृद्ध बनाए रखने में अपना योगदान दे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का सपना केवल राजभाषा का प्रतिष्ठापन नहीं था बल्कि भारत की आत्मा, उसकी विविधता और सांस्कृतिक गौरव की अभिव्यक्ति थी, जिसे हिन्दी ने बखूबी आकार दिया है। हिन्दी भाषा की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रतिष्ठा आज न केवल भारत की बल्कि विश्व संस्कृति की सबसे मजबूत और सुंदर कड़ी बन चुकी है। इसलिए, हिन्दी दिवस के अवसर पर यही प्रेरणा लें कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी का उत्कर्ष हो, इसकी भाषायी, सांस्कृतिक, साहित्यिक और तकनीकी शक्ति निरंतर बढ़ती रहे और आगामी पीढ़ियां हिन्दी को न केवल संवाद का बल्कि वैश्विक अभिव्यक्ति का सबसे प्रभावशाली माध्यम बनाएं।

संक्षिप्त समाचार

## भूकंप से फिर हिल उठी तिब्बत की धरती, रिक्टर स्केल पर कितनी रही तीव्रता?

**ल्हासा , एजेंसी।** भारत के पड़ोस में तिब्बत की धरती शुक्रवार को भूकंप से हिल उठी है। बीते कुछ दिनों से इस क्षेत्र में बार-बार भूकंप की घटना देखने को मिल रही है। आइए जानते हैं कि रिक्टर स्केल पर कितनी रही इस भूकंप की तीव्रता। भारत समेत दुनियाभर के अनेक देशों में लगातार हो रही भूकंप की घटनाओं ने लोगों के मन में डर बैठा दिया है। भूकंप के कारण बीते कुछ समय में हजारों लोगों की मौत भी हुई है। अब भारत के पड़ोस में स्थित तिब्बत में भी शुक्रवार को सुबह-सुबह भूकंप के कारण धरती हिल उठी है। सामने आई जानकारी के अनुसार, तिब्बत में आए इस भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने शुक्रवार को तिब्बत में आए भूकंप के बारे में जानकारी दी है। संस्थान के अनुसार, शुक्रवार को सुबह 4 बजकर 2 मिनट पर तिब्बत में भूकंप आया है। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई है। इस भूकंप का केंद्र धरती से 30 किलोमीटर की गहराई में था। आपको बता दें कि इससे पहले 8 सितंबर को भी तिब्बत में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था। इस भूकंप के झटके नेपाल में भी महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया है कि शुक्रवार को सुबर 6 बजकर 56 मिनट पर पश्चिम बंगाल में भी भूकंप के झटके लगे हैं। जानकारी के अनुसार, ये भूकंप राज्य के अलीद्वारपुर में आया है। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3 मापी गई है। भूकंप का केंद्र धरती से 9 किमी की गहराई में था। इसके अलावा शुक्रवार को अफगानिस्तान में भूकंप के झटके लगे हैं। ये भूकंप 3.5 की तीव्रता का था और इसका केंद्र धरती से 163 किलोमीटर भीतर था। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भूकंप आने का कारण मुख्य तौर पर धरती के भीतर मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों का आपस में टकराना, रगड़ना या खिसकना होता है। इसके कारण जमीन के अंदर जमा ऊर्जा अचानक से बाहर की ओर निकलती है। इसके कारण धरती पर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। कई बार भूकंप हल्की तीव्रता के होते हैं। हालांकि, कई बार भूकंप की तीव्रता इतनी ज्यादा होती है कि वह एक बड़े इलाके को पूरी तरह तबाह कर देती है और हजारों लोगों की मौत का कारण बनती है।

## क्रोएशिया के स्कूल में छात्र ने दो को मारा चाकू;

**जाग्रेब, एजेंसी।** क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब के एक हाईस्कूल में शुक्रवार को एक छात्र ने दूसरे छात्र और स्कूल के एक कर्मचारी पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, हमले में किसी धारदार वस्तु का इस्तेमाल किया गया। घायल छात्र को कई चोटों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी सर्जरी हुई। डॉक्टरों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। स्कूल कर्मचारी के चेहरे पर चोट लगी है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों छात्रों के बीच एक दिन पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

## अल्जीरिया ने यूएई से तोड़े राजनयिक संबंध

**अल्जीरिया, एजेंसी।** अल्जीरिया ने गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात से राजनयिक संबंध तोड़ दिए। अल्जीरियाई विदेश मंत्रालय ने कथित 'उकसाने वाली और शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों' तथा 'अनुचित व्यवहार' का हवाला दिया। संयुक्त अरब अमीरात ने इस फैसले को अस्थायी होने की उम्मीद जताई है।

## मोहम्मद बिन सलमान चाहते थे अमेरिका करे हूतियों पर हमला, दो बार लगाया फोन पर नहीं मानें ट्रंप

**वाशिंगटन, एजेंसी।** इस साल 28 फरवरी को शुरू हुए पश्चिम एशिया में संघर्ष थमने का नाम नही ले रहा है। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच जारी युद्ध के अलावा अब सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच भी तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका से हूतियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की अपील की है। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, मामले को लेकर सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दो बार फोन पर बात की। उन्होंने ट्रंप से हूतियों के खिलाफ हमला करने का आग्रह किया। हूतियों ने लाल सागर के एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को रोक रखा है।

# अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया की ड्रिल से भड़का उत्तर कोरिया! किम जोंग ने समुद्र में दाग दीं कई मिसाइलें

**सियोल, एजेंसी।** अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की 5 दिवसीय सैन्य ड्रिल खत्म होते ही उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर कई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दाग दीं। दक्षिण कोरिया और उसके पड़ोसी देशों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने खिलाफ उकसावे की कार्रवाई मानता है। यह करीब 3 हफ्ते बाद उत्तर कोरिया का पहला बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च है। इससे पहले भी उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों का विरोध करते हुए मिसाइल परीक्षण कर चुका है।

**वॉनसान इलाके से दागी गईं मिसाइलें :** दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक, उसने उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके वॉनसान से कई मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया। मिसाइलों ने करीब 250 किलोमीटर की दूरी तय की और उत्तर कोरिया के पूर्वी समुद्री इलाके की ओर गईं। दक्षिण कोरियाई सेना ने अपनी निगरानी व्यवस्था बढ़ा दी है। साथ ही मिसाइल लॉन्च को लेकर अमेरिका और जापान के साथ लगातार जानकारी साझा की जा रही है। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया से बैलिस्टिक मिसाइलों की फायरिंग रोकने की अपील की है।

**सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया मानता है उकसावा :** अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने शुक्रवार को अपना 5 दिवसीय 'फ्रीडम एज' सैन्य अभ्यास तय कार्यक्रम के मुताबिक खत्म किया। अमेरिकी पैसिफिक कमांड के मुताबिक, तीनों देशों की सेनाओं ने हवा, समुद्र और साइबर क्षेत्र में एक साथ अभ्यास किया। इसका मकसद आपसी तालमेल और संयुक्त सैन्य क्षमता को मजबूत करना था। अभ्यास में समुद्री युद्धाभ्यास, हवा में ईंधन भरने की ट्रेनिंग, साइबर समन्वय और मेडिकल ड्रिल जैसी गतिविधियां शामिल थीं। उत्तर कोरिया इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरा और संभावित हमले की तैयारी के तौर पर देखता है।

**अमेरिका बोला, 'तत्काल कोई खतरा नहीं' :** अमेरिकी पैसिफिक कमांड ने कहा कि उत्तर कोरिया की मिसाइल लॉन्चिंग से अमेरिकी क्षेत्र या उसके सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। कमांड ने कहा कि अमेरिका अपने देश और क्षेत्र में अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दक्षिण कोरियाई सेना ने पहले ही कहा था कि यह अभ्यास रक्षात्मक है और इसका मकसद उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे की स्थिति में तीनों देशों की संयुक्त प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाना है, लेकिन उत्तर कोरिया ये बात नहीं मानता।

**उत्तर कोरिया ने पहले ही दी थी धमकी :** सोमवार को तीन देशों का सैन्य अभ्यास शुरू होने के कुछ घंटे बाद उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री किम सोंग गी ने इसकी आलोचना की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि उत्तर कोरिया अपनी ताकत के आधार पर 'मजबूत और निर्णायक जवाबी कदम' उठाएगा। इसके बाद अब मिसाइल लॉन्च को उसी चेतावनी के जवाब में उठाए गए कदम के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पहले उत्तर कोरिया की सेना ने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के एक अन्य सैन्य अभ्यास के बाद करीब 10 कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र की ओर दागी थीं।

**परमाणु ताकत बढ़ाने पर किम का जोर :** उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने हाल ही में देश के दूसरे नौसैनिक विध्वंसक जहाज को सेवा में शामिल करने के कार्यक्रम में अधिक भरोसेमंद परमाणु प्रतिरोधक क्षमता बनाने की जरूरत बताई थी। उसके दोनों विध्वंसक जहाज परमाणु क्षमता वाली मिसाइलें ले जाने में सक्षम हैं। दूसरे विध्वंसक जहाज को पिछले साल लॉन्च करने की कोशिश के दौरान नुकसान पहुंचा था। मरम्मत के बाद उसे दोबारा लॉन्च किया गया। किम जोंग उन का पूरा फोकस अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को बढ़ाने पर है।

**ट्रंप के कदम के बाद भी नहीं माने किम :** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने पेंटागन को दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले वार्षिक 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' सैन्य अभ्यास को काफी कम करने का आदेश दिया था। ट्रंप ने इसके पीछे किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का हवाला दिया था। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने देश पर संभावित हमले की रिहर्सल मानता है। लेकिन किम जोंग उन की बहन और उत्तर कोरिया की वरिष्ठ अधिकारी किम यो जोंग ने ट्रंप के इस फैसले को भी खारिज कर दिया था।

**रूस और चीन से बढ़ती नजदीकी भी अहम :** विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया अब अपने बढ़ते परमाणु कार्यक्रम और रूस तथा चीन के साथ मजबूत होते संबंधों के कारण पहले से ज्यादा आत्मविश्वास में है। जानकारों के मुताबिक, किम जोंग उन संभावित अमेरिका-उत्तर कोरिया बातचीत में अमेरिका से ज्यादा रियायतें हासिल करना चाहते हैं। किम जोंग उन ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि अगर अमेरिका उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी 'शत्रुतापूर्ण नीति' छोड़ देता है और उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति के रूप में उसकी स्थिति का सम्मान करता है।

# हूती विद्रोहियों ने बाब अल मंदब जल डमरू मध्य में मायून द्वीप पर कब्जा किया

**अदन, एजेंसी।** यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को बाब अल मंदब जलडमरूमध्य में रणनीतिक रूप से अहम मायून द्वीप पर कब्जा कर लिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी को सरकारी अधिकारी ने बताया कि सैनिकों के पीछे हटने के बाद हूती विद्रोहियों ने कार्रवाई की। नाम नहीं बताने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि हूती विद्रोही शुक्रवार तड़के कई नावों से द्वीप पर पहुंचे और बिना किसी सैन्य प्रतिरोध के उस पर कब्जा कर लिया। हूतियों ने पास के तट पर बख्तरबंद गाड़ियां और अन्य सैन्य उपकरण भी तैनात किए। अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को लाल सागर के बंदरगाह शहर मोचा पर हूती विद्रोहियों के कब्जे के बाद सरकारी सैनिकों के दक्षिण की ओर पीछे हटने पर हूती विद्रोही जलडमरूमध्य के पास धुबाब जिले में भी आगे बढ़ गई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मायून (जिसे पेरिम भी कहा जाता है) बाब अल मंदब के भीतर स्थित है और संकरे जलमार्ग को दो शिपिंग चैनलों में विभाजित करता है। यमन के पश्चिमी तट पर हूती विद्रोहियों की हालिया बढ़त के बाद इस पर कब्जा करने से समूह को लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग पर नजर रखने वाली प्रमुख जगहों पर नियंत्रण मिल गया है। हूती विद्रोहियों ने भीषण लड़ाई के बाद मोचा पर कब्जा किया और इसके रणनीतिक बंदरगाह, हवाई अड्डे और प्रमुख सरकारी सुविधाओं पर नियंत्रण कर लिया। पिछले सप्ताह एक बड़ा

हमला शुरू करने के बाद से उन्होंने यमन के पश्चिमी तट पर तेजी से इलाकों पर कब्जा किया है। यमन और हॉर्न ऑफ अफ्रीका के बीच स्थित बाब अल मंदब अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा शिपमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण गलियारा है, जो लाल सागर और स्वेज नहर को अदन की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रंडबर्ग ने गुरुवार को चेतावनी दी कि यमन में फिर से शुरू हुई लड़ाई से देश के एक बड़े और अनसुलझे क्षेत्रीय टकराव में घिरने का खतरा है, जिसके वैश्विक परिणाम हो सकते हैं। पिछले 24 घंटों में, यमन में कई मोर्चों पर लड़ाई तेज हो गई है, खासकर रणनीतिक पश्चिमी तट पर। ग्रंडबर्ग ने सुरक्षा परिषद को एक ब्रीफिंग में बताया कि हूती विद्रोहियों ने मोखा सहित कई जगहों पर बड़ा हमला किया। मोखा बंदरगाह शहर बाब अल मंदब से लगभग 75 किमी दूर स्थित है। बाब अल मंदब वह महत्वपूर्ण बिंदु है जो लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है उन्होंने कहा, 'उन्होंने मोखा पर नियंत्रण कर लिया है, जिससे दुनिया के सबसे अहम जलडमरूमध्य में से एक के रास्तों पर उनकी सीधी मौजूदगी हो गई है।

# यूक्रेन पर रूस के हमले जारी, शॉपिंग मॉल के पास ड्रोन से किया हमला, पांच की मौत

**कीव , एजेंसी।** यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले कर कम से कम पांच लोगों की जान ले ली और 67 लोग घायल हो गए। यूक्रेनी मंत्री ने कहा कि शॉपिंग मॉल के पास दिनदहाड़े नागरिकों को निशाना बनाया गया, जो नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले करके पांच लोगों की जान ले ली। हमलों में 67 लोग घायल हुए हैं। दिनदहाड़े ड्रोन हमलों में शॉपिंग मॉल के पास मौजूद आम नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसे नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक फैलाने वाला हमला बताया गया है।'' सिबिहा ने कहा कि रूस लगातार उन जगहों पर हमले कर रहा है, जहां उसे पता है कि लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के कामों में व्यस्त होंगे। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाना, डर फैलाना और यूक्रेनी समाज पर दबाव बनाना है। उन्होंने बताया कि पूरे यूक्रेन में हवाई हमलों की चेतावनियां लगातार जारी हैं। रूस लगातार बड़ी संख्या में ड्रोन लॉन्च कर रहा है और कुछ मामलों में तो सीधे उत्पादन केंद्रों से ही उन्हें भेजा जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मॉस्को ऐसा इसलिए कर पा रहा है क्योंकि उसके पास अभी भी मिसाइलें, ड्रोन, उनके पुर्जे, पर्याप्त धन और बिना किसी डर के कार्रवाई करने की क्षमता मौजूद है। सिबिहा ने इस रणनीति को दबाव बनाने की नीति बताया। रूस का मानना है कि नागरिक क्षेत्रों पर लगातार हमले करके यूक्रेन के लोगों को थकाया जा सकता है और यूक्रेन को समझौते करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। सिबिहा ने कहा कि यूक्रेन को तुरंत अतिरिक्त एयर डिफेंस सिस्टम और उन्हें चलाने के लिए जरूरी इंटरसेप्टर मिसाइलों की जरूरत है। साथ ही रूस के हथियार निर्माण उद्योग और उसे चलाने वाली आपूर्ति श्रृंखलाओं (सप्लाई चेन) पर और सख्त प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए।

# बघाई ने पीट हेगसेथ के बयान पर बोला हमला, कहा- 9/11 की आड़ में ईरान के खिलाफ जंग को सही ठहरा रहा अमेरिका

**वाशिंगटन , एजेंसी।** ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने वाशिंगटन के रुख पर कड़ा एतराज जताते हुए अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार 9/11 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमलों की 25वीं बरसी का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ एक 'लापरवाह और गैर-कानूनी युद्ध' को सही ठहराने के लिए कर रही है। बघाई ने अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के उस बयान की कड़ी निंदा की, जो उन्होंने 9/11 के एक स्मृति समारोह के दौरान दिया था। ईरानी प्रवक्ता ने अमेरिकी विदेश नीति के बुनियादी अंतर्विरोधों पर सवाल उठाते हुए आतंकवाद की परिभाषा तय करने के वाशिंगटन के 'अकेले अधिकार' को खारिज कर दिया।

**इस्माइल बघाई ने क्या कहा:** बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि 9/11 हमले के जिम्मेदार लोग ईरानी नहीं थे। उन्होंने अमेरिका की आतंकवाद के खिलाफ नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका खुद दूसरे देशों में सैन्य कार्रवाई करता है, अधिकारियों की हत्या करता है और आम नागरिकों को निशाना बनाता है, फिर भी आतंकवाद की परिभाषा तय करने का अधिकार अपने पास रखता है। ऐतिहासिक दावों का खंडन करते हुए बघाई ने स्पष्ट किया कि 2001 के हमलों में ईरान की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि 9/11 के हमलावर ईरानी नहीं थे, बल्कि ये वही लोग थे जिन्हें पिछले दशकों में खुद अमेरिका ने हथियार दिए, संगठित किया और तैयार किया था।

बघाई ने कहा कि 9/11 के बाद अमेरिका के तथाकथित 'आतंक के खिलाफ युद्ध' ने इराक और अफगानिस्तान में केवल दशकों का कब्जा, विनाश और निर्दोष नागरिकों की मौतें दीं। उन्होंने हेगसेथ के इस रुख को पूरी तरह बेतुका बताते हुए कहा कि किसी संप्रभु देश के अधिकारियों की हत्या करने और महिलाओं व बच्चों सहित आम नागरिकों को निशाना बनाने वाले आपराधिक युद्ध को आतंकवाद-निरोध के नाम पर नैतिक रूप से सही नहीं ठहराया जा सकता। बघाई ने अमेरिकी नीति का मजाक उड़ाने के लिए फिल्म 'डेस्पिकेबल मी' का लोकप्रिय 'ग्रूज प्लान' मीम भी साझा किया। दूसरी तरफ, अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने अपने आक्रामक भाषण में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को अमेरिका के आतंकवाद-विरोधी अभियान से जोड़ा था। हेगसेथ ने दावा किया कि पिछले छह महीनों में अमेरिकी सैनिकों ने आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजक को तहस-नहस कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरानी नेताओं को मार गिराया है, उनकी वायुसेना को तबाह किया है और उनकी नौसेना व तेल टैंकरों को समुद्र में डुबो दिया है। हेगसेथ ने जोर देकर कहा कि अमेरिका जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखता है, आर्थिक दबाव बढ़ा रहा है और ईरान को कभी परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा। उन्होंने बाइबिल के वचनों और फ्लाइट 93 के यात्री टॉड बीमर के प्रसिद्ध शब्दों 'लेट्स रोल' का हवाला देते हुए इस लड़ाई को खत्म करने का संकल्प जताया।

# अमेरिका: अलास्का के ठंडे समुद्र में पलटी नाव पर दो दिन चिपका रहा 15 साल का किशोर; कैसे बची जान? भाई की मौत

**अलास्का, एजेंसी।** अलास्का के ठंडे बेरिंग सागर में 15 साल का एक लड़का करीब दो दिन तक पलटी हुई छोटी नाव के ऊपर चिपका रहा। बाद में मछली पकड़ने वाली एक नाव ने उसे बचा लिया। उसके साथ मछली पकड़ने गए बड़े भाई और एक रिश्तेदार की जान नहीं बच सकी।

किशोर ने बचाव दल के एक सदस्य को बताया कि वह और उसका रिश्तेदार कुछ समय तक पलटी नाव को पकड़े रहे। इसके बाद उसका रिश्तेदार पानी में फिसलकर गिर गया। बाद में किशोर के भाई और रिश्तेदार दोनों के शव बरामद कर लिए गए।

उसे रूस के ज्यादा करीब स्थित सेंट लॉरेंस द्वीप के पास समुद्र से बचाया गया। यह अलास्का का एक दूरदराज द्वीप है। यह अमेरिका की मुख्य भूमि के मुकाबले रूस के ज्यादा करीब है। मछली पकड़ने वाली नाव द नॉर्थवेस्ट एक्सप्लोरर के कप्तान एडम व्हाइट ने बताया कि किशोर अंधेरे में भी नाव से चिपका रहा। समुद्र के पानी का तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस था। कप्तान ने उसकी हिम्मत की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत मजबूत बच्चा है। उन्होंने बताया कि किशोर के दांत ठंड से कांप रहे थे। उसने बताया कि उसका भाई अभी भी नाव के नीचे है। उसने यह भी बताया कि बचाव से पिछली रात उसका रिश्तेदार पानी में गिर गया था। अमेरिकी तटरक्षक बल ने सोमवार सुबह तलाश शुरू की। परिवार के लोगों ने रविवार रात तीनों के लापता होने की सूचना दी थी। तीनों शुक्रवार को सेंट लॉरेंस द्वीप के सावूंगा गांव से निकले थे। उन्हें रविवार सुबह वापस लौटना था। सावूंगा गांव में हैलिबट मछली पकड़ना जीवन और संस्कृति का अहम हिस्सा है। गांव में करीब 800 लोग रहते हैं। यहां रोजगार के मौके भी कम हैं। किशोर की मौसी कोलन वॉकर ने बताया कि लोग अक्सर पकड़ी गई मछलियां परिवार और पड़ोसियों के साथ बांटते हैं।

# नेपाल भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा: जलवायु परिवर्तन से क्षति के मुआवजे का उठता सवाल

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल की धरती पर हाल ही में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है. जब एक हिमालयी देश अपनी उजड़ी हुई बस्तियों, टूटे हुए पुलों और तबाह हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने मुआवजे की मांग रखता है, तो यह केवल एक देश की पुकार नहीं रह जाती, बल्कि यह ग्लोबल साउथ की उस लंबी फेहरिस्त की आवाज बन जाती है जो बिना किसी गलती के ग्लोबल वार्मिंग की सबसे भारी कीमत चुका रहा है. नेपाल जैसे देशों ने कभी बड़े पैमाने पर कार्बन का उत्सर्जन नहीं किया, उनके यहां उद्योग-धंधे वह प्रदूषण नहीं फैलाते जो पश्चिमी या विकसित देशों में दशकों से चले आ रहे हैं, फिर भी प्रकृति के इस कहर का सबसे बड़ा दंश उन्हें ही झेलना पड़ रहा है. नेपाल की यह मुखर मांग अब पूरी दुनिया के सामने यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर इस तबाही का जिम्मेदार कौन है और क्या पीड़ित देशों को उनके नुकसान का हक मिलना चाहिए या नहीं. जलवायु परिवर्तन का संकट अब भविष्य की कोई काल्पनिक चेतावनी नहीं, बल्कि हमारे वर्तमान का एक खौफनाक सच बन चुका है. वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि पृथ्वी का औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से लगातार ऊपर जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप महासागर गर्म हो रहे हैं, मौसम का चक्र पूरी तरह बिगड़ चुका है और अति-वृष्टि, सूखा, चक्रवात तथा बादलों के फटने की घटनाएं आम हो गई हैं. दुनिया भर में जलवायु आपदाओं के कारण हर साल सैकड़ों अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हो रहा है. और विकासशील देशों में यह नुकसान उनकी कुल राष्ट्रीय आय का एक बड़ा हिस्सा निगल जाता है. विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि यदि तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दशकों में करोड़ों लोगों को अपने घर-बार छोड़कर जलवायु शरणार्थी बनने पर मजबूर होना पड़ेगा. यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसमें उजड़ते हुए खेत, टूटते हुए मकान और उन अनगिनत इंसानों के आंसू हैं जिन्होंने अपनी मेहनत से अपनी दुनिया बनाई थी और एक झटके में सबकुछ खो दिया. इस पूरे संकट के केंद्र में एक बहुत बड़ा पाखंड छिपा हुआ है, जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. ऐतिहासिक रूप से जिन विकसित देशों ने अपने कारखानों और आधुनिक जीवनशैली से इस धरती के पर्यावरण को सबसे ज्यादा प्रदूषित किया, वे आज जब विकासशील देशों को मदद देने की बात आती है, तो अपने हाथ पीछे खींच लेते हैं. वे इसे दान या सहायता का नाम देते हैं, जबकि पर्यावरण और अर्थशास्त्र के जानकारों के अनुसार यह किसी भी सूरत में दान नहीं, बल्कि ऐतिहासिक कर्ज और मुआवजे की अदायगी है. जिन देशों ने सदियों तक पर्यावरण की कीमत पर अपनी तिजोरियां भरी हैं, उनकी नैतिक और विधिक जिम्मेदारी बनती है कि वे उन देशों को आर्थिक संबल दें जो उनके किए गए प्रदूषण की भारी कीमत चुका रहे हैं. एशिया और अफ्रीका के कई ऐसे देश हैं जो लगातार सूखे, चक्रवातों और बाढ़ की चपेट में आ रहे हैं, उनकी कृषि व्यवस्था बर्बाद हो रही है।

# अमेरिकी मीडिया की नजर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बदलता समीकरण

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के प्रमुख अखबारों ने नई दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को बदलते वैश्विक हालात की झलक के तौर पर देखा है। ये हालात तनावपूर्ण गठबंधनों, क्षेत्रीय युद्धों और वॉशिंगटन व बीजिंग के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा से तय हो रहे हैं। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक खबर में कहा कि इस शिखर सम्मेलन में सबसे अहम सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में से कौन विकासशील दुनिया की अधिक प्रभावशाली आवाज बनकर उभरेगा। चीन ब्रिक्स को अमेरिकी ताकत को चुनौती देने के एक प्लेटफॉर्म के तौर पर देखता है। वहीं, भारत चाहता है कि यह ग्रुप इतना बड़ा और खुला रहे कि देशों को अलग-अलग गुटों में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े। अखबार ने कहा कि युद्ध, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी टैरिफ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंताएं देशों को वॉशिंगटन और बीजिंग के साथ अपने रिश्तों पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं। वॉशिंगटन में स्टिमसन सेंटर के चीन प्रोग्राम की डायरेक्टर युन सन ने 'टाइम्स' को बताया, 'भारत को लेकर चीन की मुख्य चिंता हमेशा से भारत का अमेरिका के साथ झुकाव रही है। इसलिए बीजिंग निश्चित रूप से दिल्ली के साथ अपने रिश्तों को बेहतर बनाने का मौका नहीं गंवाना चाहेगा।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह दौरा सात साल में भारत का उनका पहला दौरा है। यह दौरा 2020 में सीमा पर हुई जानलेवा झड़प के बाद रिश्तों में आई लंबी खटास और 2024 में शुरू हुई सावधानी भरी कूटनीतिक सुधार की प्रक्रिया के बाद हो रहा है। शी 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। यह मुलाकात नई दिल्ली समिट को और भी अहम बनाती है, क्योंकि चीनी नेता अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बेहद अहम बातचीत की तैयारी कर रहे हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत और चीन के रिश्तों में अनिश्चितता ने इन दोनों परमाणु-हथियार वाले पड़ोसी देशों के लिए तनाव कम करने का मौका दिया है। तृप्ति लाहिड़ी और ऑस्टिन रैमजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में गिरावट आई थी, जिसकी वजह नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद जैसे मुद्दे थे। नई दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में चीनी अध्ययन के प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने जर्नल को बताया, 'भारत स्थिति को फिर से संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। अखबार ने कहा कि भारत-चीन संबंधों में कोई भी सुधार सीमा विवाद के अनसुलझे रहने, पाकिस्तान के साथ चीन के करीबी रिश्तों और हिंद महासागर में सुरक्षा प्रतिस्पर्धा की वजह से सीमित है। सुन ने जर्नल को बताया, 'चीनी पक्ष भी देख रहा है कि भारत सही समय का इंतजार कर रहा है और बेहतर विकल्पों पर काम कर रहा है, जो भविष्य में सामने आ सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इससे चीन-भारत संबंधों में मौजूदा सुधार की सतही प्रकृति और बढ़ जाती है। वाशिंगटन पोस्ट ने एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकारों एजाज हुसैन और शेख सालिक की रिपोर्टें प्रकाशित कीं, जिनमें इस शिखर सम्मेलन को भारत के लिए एक मुश्किल संतुलन बनाने वाली कवायद बताया गया। रिपोर्टों में कहा गया कि बैठक में शामिल होने वाले नेताओं में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और शी शामिल थे। पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन से पहले पुतिन और पेजेश्कियान के साथ अलग-अलग बातचीत की। वाशिंगटन 'पोस्ट' में छपी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, इस बढ़े हुए ग्रुप के 11 सदस्य ग्लोबल ऑर्डर में अधिक प्रभाव चाहते हैं, लेकिन उनके राजनीतिक, आर्थिक और विदेश नीति से जुड़े हित अलग-अलग हैं। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के सीनियर एनालिस्ट प्रवीण डोंथी ने एपी को बताया, 'ग्लोबल साउथ कोई एक जैसा ग्रुप नहीं है। इसलिए, इस ग्रुप के लिए इन झगड़ों को संभालना और उनमें मध्यस्थता करना मुश्किल होगा।' रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन और मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध इन मतभेदों को सामने ला सकते हैं। भारत के रूस और ईरान के साथ पुराने संबंध हैं, जबकि वह अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी अपनी साझेदारी बढ़ा रहा है।

# बच्चों के विकास में हो रही देरी को समझें और ले जाएं उन्हें सफलता के रास्ते पर

हर बच्चे को स्नेह, प्रोत्साहन और सहारे की जरूरत होती है। खासतौर से जिन बच्चों के विकास में थोड़ी देरी हो रही है, उनके लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस तरह के सकारात्मक सहयोग के जरिए ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसे बच्चे भी बड़े होकर आत्मविश्वास से भरपूर होंगे, उनके भीतर खुद की क्षमताओं को समझने की ताकत होगी और विषम परिस्थितियों के बाद भी उनके अंदर आगे बढ़ने का दृढ़ संकल्प होगा। बालपन की शुरुआत में ही बच्चे के बोलने, चलने, खुद का ख्याल रखने, खेलने जैसी कुछ क्रियात्मक बातों पर ध्यान देकर पैरेंट्स यह नोटिस कर सकते हैं कि बच्चे का विकास मानकों के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। इसके अलावा इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी भी एक ऐसी स्थिति है, जिसकी शुरुआत बालपन में होती है और जिसमें बच्चे के सीखने ओर समझने की सीमित क्षमताओं को पहचाना जा सकता है। ज्यादा गंभीर स्थिति वाले मामलों की पहचान बच्चे के जन्म के पहले साल के अंदर ही हो जाती है। कम गंभीर मामलों में बच्चे के संज्ञानात्मक विकास पर पड़ रहे असर का पहला लक्षण स्कूल की शुरुआत में हो रही दिक्कतों के जरिए पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे को पढ़ने में या गणित के सवालों को हल करने में दिक्कत हो रही है, तो इस बात को नोटिस किया जा सकता है। कुछ पैरेंट्स यह भी नोटिस कर सकते हैं कि उनके एक बच्चे का डिवेलपमेंट दूसरे बच्चे के मुकाबले धीमे हो रहा है। एक तरह से देखा जाए, तो पहले बच्चे के व्यवहार को देखकर यह पता चलता है कि उसका विकास सही तरीके से नहीं हो रहा है और फिर अंततः वह स्थिति आती है, जिसमें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बाद में बच्चे के विकास में और किस किस तरह की अड़चनें आ सकती है। पैरेंट्स होने के नाते आपको सबसे पहला काम यह पता लगाने का है कि आपका बच्चा किस तरीके से सबसे जल्दी और बेहतर ढंग से सीखता है।

## विजुअल लर्नर

इसके जरिए यह पता लगाया जा सकता है कि क्या बच्चा चीजों को देखकर, पढ़कर या डाइग्राम, मैप्स, ड्रॉइंग आदि के जरिए पिक्चराइज करके चीजों को सीखता है और तब ज्यादा अच्छा काम करता है, जब मटीरियल उसके सामने रखा जाए और जिसे वह देखकर महसूस कर सके, न कि सुनकर।

**ऑडिटरी लर्नर**: इसमें बच्चा सुनकर ज्यादा बेहतर काम करता है, लेक्चर बेस्ड माहौल में जल्दी सीखता है। क्लासरूम डिस्कशन, मौखिक निर्देश और स्टडी ग्रुप्स के जरिए उसे फायदा मिलता है।

**काइनेस्थेटिक लर्नर:** इसमें बच्चा मूव करके ओर खुद से काम करके सीखता है, खुद अपने हाथों से की जाने वाली एक्टिविटीज, लैब क्लासेज, प्रॉप, स्किट्स और फील्ड ट्रिप्स से उसे लाभ मिलता है।

## बच्चों को आगे बढ़ने में मदद

ऐसे में जल्द से जल्द हस्तक्षेप करने और सही समय पर बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने की जरुरत होती है, ताकि बच्चे के इंटेलेक्चुअल लेवल में सुधार हो और वह अपने निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ सके। जिन बच्चों को जल्द सीखने में किसी तरह की दिक्कत आती है, ऐसे बच्चों को मजबूती से उभारने और उनके अंदर लचीलापन लाने के लिए उनकी मदद के रास्ते तलाशना जरूरी है। लर्निंग डिसेबलिटी से जुड़ी समस्याएं केवल अच्छे बर्ताव से हल नहीं होगी, लेकिन इससे आपके बच्चे के अंदर एक नई उम्मीद जगेगी और उसका भरोसा बड़ेगा, जिससे उसे आगे बड़ने में मदद मिलेगी और भविष्य में वह भी सफलता के पथ पर अग्रसर हो सकेगा। संज्ञानात्मक विकलांगता यानी कॉग्नेटिव डिसेबलिटी की वजह आमतौर पर प्रसव के पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद के कारकों पर निर्भर करती है। प्रसव पूर्व के कारणों में जेनेटिक विषमता, इन्फैक्शंस, सेंट्रल नर्वस सिस्टम में गढ़बड़ी, डाउन सिंड्रोम और ऐसे तत्वों के संपर्क में आना, जो बच्चे के जन्म पर प्रभाव डालते हैं, शामिल है। बच्चे के अंदर इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी पैदा होने के ये सबसे प्रमुख जेनेटिक कारण हैं। प्रसवकालीन कारणों में जानलेवा कुपोषण, प्रीमैच्योरिटी और ब्रेन में ऑक्सिजन की सप्लाई में कमी जैसी वजहें प्रमुख हैं,

## कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने के लिए थैरेपीज

प्रसव बाद के कारणों में कई तरह के इन्फैक्शंस, घुटन, एक्सिडेंटल और नॉन एक्सिडेंटल ट्रॉमा, ब्रेन डैमेज, सीएनएस ट्यूमर आदि प्रमुख हैं। इन कारकों की वजह से बच्चे के अंदर पैदा हुई कॉग्नेटिव डिसेबलिटी को दूर करने में कई तरह की थैरेपीज और सर्विसेज मददगार साबित हो सकती हैं। इनमें नर्सिंग सर्विसेज, ऑक्यूपेशनल थैरेपी, फिजिकल थैरेपी, एडाप्टिव उपकरण, स्पीच और लैंग्वेज थैरेपी, न्यूट्रिशनल काउंसिलिंग, ऑडियोलॉजी सर्विसेज, साइकोलॉजिकल हस्तक्षेप, रीक्रिएशन थैरेपी और सोशल वर्क सर्विसेज जैसी थैरेपीज और सर्विसेज शामिल है। इनके अलावा स्पेशल एजुकेशन टीचर्स भी बच्चे को एजुकेशनल सर्विसेज मुहैया करा सकते हैं। कई बार सतर्कता में कमी, सीखने में दिक्कत, बोलने में दित या व्यापक विकासशील विकारों को इंटेलेक्चुअल डिसेबलिटी समझ लिया जाता है, जबकि केवल 5 पर्सेंट आबादी में ही संज्ञानात्मक कमी देखी जाती है और इनमें से ज्यादातर लोग माइल्ड रेंज डेफिसिट कैटिगरी यानी ऐसी कैटिगरी में आते हैं, जिनमें डिसेबिलिटी बेहद गंभीर नहीं होती।

**डॉ. नूपुर गुप्ता,** कंसलेंट ऑब्स्टट्रिशन एंड गाइनोकोलोजिस्ट

## रेसिपी

### अंजीर का हलवा

**सामग्री**

- सूखे अंजीर- 100 ग्राम
- घी- 2 चम्मच
- मिल्क पाउडर- 1 चम्मच
- चीनी- 2 चम्मच
- इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच
- दूध- 1 कप

**गार्निशिंग के लिए**

- सूखे मेवे की कतरन और चांदी का वर्क

**विधि**

सबसे पहले अंजीर को दूध में भिगो दें फिर मिक्सी में पीस लें। अब नॉनस्टिक पैन को गर्म करके उसमें घी गर्म करें। अंजीर वाले मिश्रण को पैन में डालकर अच्छी तरह से भून लें। मिश्रण में अब मिल्क पाउडर और चीनी मिलाएं। जब चीनी घुल जाए तो इलायची पाउडर मिलाकर गैस बंद कर दें। तैयार हलवे को सर्विंग बाउल में निकालकर उसके ऊपर बादाम की कतरन डालेंऔर ऊपर से चांदी का वर्क लगाकर अंजीर का हलवा सर्व करें ।

### सूजी बर्फी

**सामग्री**

- तिल - 150 ग्राम
- सूजी - 180 ग्राम
- चीनी - 225 ग्राम
- घी - 125 ग्राम
- पिस्ता - 1 टेबल स्पून
- बादाम - 1 टेबल स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर - 1 छोटी चम्मच

**विधि**

तिल सूजी की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले तिल भून लीजिए। इसके लिए पैन गरम कीजिए। इसमें तिल डालकर लगातार चलाते हुए तब तक तिल को भूनिए जब उसका रंग हल्का सा बदलने लगे और वह हल्का सा फूलने लगे। भुने तिल को प्लेट में निकाल लीजिए। अब कड़ाही में घी डालकर इसमें सूजी डाल दीजिए और सूजी को लगातार चलाते हुए धीमी से मध्यम आंच पर हल्की ब्राउन होने और अच्छी महक आने तक भून लीजिए। सूजी भुन जाने पर इसे भी प्लेट में निकाल लीजिए। पिस्तों को पतला-पतला काट लीजिए और बादाम को भी बारीक काटकर तैयार कर लीजिए।

**चाशनी बनाएं** : पैन में चीनी और कप पानी डालकर चीनी के पानी में घुलने के बाद 1 से 2 मिनिट तक पकाएं। जब चाशनी में से तार निकलने लगे तो समझ लीजिए चाशनी बनकर के तैयार है। इलायची पाउडर और बारीक कटे हुए बादाम डालकर अच्छे से मिक्स कीजिए। एक थाली को थोड़े से घी से चिकना कीजिए। मिश्रण को थाली में डालकर फैलाइए और बारीक कटे हुए पिस्तों से इसे सजा दीजिए। बर्फी को ठंडा होने के लिए रख दीजिए। मिश्रण के जम जाने पर इसे चाकू की सहायता से अपने मनपसंद आकार के टुकड़ों में काट सर्व करें

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

**वृष** — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

**मिथुन** — का की कू घ ड छ के को हा

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

**कर्क** — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

**सिंह** — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

**कन्या** — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

**तुला** — रा री रु रे रो ता ती तू ते

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

**वृश्चिक** — तो ना नी नू ने नो य यी यू

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

**धनु** — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

**मकर** — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

**कुंभ** — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

**मीन** — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

## काकुरो पहेली - 2586

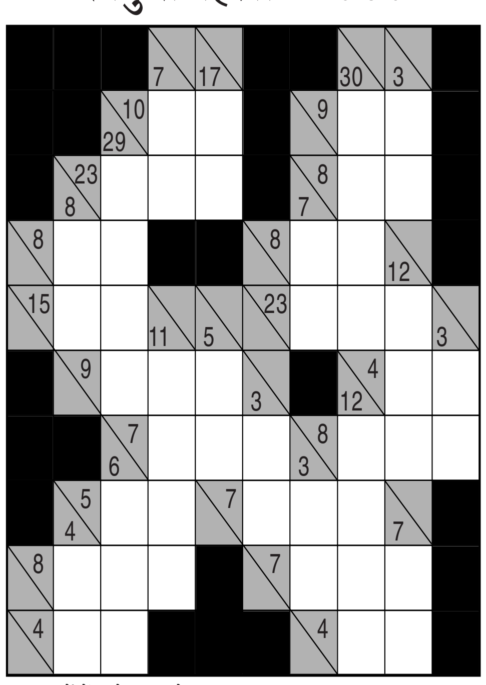

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

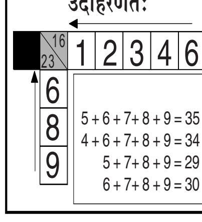


### काकुरो - 2585 का हल

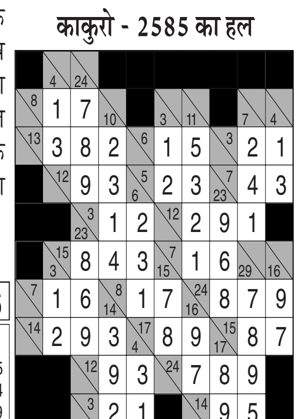

## लॉफिंग ज़ोन

एक कर्मचारी अपने मालिक के पास पहुंचा और बोला कि मुझे इस महीने वेतन में दो सौ रुपए कम दिए गए हैं.

'मुझे पता है. लेकिन दरअसल पिछले महीने तुम्हें दो सौ रुपए ज्यादा दे दिए गए थे और तब तुमने कोई शिकायत नहीं की थी.' मालिक ने कहा.

'दरअसल एक बार कोई गलती हो जाए, तो मै उसे माफ कर देता हूं. लेकिन अगर यही आदत बन जाती है, तो मै समझता हूं कि इसकी शिकायत जरूर की जानी चाहिए.' कर्मचारी ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

अदालत में सरकारी वकील ने कहा - मी लॉर्ड, अपराधी पर इल्जाम है कि उसने अपनी पत्नी को चिड़ियाघर के गहरे तालाब मे धक्का दे दिया, जिसकी वजह से पत्नी को मगरमगछ खा गया.

जज ने गरज कर कहा - क्या अपराधी यह बात नहीं जानता था कि चिड़ियाघर में जानवरो को कुछ खिलाना मना है?

☺ ☺ ☺

नाई (पहलवान से) - अगर मैं तुम्हारे सारे बाल काट दूं तो तुम्हें कोई पहचान नहीं पाएगा.

पहलवान - मगर उसके बाद मै जो तुम्हारी हालत करुंगा तो तुम्हें भी कोई पहचान नहीं पाएगा.

☺ ☺ ☺

## फिल्म वर्ग पहेली- 2586

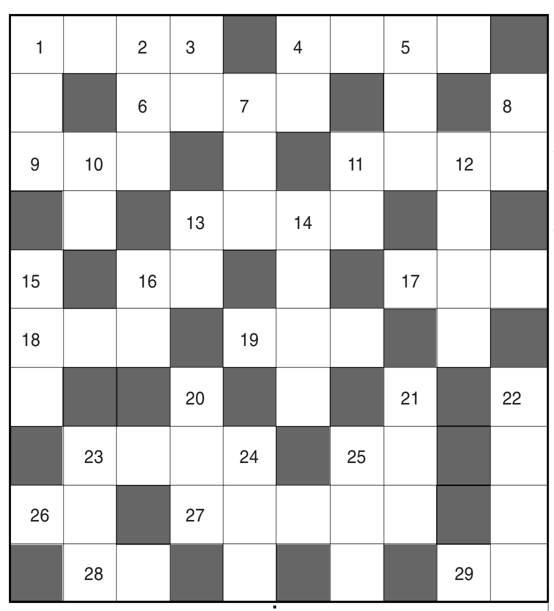

**बायें से दायें:-**

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चॉद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली- 2585

## सूडोकु -2586

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | | | | | 7 | | | |
| | | 8 | 2 | | | | 7 | 5 |
| | 4 | | | 3 | | | | 6 |
| | 7 | 1 | | | 2 | | 5 | |
| 8 | | | | 4 | | | | 3 |
| | 2 | | 8 | | | 9 | 6 | |
| 2 | | | | 8 | | | 3 | |
| 4 | 3 | | | | 9 | 8 | | |
| | | | 3 | | | | | 9 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2585 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 6 | 9 | 1 | 5 | 8 | 3 | 2 |
| 1 | 5 | 2 | 8 | 3 | 7 | 4 | 6 | 9 |
| 9 | 3 | 8 | 2 | 6 | 4 | 7 | 1 | 5 |
| 8 | 6 | 4 | 7 | 9 | 1 | 5 | 2 | 3 |
| 5 | 2 | 7 | 3 | 4 | 6 | 9 | 8 | 1 |
| 3 | 9 | 1 | 5 | 8 | 2 | 6 | 7 | 4 |
| 2 | 7 | 9 | 1 | 5 | 8 | 3 | 4 | 6 |
| 6 | 1 | 5 | 4 | 7 | 3 | 2 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 3 | 6 | 2 | 9 | 1 | 5 | 7 |

## शब्द पहेली - 2586

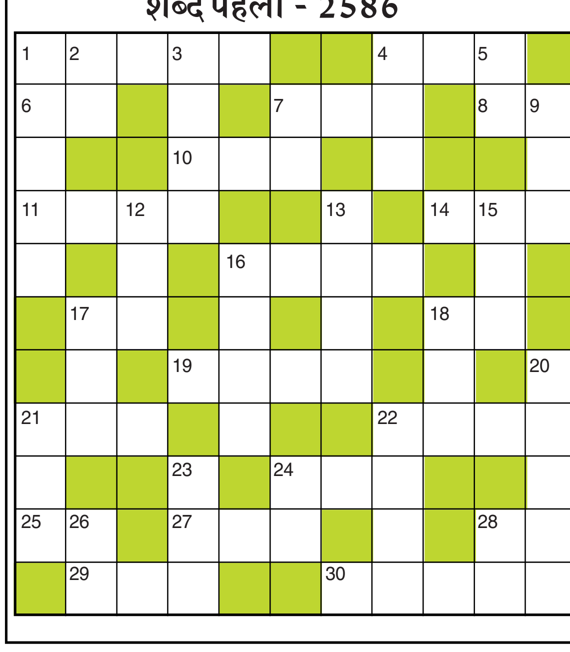

**बाएँ से दाएँ**

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

**ऊपर से नीचे**

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

### शब्द पहेली -2585 का हल

## लखनऊ की पर्वतारोही पूर्वा धवन ने 5,826 मीटर ऊंची रुद्रगैरा चोटी पर फहराया तिरंगा

**एजेंसी**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर 'बेटी बढ़ाओ-बेटी पढ़ाओ' का संदेश लेकर पर्वतारोहण अभियान पर निकलीं लखनऊ की पर्वतारोही पूर्वा धवन ने माउंट रुद्रगैरा की 5,826 मीटर ऊंची चोटी पर भारतीय तिरंगा फहराकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। 10 सितंबर 2026 को दोपहर 12:30 बजे शिखर पर पहुंचीं पूर्वा ने कठिन बर्फीले और चट्टानी रास्तों, कम ऑक्सीजन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच यह उपलब्धि हासिल की। अब उनका अगला लक्ष्य दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करना है। मई 2018 में पूर्वा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का बैनर सौंप चुकी हैं। सीएम योगी ने शुभकामनाएं देकर उनका हौसला बढ़ाया था। पूर्वा ने रुद्रगैरा फतह का श्रेय परिवार के सहयोग और सीएम की प्रेरणा को दिया। अभियान में शैलेश सेमवाल और बिहारी सिंह राणा की भी अहम भूमिका रही। क्योंकि उन्हीं के मार्गदर्शन में पूर्वा ने गंगोत्री में विशेष प्रशिक्षण लिया।

## मप्र के सागर के जहरीली शराब से हुई मौतों की जांच के लिए एक सदस्यीय आयोग गठित

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के सागर जिले की बंडा तहसील में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों और लोगों के बीमार होने के मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया है। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस विष्णु प्रताप सिंह चौहान आयोग के अध्यक्ष होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, आयोग को अपनी जांच पूरी कर तीन महीने के अंदर राज्य शासन को रिपोर्ट सौंपनी होगी। आयोग का मुख्यालय सागर में रहेगा। जांच के लिए सरकार ने तीन प्रमुख बिंदु तय किए हैं। इनमें घटना के कारणों से लेकर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के उपाय शामिल हैं। आयोग सबसे पहले यह पता लगाएगा कि जहरीली शराब के सेवन से मौत और लोगों के बीमार होने की घटना किन कारणों से हुई। घटना का स्वरूप क्या था और इसके पीछे कौन-कौन सी परिस्थितियां जिम्मेदार रहीं, इसका तथ्यात्मक परीक्षण भी किया जाएगा।

## अन्नपूर्णा देवी ने फिलीपींस की प्रथम महिला से की मुलाकात, महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण पर हुई चर्चा

**नई दिल्ली।** केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने फिलीपींस की प्रथम महिला लुईस अरानेटा-मार्कोस से भोजन पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच महिलाओं के सशक्तिकरण और विकास में उनकी नेतृत्वकारी भूमिका को लेकर चर्चा हुई। अन्नपूर्णा देवी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिला-नेतृत्व वाले विकास के विजन को साझा करते हुए कहा कि भारत महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें नेतृत्वकर्ता के रूप में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समृद्ध भविष्य के निर्माण में महिलाओं की बराबर की भागीदारी जरूरी है। बैठक के दौरान भारत की ओर से महिलाओं को समान अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें विकास प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भागीदार बनाने की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया गया।

## राष्ट्रीय लोक अदालत में 11.08 करोड़ रुपये के मामलों का निपटारा

**पश्चिम बर्दवान।** जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएएस) की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। आसनसोल जिला न्यायालय में 10 तथा दुर्गापुर कोर्ट में छह, यानी कुल 16 बेंचों के माध्यम से विभिन्न मामलों की सुनवाई कर उनका निपटारा किया गया। लोक अदालत के दौरान प्री-लिटिगेशन के चार हजार 304 मामलों को सूचीबद्ध किया गया, जिनमें से तीन हजार 577 मामलों का सेटलमेंट किया गया। इन मामलों से कुल दो करोड़ 45 लाख 67 हजार 950 रुपये की राशि प्राप्त हुई। वहीं, लंबित मामलों में एनजीपी/मोटर केस, ट्रैफिक चालान, मोटर एक्सीडेंट क्लेम, बिजली बिल समेत कुल सात हजार 430 मामले शामिल थे। इनमें से छह हजार 852 मामलों का निपटारा किया गया। इन मामलों के सेटलमेंट के बाद आठ करोड़ 62 लाख 38 हजार 205 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से पश्चिम बर्दवान जिले में कुल 10 हजार 429 मामलों का निपटारा किया गया और कुल 11 करोड़ आठ लाख 15 हजार 155 रुपये की राशि का सेटलमेंट/संग्रह हुआ।

# योगी सरकार की पहल के तहत 'प्रोजेक्ट प्रवीण' से 5,123 छात्रों को मिलेगा प्रशिक्षण

### सर्वोदय विद्यालयों में पढ़ाई के साथ हुनर भी सीखेंगे विद्यार्थी

**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अब स्कूली शिक्षा के साथ रोजगारपरक कौशल से भी जोड़ा जाएगा। योगी सरकार की पहल के तहत 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के माध्यम से बांदा मंडल के सात आवासीय सर्वोदय विद्यालयों में अध्ययनरत 5,123 विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने की तैयारी पूरी कर ली गई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए योजना की तैयारियां पूरी की हैं। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ ऐसा कौशल उपलब्ध कराना है, जिससे भविष्य में उनके लिए नौकरी और स्वरोजगार के विकल्प बढ़ सकें। समाज कल्याण विभाग की ओर से बांदा मंडल में 7 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित किए

जा रहे हैं। इनमें बांदा के दो, चित्रकूट के तीन तथा हमीरपुर और महोबा में एक-एक विद्यालय शामिल हैं। इन आवासीय विद्यालयों में मुख्य रूप से अनुसूचित जाति वर्ग के गरीब और मेधावी विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा दी जाती है। अब कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को उनकी नियमित पढ़ाई के साथ कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

**रुचि के अनुसार ट्रेड, प्रैक्टिकल पर जोर**

प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत विद्यार्थियों की रुचि और उपलब्ध ट्रेड के आधार पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीन से छह महीने की अवधि वाले सर्टिफिकेट कोर्स संचालित होंगे। अपैरल, आईटी-आईटीईएस, रिटेल मैनेजमेंट, ब्यूटी एंड वेलनेस, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। प्रशिक्षण को केवल सैद्धांतिक कक्षाओं तक सीमित नहीं रखा जाएगा। विद्यार्थियों के लिए सप्ताह में दो दिन प्रैक्टिकल क्लास भी आयोजित की जाएगी, जिससे वे सीखे हुए कौशल का व्यावहारिक इस्तेमाल कर सकें। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के लिए किसी दूसरे स्थान पर नहीं जाना पड़ेगा। संबंधित विद्यालय परिसरों में ही प्रशिक्षकों की तैनाती कर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। इससे नियमित पढ़ाई प्रभावित होने की संभावना कम रहेगी।

## रेल को मिजोरम पहुंचे हुआ एक वर्ष

### बैराबी-सैरांग रेल लाइन से पर्यटन में 86 प्रतिशत का उछाल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** पूर्वोत्तर के दुर्गम पर्वतीय राज्य मिजोरम को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली 51.38 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेल लाइन परियोजना ने अपने संचालन का एक वर्ष सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। महज एक वर्ष के भीतर इस रेल संपर्क ने राज्य में यात्रा, पर्यटन और माल ढुलाई के पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। रेल कनेक्टिविटी शुरू होने के बाद से राज्य के पर्यटन में 86 प्रतिशत से अधिक की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। रेल मंत्रालय ने बताया कि यात्री सेवाओं के मोर्चे पर पिछले एक वर्ष में 15 लाख से अधिक यात्रियों ने इस रेल सेवा पर भरोसा जताया है। वर्तमान में राज्य की राजधानी आइजोल (सैरांग) गुवाहाटी, कोलकाता और दिल्ली से सीधी प्रीमियम रेल सेवाओं से जुड़ी है। सैरांग-आनंद विहार राजधानी एक्सप्रेस ने मिजोरम को देश की राजधानी से सीधा संपर्क दिया है। इसके अलावा जनवरी 2026 में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा शुरू की गई सैरांग-सिलचर पैसेंजर ट्रेन असम की बराक घाटी से नियमित जुड़ाव प्रदान कर रही है। इन सभी ट्रेनों ने पिछले एक वर्ष में 1,100 से अधिक फेरे पूरे किए हैं और सभी ट्रेनें 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता के साथ संचालित हो रही हैं। सैरांग-आनंद विहार राजधानी एक्सप्रेस में 145 प्रतिशत, सैरांग-कोलकाता सेवा में 140 प्रतिशत और सैरांग-गुवाहाटी ट्रेन में औसतन 110 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई है। इन सेवाओं से भारतीय रेलवे को टिकट बिक्री के जरिए 54 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। अकेले सैरांग स्टेशन पर पिछले एक वर्ष में 5.54 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई।

# मुंबई में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

### नालासोपारा-दादर-कुर्ला में जलभराव, येलो अलर्ट जारी

**एजेंसी**

**मुंबई।** मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई इलाकों में जलभराव के कारण आने-जाने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। शनिवार रात से जारी तेज बारिश के चलते नालासोपारा रेलवे स्टेशन के पूर्व दिशा में जलभराव की स्थिति बन गई है। इसके बावजूद यात्री पानी के बीच से गुजरकर अपने गंतव्य की ओर जाने को मजबूर हैं। स्टेशन परिसर में भी यात्रियों की भीड़ देखी जा रही है। वहीं, बीती रात से वसई-विरार शहर में तेज बारिश का दौर जारी है। लगातार बारिश के चलते नालासोपारा शहर के सेंटर पार्क, तुलिंज ब्रिज समेत कई सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। इससे सुबह के समय वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह, दादर इलाके में

भी तेज बारिश जारी है, जिससे आने-जाने वाले नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, लगातार बारिश के कारण कुर्ला स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर पानी भर चुका है। बता दें कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार के लिए मुंबई, ठाणे और पालघर में येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कुछ जगहों पर बिजली कड़कने के साथ आंधी-तूफान, हल्की से मध्यम बारिश और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने बताया, 'आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और बीच-बीच में मध्यम बारिश या गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है, जिसमें बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा की तेज हवाएं चलने की संभावना है। कुछ जगहों पर एक-दो बार तेज बारिश भी हो सकती है।' रविवार के मौसम को लेकर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने भी पोस्ट किया। बीएमसी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और बीच-बीच में मध्यम बारिश या गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।'

## 11 हजार केवी लाइन की चपेट में आया डंपर, धू-धू कर जला, चालक ने कूदकर बचाई जान

**एजेंसी**

**नीमराना।** रीको औद्योगिक क्षेत्र शाहजहांपुर में 200 फीट सड़क पर रविवार को सड़क किनारे चल रहे निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मिट्टी खाली करने के लिए जैक से ऊपर उठाया गया डंपर ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आते ही डंपर में अचानक आग लग गई और देखते ही देखते वह धू-धू कर जलने लगा। हादसे के दौरान डंपर चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। हालांकि करंट की चपेट में आने से चालक ज्याननारण झुलस गया। ठेकेदार के अनुसार चालक को

हल्का करंट लगा था, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जैक उठाते ही विद्युत लाइन से टकराया डंपर जानकारी के अनुसार 200 फीट सड़क की साइड में टाइल लगाने का काम चल रहा था। इसी दौरान डंपर से मिट्टी खाली की जा रही थी। मिट्टी उतारने के लिए जैसे ही डंपर का जैक ऊपर उठाया गया, वाहन का ऊपरी हिस्सा ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। विद्युत लाइन के संपर्क में आते ही डंपर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंचने से पहले ही डंपर पूरी तरह जलकर राख हो गया।

# तमिलनाडु सरकार ने कर्मचारियों को 31 अक्टूबर तक संपत्ति का ब्यौरा देने का दिया निर्देश

**एजेंसी**

**चेन्नई।** तमिलनाडु सरकार ने सभी सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को 31 अक्टूबर तक अपनी संपत्ति और देनदारियों का पूरा ब्यौरा जमा करने का निर्देश दिया है। यह कदम प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए उठाया गया है। सरकार ने जनवरी में संबंधित नियमों में संशोधन किया था और अब औपचारिक रूप से घोषणा की तारीख और प्रक्रिया की घोषणा की है। कर्मचारियों को 31 दिसंबर, 2025 तक उनके पास मौजूद संपत्ति और देनदारियों का खुलासा करना होगा। संशोधित प्रक्रिया के तहत कर्मचारियों को अब अपने कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से घोषणा पत्र जमा करने या प्रिंटेड फॉर्म के जरिए जानकारी देने की जरूरत नहीं होगी। इसके बजाय पूरी घोषणा तमिलनाडु सरकार के इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल एंड ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजमेंट सिस्टम (आईएफएचआरएमएस) पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से अपलोड करनी होगी।

घोषणा में कर्मचारियों के स्वामित्व वाले मकान, आवासीय

और व्यावसायिक प्लॉट, कृषि भूमि और अन्य अचल संपत्तियों का पूरा विवरण होना चाहिए। उनके नाम पर मौजूद संपत्तियों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज संपत्तियों का भी खुलासा करना होगा। कर्मचारियों को चल संपत्तियों का विवरण भी देना होगा, जिसमें गहने, मोटर वाहन, बैंक जमा और निवेश शामिल हैं। लागू सेवा नियमों के तहत आने वाली अन्य संपत्तियों और वित्तीय हितों को भी ऑनलाइन घोषणा में शामिल किया जाना चाहिए। संपत्तियों के अलावा सरकारी कर्मचारियों को अपने द्वारा लिए गए सभी कर्ज और अन्य वित्तीय देनदारियों का विवरण भी देना होगा। इसमें सरकार द्वारा निर्धारित रिपोर्टिंग आवश्यकताओं के अंतर्गत आने वाली हर तरह की उधारी शामिल है। अधिकारियों को सलाह दी गई है कि वे सुनिश्चित करें कि आईएफएचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से दी गई जानकारी पूरी और सटीक हो। डिजिटल फाइलिंग सिस्टम से जमा करने की प्रक्रिया अधिक कुशल होने की उम्मीद है और इससे सरकार को अपने कर्मचारियों के वित्तीय हितों का केंद्रीकृत और अपडेटेड रिकॉर्ड बनाए रखने में मदद मिलेगी।

यह अनिवार्य खुलासा लोक सेवकों द्वारा संपत्ति के अधिग्रहण की निगरानी और उनकी आय के ज्ञात स्रोतों और घोषित संपत्ति के बीच किसी भी बड़ी विसंगति की पहचान करने के तंत्र को मजबूत करने के लिए है। यह नया निर्देश राज्य सरकार की उस नीति को मजबूत करता है कि लोक सेवकों को समय-समय पर अपनी वित्तीय स्थिति का खुलासा करना चाहिए। संशोधित नियमों के दायरे में आने वाले सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को 31 अक्टूबर की समय सीमा तक ऑनलाइन सबमिशन पूरा करना होगा।

# राजस्थान में फिर सक्रिय हुआ मानसून

### 29 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट, 16 सितंबर तक जारी रह सकता है दौर

**एजेंसी**

**जयपुर।** राजस्थान में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश के 29 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। जयपुर, भरतपुर, कोटा और उदयपुर संभाग के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। उदयपुर संभाग में कुछ स्थानों पर करीब दो इंच तक पानी बरसा, जबकि पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर शहर में करीब एक महीने बाद हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में बारिश का दौर 16 सितंबर तक जारी रह सकता है। वहीं पश्चिमी राजस्थान में अगले सप्ताह के अंत से मानसून की विदाई का चरण शुरू होने की संभावना है।

**निम्बाहेड़ा में सबसे ज्यादा बारिश**

पिछले 24 घंटे में प्रदेश में सबसे अधिक बारिश चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा में 46 मिलीमीटर दर्ज की गई। इसके अलावा बांसवाड़ा, झालावाड़, प्रतापगढ़, उदयपुर, जयपुर, राजसमंद, सीकर, नागौर, पाली, कोटा, डूंगरपुर, बूंदी, भीलवाड़ा, बारां और अजमेर में भी कई स्थानों पर करीब एक इंच तक बारिश हुई।

**जयपुर में तापमान गिरा**

अजमेर में शनिवार दोपहर बाद तेज बारिश हुई। राजधानी जयपुर में भी शास्त्री नगर, बनीपार्क, विद्याधर नगर, अजमेरी गेट और जेएलएन मार्ग सहित कई इलाकों में हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलीं। बारिश के बाद जयपुर के तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। शहर का अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून ट्रफ जैसलमेर, कोटा और राजगढ़ से होते हुए मध्य भारत की ओर सक्रिय लो-प्रेशर सिस्टम से जुड़ी हुई है। यह सिस्टम दक्षिणी छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है तथा पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से राजस्थान में अगले 2 से 3 दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां अपेक्षाकृत अधिक रहने की उम्मीद है। पश्चिमी राजस्थान में मानसून की विदाई की गतिविधियां अगले सप्ताह के अंत से शुरू होने की संभावना जताई गई है।

# पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी का निधन

### सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्रा का रविवार को निधन हो गया। कलराज मिश्र की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट साझा कर जानकारी दी गई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कलराज मिश्र ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'मेरी धर्मपत्नी सत्यवती मिश्रा, आज अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गई हैं, प्रभु उनको अपने श्री चरणों में स्थान दें।' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि देते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी का निधन अत्यंत दुःखद है। विनम्र श्रद्धांजलि। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।' अंडमान निकोबार के उपराज्यपाल दिनेश

शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'अत्यंत दुखद समाचार है कि पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की अर्धांगिनी सत्यवती मिश्रा, हम सब की चाची जी अब नहीं रहीं, निष्कपट धर्म परायण और सब की चिंता करने वाली आप एक ऐसी ग्रहणी थीं, जो घर में आने वाले हर व्यक्ति को बराबर का सम्मान देती थीं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें, यही प्रार्थना है।' यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 'एक्स' पर लिखा, 'भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्रा के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।' उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ राजनेता एवं पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्र के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। मेरी विनम्र संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्रीराम जी दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस संकट की इस घड़ी में शक्ति व धैर्य प्रदान करें।' केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'पूर्व राज्यपाल राजस्थान, पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्र की धर्मपत्नी सत्यवती मिश्रा के गोलोकगमन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं परिवार को यह असहनीय दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।' भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की धर्मपत्नी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें..!!'

# जैसलमेर के रामदेवरा में बाबा रामदेवजी के 642वें मेले का शुभारंभ, देशभर से उमड़े श्रद्धालु

**एजेंसी**

**जैसलमेर।** जन-जन के आराध्य और पश्चिमी राजस्थान के महाकुंभ कहे जाने वाले लोकदेवता बाबा रामदेवजी के 642वें मेले का रविवार को धर्मस्थली रामदेवरा धाम में विधिवत शुभारंभ हुआ। बाबा रामदेवजी की समाधि स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल, जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, बाबा के वंशजों और समाधि समिति के सदस्यों की मौजूदगी रही। जानकारी के अनुसार बाबा रामदेवजी के वंशजों ने समाधि स्थल पर विधि-विधान से पंचामृत अभिषेक किया। इसके बाद जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल और एसपी अभिषेक शिवहरे ने बाबा की समाधि पर मखमली चादर चढ़ाई। सुबह की आरती के साथ मेले का औपचारिक आगाज हुआ। मेले के शुरू होते ही रामदेवरा में देशभर से पहुंचे श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा की समाधि के दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने मीडिया से बातचीत में बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। लंबी कतारों में खड़े श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था की गई है। गर्मी और भीड़ को देखते हुए मेले क्षेत्र में फॉगिंग मशीन से छिड़काव कराया जा रहा है। महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ अलग-अलग स्थानों पर स्वास्थ्य चौकियां स्थापित की गई हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों पर जरूरत पड़ने पर श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। रुणीचा सरोवर पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात की गई हैं।

कलेक्टर ने कहा कि इस बार मेला विशेष परिस्थितियों में आयोजित हो रहा है। निकाय चुनाव के मद्देनजर भी प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और कानून व्यवस्था को लेकर आवश्यक तैयारियां की हैं। पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि मेले के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने बाबा रामदेवजी को सामाजिक समरसता का देवता बताते हुए कहा कि बाबा ने बिना किसी भेदभाव के सभी की मदद की।

# शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में आया एसआरएस के बल्लेबाज का तूफान

## कप्तानी पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया

## सलिल अरोड़ा ने शेर-ए-पंजाह लीग में जड़ा शतक

**मोहाली ।** शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस ने जालंधर वॉरियर्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लुधियाना की जीत के असली हीरो कप्तान सलिल अरोड़ा रहे, जिन्होंने मुश्किल वक्त में आकर महज 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जंग में पहुंचाया।

**साहिल भास्कर की घातक गेंदबाजी –** 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वॉरियर्स ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह और हरजस टंडन के दम पर एक समय 154/3 का स्कोर बना लिया था और वे जीत की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन इसके बाद तेज गेंदबाज साहिल भास्कर का जादू चला। साहिल ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर जालंधर के बैटिंग लाइन-अप की कमर तोड़ दी और 4 ओवर में 6/16 का करिश्माई स्पेल फेंककर जालंधर को 203/8 पर रोक दिया।

### 105 रन पर गिर चुके थे 5 विकेट, फिर आया सलिल का शतकीय तूफान

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही। जालंधर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लुधियाना के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया और टीम 105 रन के स्कोर पर अपने 5 अहम विकेट गंवाकर गहरे संकट में आ गई थी। ऐसे दबाव के समय कप्तान सलिल अरोड़ा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने माधव पठानिया के साथ मिलकर न केवल पारी को संभाला, बल्कि जालंधर के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। सलिल और पठानिया ने छठे विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 115 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच का पासा पलट दिया। सलिल अरोड़ा अंत तक आउट नहीं हुए और उन्होंने 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसकी बदौलत लुधियाना ने 20 ओवर में 220/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

**रविवार को अमृतसर सूरमाओं से होगा फाइनल मुकाबला –** कप्तान सलिल अरोड़ा का यह नाबाद शतक लुधियाना की जीत का मुख्य आधार बना। अब फाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस का सामना अमृतसर सूरमाओं से रविवार को होगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों ने अपने स्टार खिलाड़ियों (अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा) की अनुपस्थिति के बावजूद टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है।

## अनाहत सिंह ने कतर क्लासिक स्क्वॉश में उलटफेर किया

### वर्ल्ड नंबर-16 फरिदा मोहम्मद को चार गेम में हराया, अब टिन्ने जिलिस से मुकाबला

**नई दिल्ली ।** भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

**दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी –** मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

**प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला –** पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।

**मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें –** पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

**एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा –** अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं। आगामी एशियन गेम्स में भारतीय स्क्वैश टीम में अनाहत के साथ अभय सिंह, वीर चोटरानी और तन्वी खन्ना भी शामिल हैं।

# रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता, वर्ल्ड नंबर-1 बनीं

## सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

**न्यूयॉर्क।** कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

**सबालेंका का लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूटा –** रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही स ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

**पहले सेट में रायबकिना का दबदबा –** पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

**सबालेंका ने दूसरे सेट में की वापसी –** दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

**तीसरे सेट में फिर हावी हुई रायबकिना –** निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला।

**इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम –** रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। यूएस ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है।

### चोट से जूझने के बाद हासिल की बड़ी सफलता

रायबकिना यूएस ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

### रायबकिना को करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

यूएस ओपन का खिताब जीतने पर रायबकिना को 55 लाख डॉलर यानी करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली। वहीं, उपविजेता सबालेंका को 28 लाख डॉलर मिले। रायबकिना ने जीत के बाद कहा कि उनके पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 साल से न्यू यॉर्क आ रही हैं, लेकिन यहां उन्हें कभी ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

### सार-समाचार

## चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

### टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

**नई दिल्ली ।** श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है।

**जहीर के साथ बातचीत अंतिम दौर तक पहुंची –** मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।

**युवराज सिंह पहले ही बने बैटिंग कोच –** दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है।

**हेड कोच की तलाश जारी –** बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

## भारत जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीता

### चीन को 1-0 से हराया, हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों-सपोर्ट स्टाफ के लिए कैश प्राइज का ऐलान किया

**नई दिल्ली ।** भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में जीत के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी कैश प्राइज घोषित किया गया।

**फाइनल से पहले भारत का प्रदर्शन –** भारत ने सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 और क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराया। इससे पहले टीम ने मेजबान चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। भारत ने जापान को 7-0 और मलेशिया को 11-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के पहले मैच में भी भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था।

## वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन की ग्लोबल चेस लीग में पहली हार

### टीम फिर भी फाइनल में पहुंची, गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से मुकाबला

**बेंगलुरु ।** ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में शनिवार को खेले गए मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। रविवार को खिताबी मुकाबले में पाइपर्स का सामना गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

**कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात –** टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया।जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है।

## मोहम्मद सिराज हैदराबाद रणजी टीम के कप्तान बने

### चामा मिलिंद उपकप्तान, 11 अक्टूबर को त्रिपुरा से पहला मुकाबला

**नई दिल्ली ।** भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2026-27 रणजी ट्रॉफी सीजन में हैदराबाद के कप्तान होंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। हैदराबाद का पहला मुकाबला त्रिपुरा से होगा। तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

**हैदराबाद रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप B में –** हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप क्र में रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा भी हैं। सिराज ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी हैदराबाद की दो मैचों में कप्तानी की थी। सिराज हाल ही में तिलक वर्मा की कप्तानी में 2026 की दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते नजर आए थे।

**रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी –** रणजी ट्रॉफी 2026-27 11 अक्टूबर 2026 से 3 मार्च 2027 तक खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट दो लेग में खेला जाएगा, जिसमें एलीट ग्रुप में 32 टीमें और प्लेट ग्रुप में 6 टीमें शामिल हैं। BCCI के 2026-27 के डोमेस्टिक सीजन में कुल 1,788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन की शुरुआत दलीप ट्रॉफी से हुई थी और रणजी ट्रॉफी के अलावा इसमें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट भी शामिल हैं।

### श्रीलंका दौरे पर कम हुई थी रफ्तार

श्रीलंका दौरे के दौरान सिराज की रफ्तार को लेकर चिंता जताई गई थी। उनकी रफ्तार सामान्य 140 किलोमीटर प्रति घंटे के मध्य स्तर से घटकर 120 किलोमीटर प्रति घंटे के आखिरी स्तर तक पहुंच गई थी। दो मैचों की सीरीज में सिराज ने 44 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने इस दौरान चार विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद चेन्नई में सिराज ने कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर रहने वाला गेंदबाज हूं। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं फेंक पाता। उन्होंने कहा, श्रीलंका में यही परेशानी थी। मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ कदम बहुत छोटे थे और कुछ बहुत लंबे। इससे मेरा प्रवाह टूट गया और मेरी रफ्तार कम हो गई।

### मेसी का 99वां गोल

## इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला

### इंटर मियामी को 2-2 पर रोका

**बार्सिलोना ।** इंटर मियामी और नेशविल के बीच रात में मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था।

**सैम सरिज ने दो गोल किए –** नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। MLS में नेशविल के खिलाफ मेसी का14 मैचों में उनका 17वां गोल था।

**सरिज का शानदार प्रदर्शन –** इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ MLS गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी MLS मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं।

**मियामी का खराब दौर –** इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलर्मो होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे।

**नेशविल का मजबूत सीजन –** नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में MLS में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को नू स्टेडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।

# सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर सीएम थलपति विजय का सरप्राइज !

## दोस्त अजित कुमार को लगाया गले, तृषा संग वीडियो वायरल

**चैन्नई ।** साउथ सिनेमा के मेगास्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने तक का थलपति विजय का सफर बेहद दिलचस्प और ऐतिहासिक रहा है। राजनीति में पूर्ण रूप से कदम रखने के बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया को पूरी तरह अलविदा कह दिया और राज्य की कमान संभाली। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही वे अपनी भूमिका के साथ-साथ अपनी निजी और सामाजिक गतिविधियों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में तमिलनाडु के सीएम विजय ब्रिटेन के मशहूर सिल्वरस्टोन रेस सर्किट पहुंचे, जहां उनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

**सिल्वरस्टोन में अजित-विजय का भावुक पल –** सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय, एक्टर और पेशेवर रेसर अजित कुमार का हौसला बढ़ाने पहुंचे। अजित कुमार प्रतिष्ठित मिशेलिन ले मैन्स कप रेस में भाग ले रहे थे। वीडियो में जैसे ही विजय ने रेस ट्रैक पर अजित कुमार को देखा, वे खुशी से दौड़ते हुए आए और अपने पुराने साथी व दोस्त अजित को कसकर गले लगा लिया। दोनों सुपरस्टार्स के इस भावनात्मक और आपसी सम्मान से भरे वीडियो को फैंस इंटरनेट पर जमकर शेयर कर रहे हैं।

**लंदन में विजय के साथ स्पॉट हुई एक्ट्रेस तृषा कृष्णन –** अजित कुमार की रेस के दौरान रेस सर्किट और लंदन के गलियारों से विजय के साथ मशहूर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की भी तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। रेस से ठीक पहले तृषा कृष्णन की तस्वीरें सीनियर एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार के साथ सामने आईं, जिसे राधिका ने खुद इंटरनेट पर शेयर किया था। इसके बाद सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर भी विजय और तृषा को साथ देखा गया।

### विजय और तृषा की पर्सनल लाइफ फिर चर्चा में

थलपति विजय और तृषा कृष्णन की नजदीकियों और अफेयर की खबरें पिछले कई सालों से मीडिया की सुर्खियों में बनी रही हैं, हालांकि दोनों ही कलाकारों ने कभी इन अफवाहों पर सार्वजनिक रूप से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि जब थलपति विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब तृषा कृष्णन भी उस ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। समारोह के दौरान विजय की पहली राजनीतिक स्पीच सुनते वक्त तृषा का भावुक होना भी काफी चर्चा में रहा था। अब यूके में रेस ट्रैक से सामने आए इन नए वीडियोज ने एक बार फिर दोनों की मौजूदगी की ओर फैंस का ध्यान खींच लिया है।

# बेबी और नाम शबाना के बाद खूब एक्शन रोल ऑफर हुए लेकिन...

**दमदार अभिनय और बेबाक व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली अदाकारा तापसी पन्नू अब अपनी नई फिल्म 'गांधारी' में भी बेटी को तलाशती नेत्रहीन मां की मजबूत भूमिका में नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि करियर के शुरुआती दौर में बेबी और नाम शबाना जैसी फिल्मों में ऐक्शन के लिए तारीफें बटोरने वाली तापसी इसमें लंबे अरसे बाद ऐक्शन भी करती दिख रही हैं। तापसी बताती हैं कि वह इस जॉनर से इसलिए दूर थीं, क्योंकि एक तो वह ऐक्शन करके शारीरिक-मानसिक रूप से थक गई थीं, दूसरे अलग तरह के इमोशंस भी एक्सप्लोर करना चाहती थीं।**

## एजेंट-कॉप के कई ऐक्शन रोल मना किए

बकौल तापसी, 'बेबी और नाम शबाना को जिस तरह का प्यार मिला, मेरे लिए वैसे ही रोल करना बहुत काफी लुभावना था, क्योंकि तब ज्यादा लोग ऐक्शन कर भी नहीं रहे थे। मुझे अंडर कवर एजेंट, कॉप, मिशन वाले ऐक्शन रोल ऑफर भी खूब हुए, लेकिन मुझे वो सब नहीं करना था, क्योंकि मैं बहुत थक गई थी। उन फिल्मों में सारा ऐक्शन मैंने खुद किया था। उसमें कोई इफेक्ट नहीं था, तो वो फिजिकली-मेंटली बहुत मेहनत का काम है। फिर, मैं वायलेंट इंसान भी नहीं हूं। मैं मारपीट देखकर घबरा जाती हूं। लोगों को ऐसा लगता नहीं है लेकिन ऐसा है। इसलिए भी मुझे उससे ब्रेक चाहिए था। साथ ही, मुझे बाकी इमोशंस को एक्सप्लोर करने वाले काफी अच्छे रोल भी मिल रहे थे, तो मैंने सोचा अब ऐक्शन तभी करूंगी, जब इससे ऊपर का कुछ होगा।'

## हम हीरोइनों की जीत और हार साझा होती है

बॉलिवुड में बड़े बजट की फीमेल सेंट्रिक ऐक्शन फिल्म की मांग बहुत समय से उठ रही थी, लेकिन आलिया भट्ट की अल्फा के रूप में जब ऐसी फिल्म आई तो वह नहीं चली। नायिका प्रधान फिल्मों की लड़ाई पर इसके असर पर तापसी कहती हैं, 'इस मामले में एक की जीत हम सबकी जीत होती है, क्योंकि जब एक फीमेल सेंट्रिक फिल्म चलती है तो लोगों को साहस मिलता है कि हां, ऐसी पिक्चर चल सकती है। उसी तरह से जब एक नहीं चलती है, खासकर बड़े बजट की नहीं चलती तो नुकसान भी हम सबका होता है। इसलिए, बुरा लगता है कि यार, चलनी चाहिए थी। लोग बोलते हैं कि अच्छी फिल्में चलती हैं तो क्या हीरो सेंट्रिक सारी ऐक्शन फिल्में कमाल की ही होती हैं? वे क्या बहुत बढ़िया थीं, तभी चलीं? ऐसा जरूरी नहीं है। हीरो वाली काफी औसत बिग स्केल फिल्में भी चल जाती हैं, मगर दुर्भाग्य से हमें वह छूट नहीं होती। हम औरतों की कहानियां उन्नीस-बीस नहीं हो सकती। उसे इक्कीस होना पड़ेगा, तभी चलेगी।

## कनिका और मैं एक-दूसरे को समझते हैं

गांधारी की लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों संग तापसी मनमर्जियां, हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट, फिर आई हसीन दिलरुबा जैसी फिल्मों में भी साझेदारी कर चुकी हैं। इस बॉन्डिंग पर वह बताती हैं, 'कनिका ने मनमर्जियां की कहानी मुझे सीन के बीच में गाना तक सुनाकर पूरे डिटेल में नरेट की थी। जबकि, गांधारी में सिर्फ चार लाइन में स्टोरी बताई कि ये कहानी है। अगर तू कर रही है तो मैं आगे लिखती हूं, तो हमारी आपसी समझ और एक दूसरे पर इतना भरोसा बन गया है कि कनिका को पता है कि मैं क्या करना चाहूंगी और क्या नहीं करूंगी। वहीं, मुझे भी ये पता है कि अगर इसने मुझे दो लाइन भी सुना दी हैं ना, तो उसके बाद ये लिख लेगी। वहीं, निर्माता के तौर पर वह फिल्म को बेस्ट तरीके से बनाएगी। मुझे कोई लड़ाई नहीं लड़नी पड़ेगी। वो कनिका लड़ लेगी तो मैं काफी रिलैक्स होती हूं।'

# साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म 'राका' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और स्क्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और स्क्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है।' नैला ग्रेवाल ने फिल्म 'राका' की हिंट देते हुए कहा, 'आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।' अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।' यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है।

# संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में करीना कपूर की एंट्री पक्की

**क्या करीना कपूर को संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में देखा जाएगा? क्या भंसाली की कोई फिल्म करीना साइन करने वाली हैं? क्या करीना और भंसाली का दो दशक पुराना मनमुटाव दूर हो गया है? कुछ ऐसे ही सवाल बी-टाउन में पूछे जा रहे हैं। वजह है कि करीना कपूर खान को भंसाली के दफ्तर के बाहर स्पॉट किया गया।**

## दो दशक पुराने गिले शिकवे दूर हो गए

फिल्म 'देवदास' के बाद से करीना कपूर खान और भंसाली के बीच मतभेद शुरू हो गए। दोनों को कभी साथ काम करते नहीं देखा गया। करीब दो दशक बाद आज अचानक करीना कपूर खान को भंसाली के ऑफिस के बाहर देखा गया तो अटकलें लगने लगीं कि दोनों साथ में किसी फिल्म के लिए काम करने वाले हैं। चर्चा ये भी है कि दोनों ने अपने पुराने मतभेद भुला दिए हैं। भंसाली के ऑफिस के बाहर करीना को देख कयास लग रहे हैं कि वे निर्देशक की फिल्म में नजर आ सकती हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हालांकि, आधिकारिक रूप से अभी ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

## क्यों हुई करीना और भंसाली में अनबन?

संजय लीला भंसाली ने साल 2002 में फिल्म 'देवदास' बनाई थी। कथित तौर पर इस फिल्म के लिए करीना कपूर को पारो की भूमिका के लिए अप्रोच किया था। अभिनेत्री ने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था। हालांकि, बाद में पारो के रोल के लिए भंसाली ने ऐश्वर्या राय बच्चन को चुन लिया। 2002 में फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा था, 'उन्होंने मेरे साथ जो किया, वह गलत था। उन्होंने 'देवदास' (2002) के लिए मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया। मुझे साइनिंग अमाउंट दिया और फिर किसी और को ले लिया। यह गलत था और मुझे इसलिए ज्यादा बुरा लगा, क्योंकि मैं अपने करियर की शुरुआत में थी'।

# माही विज ने बताया क्यों छोड़ा था 'सहर होने को है

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस माही विज इन दिनों 'बिग बॉस 20' को लेकर चर्चा में हैं। सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले इस रियलिटी शो में माही की एंट्री ने उनके फैंस को काफी उत्साहित किया है। शो में आने के बाद जहां दर्शक उनके अलग-अलग अंदाज को देखने के लिए उत्सुक हैं, वहीं उनके पिछले शो 'सहर होने को है' से बाहर होने को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही थीं। ऐसी चर्चा थी कि माही ने 'बिग बॉस' का हिस्सा बनने के लिए अपना पिछला शो छोड़ा है। अब एक्ट्रेस ने खुद इस बात पर चुप्पी तोड़ी है और बताया कि दोनों फैसलों का आपस में कोई लेना-देना नहीं है। बातचीत में माही विज ने कहा, ''मैं 'सहर होने को है' को जनवरी में ही छोड़ने का फैसला ले चुकी थीं। हालांकि, शो छोड़ने की प्रक्रिया में काफी समय लग गया। मेरा बाहर निकलना अचानक लिया गया फैसला नहीं था। शो के क्रिएटिव्स भी मुझे इतनी जल्दी छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए शो से अलग होने में मुझे समय लगा।''

माही ने कहा, ''सच कहूं तो मैं खुद भी उस समय शो छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थीं। 'सहर होने को है' मेरे दिल के काफी करीब था। मैं इस शो से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई थीं और इसलिए इसे छोड़ना मेरे लिए आसान नहीं था। हालांकि, मैंने 'बिग बॉस' में एंट्री लेने के लिए अपना पिछला शो नहीं छोड़ा है। 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे काफी बाद में मिला था।'' माही ने कहा, ''मैंने बहुत पहले ही शो छोड़ दिया था और 'बिग बॉस' का ऑफर मुझे बाद में आया। ऐसे में पुराने शो से बाहर होने और नए रियलिटी शो में आने के बीच सीधा संबंध जोड़ना सही नहीं है। मैं पहले ही अपना फैसला ले चुकी थीं और 'बिग बॉस' का फैसला बाद में आया।''

'बिग बॉस 20' का हिस्सा बनने को लेकर भी माही काफी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने कहा, ''जिंदगी में समय-समय पर कुछ नया आजमाते रहना चाहिए। 'बिग बॉस' शो को देखना मुझे काफी पसंद हैं, लेकिन खुद इसमें आने को लेकर पहले कभी इतनी सीरियस नहीं थीं। इस बार मुझे खुद समझ नहीं आया कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि मैंने शो का हिस्सा बनने के लिए हां कह दी।'' माही ने कहा, ''हर काम का एक सही समय होता है और शायद मेरे लिए 'बिग बॉस' करने का समय अब आया है। यही वजह है कि इस बार मैंने इस मौके को स्वीकार कर लिया। अब मैं यह देखने के लिए भी उत्साहित हूं कि घर के अंदर मेरा सफर किस तरह आगे बढ़ता है।'' उन्होंने कहा, '''बिग बॉस' के घर में परिस्थितियां बदलती रहती हैं। अभी मैं नहीं जानती कि घर के अंदर मेरे व्यवहार का कौन सा रूप सामने आएगा। ऐसे में दर्शकों को मेरा एक ऐसा अंदाज भी देखने को मिल सकता है, जिसे उन्होंने पहले नहीं देखा होगा।''

# जूही मूई के ऑफ एयर होने से टूटा ईशा सिंह का दिल

टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह के लिए 'जूही मूई' सिर्फ एक सीरियल नहीं था, बल्कि ऐसा सफर था जिसमें उन्होंने अपने किरदार के साथ खुद को भी काफी हद तक जोड़ा। यही वजह है कि जब इस शो के ऑफ एयर होने की खबर सामने आई, तो ईशा के लिए इसे स्वीकार करना आसान नहीं रहा। एक्ट्रेस का कहना है कि वह इस कहानी और अपने किरदार को अभी और आगे ले जाना चाहती थीं। उन्हें लगता है कि अभी किरदार में बहुत कुछ ऐसा था, जिसे पर्दे पर दिखाया जा सकता था। शो के खत्म होने से वह दिल से काफी दुखी हैं, लेकिन इस सफर से मिली यादों और दर्शकों के प्यार को हमेशा अपने साथ रखेंगी। आईएएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव बयान में ईशा ने शो के बंद होने पर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, ''मैं इस समय बेहद दुखी हैं, क्योंकि मैं चाहती थी कि यह सफर अभी जारी रहे। बतौर एक्ट्रेस मेरे पास किरदार को लेकर अभी बहुत कुछ करने और समझने की गुंजाइश थी। मैं इस भूमिका में खुद को और ज्यादा तलाशना चाहती थी और दर्शकों को भी किरदार के अलग-अलग पहलू दिखाना चाहती थी। हर सफर इंसान को कुछ न कुछ सिखाकर जाता है।''

ईशा ने कहा, ''अगर 'जूही मूई' का ये सफर सच में खत्म हो रहा है, तो मैं इसे सिर्फ शो के बंद होने के तौर पर याद नहीं करना चाहती। मेरे लिए इस शो से जुड़ा प्यार, सेट पर बिताया वक्त, काम करने वाले लोग और बनी हुई यादें ज्यादा मायने रखती हैं। मैं उन फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जो शो को बचाने के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं। अगर मेरे फैंस अभी भी शो को बचाने की कोशिश कर रहे हैं तो मैं उनकी आवाज सुन रही हूं और उनकी इस कोशिश के लिए दिल से आभारी हूं।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी शो का हिस्सा रहता है तो वह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे उसकी जिंदगी का हिस्सा बन जाता है। कलाकार सिर्फ कैमरे के सामने लाइन्स बोलकर अपना काम पूरा नहीं करता। वह किरदार को समझता है, उसकी भावनाओं को महसूस करता है और कई-कई घंटे सेट पर बिताता है। 'जूही मूई' का अनुभव मेरे लिए कुछ ऐसा ही रहा। मैंने शो को अपनी परफॉर्मेंस के साथ-साथ अपना समय और पूरी एनर्जी दी है। इसलिए अचानक यह सुनना कि शो खत्म होने जा रहा है, मेरे लिए काफी भावुक कर देने वाला है।''

# खुशियां आती है मन के द्वार तो खोलिए....

ज़िंदगी जीना बहुत आसान है लेकिन हम लोग गलतियां करके उसे मुश्किल बना देते हैं। हर कोई जीवन में खुश रहना चाहता है, सकारात्मक होना चाहता है, अधिक क्रिएटिव और प्रोडक्टिव होना चाहता है। वर्तमान जीवन का उपहार है। इस तथ्य को जितना जल्दी समझ जाएं अच्छा होगा। आप जो भी काम करते हैं उसे खुशी और कुशलता से करें। आत्मनिर्भर बनें और अपने आप पर विश्वास रखें। कभी-कभी अपनी एक जैसी दिनचर्या से अलग हटकर कुछ करें। कम से कम साल में एक बार छुट्टियों पर जाने की कोशिश करें।

भरपूर पैसा और समाज में सम्मान पाना सभी का लक्ष्य होता है। लेकिन इस बेहतर जीवन को और उसके आनंद को पाने के लिए हम क्या करते हैं?.. कुछ नहीं।

क्या आप जानते हैं कि अच्छा परिवार, सच्चे दोस्त, बेहतर स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा एक सुखी जीवन के लिए पर्याप्त है, लेकिन हम अपनी पूरी ज़िंदगी लोगों के साथ खुद की तुलना करने में लगा देते हैं। अपने आपको भाग्यशाली मानने की बजाय अतिमहत्वाकांक्षी हो जाते हैं और उस चक्कर में ज़िंदगी का असली स्वाद लेना भूल जाते हैं।

याद रखें ज़िंदगी एक बार मिलती है इसलिए जब भी कोई लक्ष्य निर्धारित करें तो उसे प्राप्त करने के लिए इमानदारी से पूरी कोशिश करें और अंत में क्या होगा इसकी चिंता किए बिना प्रयास करें। अपने लक्ष्य को पा लेने के बाद आप संतुष्टि और आनंद का अनुभव करेंगे। कई लोगों को भविष्य के बारे में चिंता करने की आदत-सी होती है।

ऐसा करने से वे वर्तमान का महत्व कम कर देते हैं। ऐसा लगातार करने से वे नकारात्मक विचारों से घिरे रहते हैं और दुखी होते रहते हैं। अगर याद ही करना है तो अतीत की सुखद घटनाओं को याद करें जो आपको खुशी दे। भविष्य तब ही सुनहरा होगा जब आप वर्तमान में कुछ उद्देश्यपूर्ण काम करेंगे। आपके आज के ही कामों से आपका भविष्य सुरक्षित होगा।

ऐसी चीजें आपको खुशी देगी और आपको नई ऊर्जा मिलेगी और ज़िंदगी फिर से जीवंत हो उठेगी। अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अच्छे काम के लिए दान करें। किसी की आलोचना करने से दूर रहें। लोगों में सकारात्मक गुण देखें और उनकी प्रशंसा करें। इसे आदत बनाने का प्रयास करें। यह आपको शांत और शालीन बनाएगा। क्रोध न करें अगर आए तो उस पर नियंत्रण करें। पहले पहल यह असंभव-सा लगेगा लेकिन आप इसे नियंत्रित करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। अपने अंदर से अहंकार को दूर करें और विनम्रता और करुणा पैदा करें, जब आप ऐसा करेंगे तो आप देखेंगे कि आपको गुस्सा नहीं आएगा और आप नकारात्मक भावनाओं से अपने आप दूर होने लगेंगे और यह सब आपको आंतरिक शांति और खुशी प्रदान करेगा। आज के ज़माने में आदमी इससे ज्यादा और क्या चाहता है? जीवन में उतार-चढ़ाव तो आते ही रहते हैं। लेकिन जो अपनी समस्याओं और जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ता है उनका सामना अपनी पूरी क्षमता से करता है, और प्रयास करना नहीं छोड़ता है, वे लोग ही असली जीवन जीते हैं।

आपको करना बस इतना है कि अपना जीवन जीने का नज़रिया थोड़ा बदलना है। उसे एक सकारात्मक दृष्टिकोण देना है। तब आप देखेंगे कि एक-एक करके आप सफलता की सीढ़ियां चढ़ते जा रहे हैं और आपके जीवन में खुशी, अच्छा स्वास्थ्य, सुखी परिवार और जो भी आपने अपनी ज़िंदगी से चाहा है वो सब आपको मिलने लगेगा।

# सुपरमार्केट

## शॉपिंग में इन बातों का रखें ध्यान

शॉपिंग ऐसी गतिविधि है जो कभी शौक तो कभी जरूरत के तौर पर हमारे लिए अहम होती है। जब शॉपिंग जरूरत की चीजों की हो, तो भीड़ के डर से अक्सर यह टलती जाती है। सुपर मार्केट कल्चर ने इसे काफी आसान कर दिया है। हालांकि यहां भी भीड़ से तो दो चार होना ही पड़ता है। ऑनलॉइन शॉपिंग ने सुपरमार्केट से कुछ हद तक भीड़ कम की है, परंतु अभी भी यहां शॉपिंग करना काफी मशक्कत भरा काम है। लेकिन कुछ खास टिप्स आपके इस अनुभव को आसान बना सकते हैं। खास बातें 1. यहां साप्ताह के दिनों में जाने की कोशिश करें, न कि सप्ताहांत में । 2. अपनी लिस्ट तैयार करके जाएं। 3. अगर सप्ताहांत में जा रहे हैं तो किसी फ्रेंड या दोस्त को बिल की लाइन में लगा दें। सप्ताह के उन दिनों में शॉपिंग करें जब सार्वजनिक अवकाश न हो ़ अगर आप कर पाएं, तो यह टिप आपकी काफी सहायता कर सकता है। हां, हम भी मानते हैं कि ऐसा करना मुश्किल है। भले ही आप हाउस वाइफ हों या वर्किंग वुमन। परंतु छुट्टी के दिन शॉपिंग पर जाने से आपकी छुट्टी सुपर मार्केट की भीड़ में बर्बाद हो जाती है। पहले तो सभी शेल्फ के पास भीड़ मिलेगी फिर बिलिंग में अलग लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ेगा।

अपनी सामान की लिस्ट के अनुसार शॉपिंग करें ़ हम सभी घर से कुछ खास सामान को दिमाग में लेकर निकलते हैं। सुपर मार्केट ललचाने वाले सामान से भरा हुआ होता है। ऐसे में पूरी संभावना है कि आप अपना समय और पैसा दोनों बर्बाद कर दें। बेहतर होगा अपनी लिस्ट के अनुसार खरीददारी करें।

सुपरमार्केट शॉपिंग में इन बातों का रखें ध्यान

ऑफर से बचें ़ आपकी जेब से पैसा निकलवाने का बहुत आसान उपाय है ऑफर। आपने इतनी छूट देखी और खरीद लिया ऐसा सामान जो बाद में न जाने कब काम आए। ऐसे में सस्ती चीजों के लालच से बचें।

**किसी को बिलिंग लाइन में खड़ा करें** :

सामान खरीदते समय, वक्त का पता नहीं चलता परंतु जैसे ही बिलिंग का समय आता है वैसे ही लाइन में मुश्किल हो जाती है। अगर आप वीकएंड पर सामान खरीद रहीं हैं तो किसी को लाइन में लगा दें ताकि जैसे ही सामान ले लिया जाए वैसे ही बिलिंग हो जाए।

# रिश्तों की वो गरमाहट चली गई...

जिंदगी की जद्दोजहद ने इंसान को जितना मसरूफ बना दिया है, उतना ही उसे अकेला भी कर दिया है। हालांकि आधुनिक संचार के साधनों ने दुनिया को एक दायरे में समेट दिया है। मोबाइल, इंटरनेट के जरिए सात समंदर पार किसी भी पल किसी से भी बात की जा सकती है। इसके बावजूद इंसान बहुत अकेला दिखाई देता है। बहुत ही अकेला, क्योंकि आज के दौर में 'अपनापन' जैसे जज्बे कहीं पीछे छूट गए हैं। अब रिश्तों में वह गरमाहट नहीं रही, जो पहले कभी हुआ करती थी।

पहले लोग संयुक्त परिवार में रहा करते थे। पुरुष बाहर कमाने जाया करते थे और महिलाएं मिल-जुलकर घर-परिवार का कामकाज किया करती थीं। परिवार के सदस्यों में एक-दूसरे के लिए आदर-सम्मान और अपनापन हुआ करता था, लेकिन अब संयुक्त परिवार टूटकर एकल हो रहे हैं। महिलाएं भी कमाने के लिए घर से बाहर जा रही हैं। उनके पास बच्चों के लिए ज्यादा वक्त नहीं है। बच्चों का भी ज्यादा वक्त घर से बाहर ही बीतता है। सुबह स्कूल जाना, होम वर्क करना, फिर ट्यूशन के लिए जाना और उसके बाद खेलने जाना। जो वक्त मिलता है, उसमें भी बच्चे मोबाइल या फिर कम्प्यूटर पर गेम खेलते हैं। ऐसे में न माता-पिता के पास बच्चों के लिए वक्त है और न ही बच्चों के पास अपने बड़ों के लिए है। जिंदगी की आपाधापी में रिश्ते कहीं खो गए हैं शायद इसीलिए अब लोग परछाइयों यानी वर्चुअल दुनिया में रिश्ते तलाशने लगे हैं। लेकिन अफसोस! यहां भी वे रिश्तों के नाम पर ठगे जा रहे हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट पर ज्यादातर प्रोफाइल फेक होते हैं या फिर उनमें गलत जानकारी दी गई होती है। झूठ की बुनियाद पर बनाए गए रिश्तों की उम्र बस उस वक्त तक ही होती है, जब तक कि झूठ पर पर्दा पड़ा रहता है। लेकिन जैसे ही सच सामने आता है, वह रिश्ता भी दम तोड़ देता है। अगर किसी इंसान को कोई अच्छा लगता है और वह उससे उम्रभर का रिश्ता रखना चाहता है तो उसे सामने वाले व्यक्ति से झूठ नहीं बोलना चाहिए। जिस दिन उसका झूठ सामने आ जाएगा उस वक्त उसका रिश्ता तो टूट ही जाएगा, साथ ही वह हमेशा के लिए नजरों से भी गिर जाएगा। कहते हैं- 'इंसान पहाड़ से गिरकर तो उठ सकता है, लेकिन नजरों से गिरकर कभी नहीं उठ सकता।'

ऐसा भी देखने में आया है कि कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोग खुद को अति सभ्य व्यक्ति बताते हुए महिलाओं से दोस्ती गांठते हैं, फिर प्यार के दावे करते हैं। बाद में पता चलता है कि वे शादीशुदा हैं और कई बच्चों के बाप हैं। दरअसल, ऐसे बाप टाइप लोग हीनभावना के शिकार होते हैं। अपराधी प्रवृत्ति के कारण उनकी न घर में इज्जत होती है और न ही बाहर। उनकी हालत धोबी के कुत्ते जैसी होकर रह जाती है यानी धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का। ऐसे में वे सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपना अच्छा-सा प्रोफाइल बनाकर खुद को महान साबित करने की कोशिश करते हैं। वे खुद को अति बुद्धिमान, अमीर और न जाने क्या-क्या बताते हैं, जबकि हकीकत में उनकी कोई औकात नहीं होती। ऐसे लोगों की सबसे बड़ी 'उपलब्धि' यही होती है कि ये अपने मित्रों की सूची में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को शामिल करते हैं। यदि कोई महिला अपने स्टेटस में कुछ भी लिख दे तो फौरन उसे 'लाइक' करेंगे, कमेंट्स करेंगे और उसे चने के झाड़ पर चढ़ा देंगे। ऐसे लोग समय-समय पर महिलाएं बदलते रहते हैं यानी आज इसकी प्रशंसा की जा रही है तो कल किसी और की। लेकिन कहते हैं न कि 'काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती।' वक्त-दर-वक्त ऐसे मामले सामने आते रहते हैं।

# खाने में बच्चों को क्या दे मां

आजकल घर और ऑफिस के कामों के बीच फंसी ज्यादातर कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों के खान-पान पर खास ध्यान नहीं दे पातीं। यही वजह है कि अब बच्चों के खाने-पीने की आदतों में काफी बदलाव आ रहा है। अब उन्हें घर के खाने, फलों और सब्जियों की बजाए बाहर मिलने वाले पित्जा, बर्गर, पास्ता ज्यादा भाने लगा है।

ऐसे में अपने बच्चों को पौष्टिक आहार देना हर मां की जिम्मेदारी है। जानी-मानी डायटीशियन डॉ. सीमा पुरी का कहना है कि बढ़ते बच्चों को प्रोटीनयुक्त, हाई-कैलरीयुक्त खाना देना उनके विकास के लिए बहुत जरूरी है। बच्चों का एक्टिविटी लेवल बहुत हाई होता है, इसलिए उन्हें एनर्जी देने के लिए उनके खाने में पांच जरूरी पौष्टिक आहार शामिल करें।

पांच जरूरी आहार

प्रोटीन- अपने बच्चे को मजबूत और स्वस्थ बनाने के लिए उसे प्रोटीनयुक्त खाना जैसे अंडा, मछ्ली, चिकन, मीट और शाकाहार में दूध, दही, रोटी, ब्रेड, दालें सही मात्र में दें।

फाइबर और मिनरल- तेज दिमाग और शरीर के सही विकास के लिए अपने बच्चे को फाइबरयुक्त खाना जैसे हरी सब्जियां और फल जरूर खिलाएं।

काबरेहाइड्रेट- बच्चों को एनर्जी देने के लिए उनके खाने में चावल, आलू और मक्खन को शामिल करना चाहिए।

कैल्शियम- हडियों की मजबूती के लिए बच्चों को घी, दूध, दही जैसी कैल्शियम युक्त चीजें खिलाएं। फैटी फूड को कहें ना शहूर डायटीशियन शिल्पा ठाकुर का मनाना है कि बच्चे अपने मां-बाप के खान-पान से बहुत प्रभावित होते हैं, इसलिए अपने बच्चों के सामने वही खाएं, जो आप उन्हें खाते हुए देखना चाहते हैं। साथ ही बच्चों को सही पोषण देना उनकी मां के हाथ में होता है। इसलिए हर मां को पता होना चाहिए कि अपने बच्चे को क्या खिलाना है और क्या नहीं। जंक फूड, पेप्सी कोला, ज्यादा नमक का खाना, आलू चिप्स, पित्जा, बर्गर जैसी चीजें कम से कम खाने दें, क्योंकि अगर एक बार बच्चों को इन चीजों की आदत पड़ जाए तो उन्हें घर का खाना पसंद नहीं आता, इसलिए बच्चों में पौष्टिक आहार ही ज्यादा खाने की आदत डालें।

खेल-कूद भी है जरूरी

अक्सर पेरेन्ट्स बच्चों को खेलने-कूदने से रोकते हैं। ऐसे में बच्चे पूरा दिन वीडियो गेम खेलने या टीवी देखने में बिताने लगते हैं। ऐसे बच्चों को न तो भूख लगती है और न ही उनका घर से बाहर जाने का मन करता है। वे आलसी हो जाते हैं। बच्चों के सही विकास के लिए उन्हें सही पोषण देना जरूरी है।